राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 बैंकों की कर्ज पर याज दरें ज्यादा, इसे कम करने की जरूरत........

हरियाणा में 1.2 लाख कर्मचारियों को पका करने का बिल विधानसभा..... 12

वर्ष : 15 | अंक : 214 | नई दिल्ली, बुधवार, 20 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

दिल्ली में हिमाचल भवन की कुर्की का आदेश, सुक्खू सरकार को हाई कोर्ट का झटका

शिमला/नई दिल्ली, एजेंसी

शिमला/नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सुक्खू सरकार को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने दिल्ली स्थित हिमाचल भवन को अटैच करने के आदेश दिए हैं। यह आदेश सेली हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी लिमिटेड द्वारा दायर की गई अनुपालना याचिका पर सुनवाई के बाद जारी किए गए हैं। कोर्ट ने आदेश दिया है कि कंपनी को अपनी बकाया राशि वसूलने के लिए हिमाचल भवन को नीलाम करने की अनुमति दी जाए। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश अजय मोहन गोयल ने यह आदेश 64 करोड़ रुपये के बकाए को लेकर दिया। दरअसल, हिमाचल सरकार ने एक बिजली कंपनी का बकाया भुगतान नहीं किया जिसके लिए उच्च न्यायालय ने यह आदेश जारी करते हुए कम्पनी को हिमाचल भवन की नीलामी के बाद अपना बकाया वसूलने की सुविधा दी है। मामले के अनुसार सैली हाइड्रो पावर कंपनी नाम की कंपनी का सरकार पर 64 करोड़ रुपया अपफ्रंट प्रीमियम बकाया है जिसका भुगतान नहीं करने के मामले में हाई कोर्ट ने ये आदेश जारी किया है। ये राशि प्रदेश सरकार के पास लाहौल स्पीति स्थित बिजली प्रोजेक्ट के संचालन को लेकर सैली हाइड्रो पावर कंपनी द्वारा अपफ्रंट प्रीमियम के तौर पर जमा कराई गई थी। बाद में ये प्रोजेक्ट कंपनी ने सरकार को वापस दे दिया क्योंकि कंपनी का आरोप

है कि सरकार ने प्रोजेक्ट के संचालन के लिए जरूरी सुविधाएँ नहीं दी। ऐसे में अपफ्रंट प्रीमियम की राशि सरकार की तरफ से कंपनी को नहीं लौटायी गई, जिसके बाद कंपनी इस मामले को लेकर कोर्ट पहुँच गई। अब हाई कोर्ट ने कंपनी के हित में फैसला देते हुए हिमाचल प्रदेश की दिल्ली स्थित संपत्ति हिमाचल भवन को अटैच करने के आदेश दिए हैं। साथ ही 64 करोड़ रुपया पर ब्याज की राशि का भी भुगतान करने के कोर्ट ने आदेश दिए हैं। हाई कोर्ट ने ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव को आदेश दिया है कि वे यह तथ्यात्मक जांच करें कि किस अधिकारी या अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह राशि अभी तक जमा नहीं की गई। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि दोषी अधिकारियों से इस ब्याज की राशि व्यक्तिगत रूप से वसूलने का आदेश दिया जाएगा। हाई कोर्ट ने मामले की जांच के लिए 15 दिनों की समयसीमा निर्धारित की है और अगली सुनवाई की तारीख 6 दिसंबर 2024 तय की है। कोर्ट ने राज्य सरकार को इस बात की स्पष्ट जानकारी देने के लिए कहा कि किस कारण से बकाया राशि का भुगतान अब तक नहीं हुआ है। जबकि इसे कई साल पहले वसूल किया जाना चाहिए था। यह मामला वर्ष 2009 से जुड़ा हुआ है, जब राज्य की तत्कालीन सरकार ने सेली हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी लिमिटेड को लाहौल स्पीति में 320 मेगावाट के बिजली प्रोजेक्ट का आवंटन किया था। इसके तहत कंपनी को बीआरओ द्वारा सड़क निर्माण कार्य उपलब्ध कराया गया था। सरकार ने समझौते के तहत कंपनी को जरूरी मूलभूत सुविधाएं देने का वादा किया था, ताकि परियोजना समय पर पूरी हो सके। लेकिन बाद में कई विवादों के चलते कंपनी ने 2017 में हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दी थी, जिसके बाद यह मामला कानूनी दांव-पेंचों में उलझ गया। कम्पनी का आरोप है कि सरकार इस परियोजना के लिए मूलभूत सुविधाएं देने में नाकाम रही। फैसले का अध्ययन करेगी सरकार : सुक्खू राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का कहना है कि हाई कोर्ट के आदेश की प्रति अभी उन्होंने नहीं पढ़ी है। उन्होंने कहा कि अपफ्रंट प्रीमियम 2006 की ऊर्जा नीति के तहत तय किया जाता है। आर्बिट्रेशन का फैसला चिंताजनक है और सरकार फैसले का अध्ययन करेगी।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना	80,405
चांदी	1,1000
सेंसेक्स	80,220
निफ्टी	24,472

सीमाओं को सुरक्षित करने के साथ-साथ देश की संस्कृति को भी सुरक्षित रखना महत्वपूर्ण है : राजनाथ

हैदराबाद, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश में एकता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि विभाजन को हमेशा हार का सामना करना पड़ा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की संस्कृति की सुरक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सीमाओं को सुरक्षित रखना है। उन्होंने कहा, जब भी हमारी एकता कमजोर हुई है तब-तब आक्रमणकारियों ने हमारी सभ्यता और हमारी संस्कृति को नष्ट करने की पूरी कोशिश की है। इसलिए इतिहास से सीख कर एकता की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। मंत्री ने कहा, जो लोग विभाजन करते हैं वे विभिन्न धर्मों, जातियों और संप्रदायों सहित कई आधारों पर लोगों को बांटने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन आपको विभाजित नहीं होना चाहिए। आपको न तो विभाजित होना चाहिए और न ही दूसरों को विभाजित करना चाहिए। पूरे देश को एक साथ रहना होगा। हमें एकजुट रहना है। यदि हम विभाजन से बचते हैं तो हम विकास की ओर बढ़ेंगे और एक विकसित एवं मजबूत भारत का निर्माण करेंगे। राजनाथ सिंह ने एक निजी टीवी चैनल द्वारा आयोजित किए गए कोटी दीपोत्सवम समारोह के दौरान यह टिप्पणी की। प्राचीन शास्त्रों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एकता समाज की ताकत है। सिंह ने कहा कि एकता सुनिश्चित करके इस प्रकाश को न केवल देश में बल्कि पूरी दुनिया में फैलाना चाहिए क्योंकि भारत पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर ध्यान दे रही है। राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ-साथ देश के लिए सांस्कृतिक विकास भी इतना ही महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यदि कोई देश अपनी संस्कृति को खो देता है तो उसे परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, रक्षा मंत्री होने के नाते यह सुनिश्चित करना मेरी जिम्मेदारी है कि हमारे नेतृत्व में देश की सीमाएं सुरक्षित रहें। लेकिन मेरा यह भी मानना है कि देश की संस्कृति को सुरक्षित रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत केवल एक राजनीतिक इकाई नहीं है बल्कि इसकी हजारों वर्षों की सांस्कृतिक पहचान भी है, जिसके कारण हम दुनिया भर में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी देश सिर्फ जमीन के टुकड़े और उसके लोगों से नहीं बनता, बल्कि एक राष्ट्र उसकी संस्कृति से बनता है। उन्होंने कहा, ह्यअगर किसी देश के लोगों में अपनी संस्कृति के प्रति नफरत भरी जाए, तो वह देश किसी समय विभाजित हो जाएगा। सिंह ने कहा, जिन लोगों ने भारत और उसके लोगों को विभाजित करने की कोशिश की, उन्होंने हमारी संस्कृति को कमतर दिखाने की कोशिश की, लेकिन देशवासियों की जागरूकता के कारण वह दौर अब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि अब देश में सांस्कृतिक पुनरुत्थान हो रहा है।

मोदी ने छह नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर इंडोनेशिया, पुर्तगाल, नॉर्वे, इटली, फ्रांस और ब्रिटेन के नेताओं के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की और भारत के साथ इन देशों के द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी साझा की। श्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात में उन्हें भारत के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। दोनों नेताओं ने मौजूदा क्षेत्रों में भारत इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के साथ-साथ इसे नए क्षेत्रों में विस्तारित करने के लिए मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की। श्री मोदी ने इसके बाद पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने अर्थव्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और लोगों से लोगों के संबंधों और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर विचार-विमर्श किया। श्री मोदी की नॉर्वे के पीएम जोनास गहर स्टोर से मुलाकात में दोनों पक्षों ने भारत-नॉर्वे द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की जो विशेष रूप से भारत-ईएफटीए-टीईपीए पर हस्ताक्षर के बाद व्यापार और आर्थिक सहयोग पर केंद्रित थी। दोनों नेताओं ने भू-राजनीतिक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रियो में जी-20 ब्राजील शिखर सम्मेलन में भाग ले रहीं इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने लंबे समय से चले आ रहे भारत इटली द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने और गति देने के लिए भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-29 का स्वागत किया। श्री मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मुलाकात की। नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझीदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभप्रद मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की आवश्यकता को भी स्वीकार किया। श्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से भी मुलाकात की। नेताओं ने व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, एआई, डीपीआई के क्षेत्रों में भारत एवं फ्रांस के संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने हिन्द प्रशांत समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

संक्षिप्त खबरें

आम निवेशकों का माधवी बुच के नेतृत्व वाले सेबी से घट रहा है विश्वास : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की विश्वसनीयता को इसकी प्रमुख माधवी बुच के कारण धक्का लग रहा है और इसकी वास्तविकता की पड़ताल को लेकर वह विभिन्न क्षेत्र के प्रमुख लोगों से समय-समय पर बात करते हैं। कांग्रेस नेता ने आज कहा कि इस एपीसोड में उन्होंने पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा तथा अनुभवी पत्रकार सुचेता दलाल के साथ गहन विचार विमर्श किया है जिसमें यह तथ्य सामने आया है कि श्रीमती बुच के नेतृत्व में आम निवेशकों का सेबी पर विश्वास घट गया है। श्री गांधी ने कहा, ₹बुच स्टॉप्स हियर' के इस एपिसोड में, मैंने पवन खेड़ा और अनुभवी पत्रकार सुचेता दलाल के साथ बैठकर चर्चा की है कि किस तरह एकाधिकार को बढ़ावा देने वाली प्रणाली द्वारा खुदरा निवेशकों को कुचला जा रहा है। यह बातचीत माधबी बुच के नेतृत्व में सेबी की विफलता पर प्रकाश डालती है, जहां आम निवेशक की सुरक्षा के लिए बने नियामक तंत्र अब अडानी जैसे कॉर्पोरेट दिग्गजों की सुरक्षा कर रहे हैं। यह केवल वित्तीय कुप्रबंधन के बारे में ही नहीं है बल्कि इसमें यह भी विमर्श हुआ कि कैसे छोटे निवेशक, उद्यमी और ईमानदार व्यवसाय उस प्रणाली में विश्वास खो रहे हैं जो निष्पक्षता सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा,₹साथ मिलकर, हम साठगांठ वाले पूंजीवाद की वास्तविक कीमत का विश्लेषण करते हैं - खोई हुई बचत के संदर्भ में ही नहीं बल्कि लाखों मेहनती भारतीयों के लिए विश्वास और अवसर के क्षरण के संदर्भ में भी विचार करते हैं।

स्पेस एक्स ने इसरो का 4,700 किलोग्राम वजनी संचार उपग्रह अमेरिका से सफलतापूर्वक किया प्रक्षेपित

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड ने दी जानकारी

बेंगलुरु, एजेंसी

बेंगलुरु। अरबपति कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने देश के नवीनतम संचार उपग्रह जीसैट-एन2 को अमेरिका के केप कैनवेरल से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड ने यह जानकारी दी। एनएसआईएल ने बताया कि फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए 4,700 किलोग्राम वजनी जीसैट-एन2 हाई-थ्रूपुट (एचटीएस) उपग्रह को उसकी वांछित कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। एनएसआईएल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, एनएसआईएल के जीसैट-एन2 हाई-थ्रूपुट (एचटीएस) संचार उपग्रह को 19 नवंबर 2024 को अमेरिका के केप कैनवेरल से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। एनएसआईएल ने कहा, 4,700 किलोग्राम वजनी जीसैट-एन2 को वांछित भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित कर दिया गया है और इसरो की मास्टर कंट्रोल फैसिलिटी (एमसीएफ) ने उपग्रह का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि उपग्रह अच्छी स्थिति में है। उसने बताया कि एनएसआईएल का दूसरा मांग आधारित उपग्रह जीसैट-एन2 एक केए-बैंड हाई थ्रूपुट संचार उपग्रह है जो पूरे भारतीय क्षेत्र में ब्रॉडबैंड सेवाओं और विमानों की उड़ान में संपर्क सुविधा को बढ़ाएगा। जीसैट-24 एनएसआईएल का पहला मांग आधारित उपग्रह था और इसे 23 जून, 2022 को फ्रांस में फ्रेंच गुयाना के कौरू से प्रक्षेपित किया गया था। जीसैट-एन2 उपग्रह के मिशन की अवधि 14 वर्ष है और यह 32 उपयोगकर्ता बीम से लैस है, जिनमें पूर्वोत्तर क्षेत्र पर आठ संकीर्ण स्पॉट बीम और शेष भारत पर 24 चौड़े स्पॉट बीम शामिल हैं। एनएसआईएल ने कहा, इन 32 बीम को भारत की मुख्य भूमि में स्थित हब स्टेशन से सपोर्ट दिया जाएगा।

जी-20: चीन के विदेश मंत्री से मिले एस जयशंकर, सीमा समझौते के बाद पहली मुलाकात

रियो डी जेनेरियो/नई दिल्ली, एजेंसी

रियो डी जेनेरियो/नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी ने सोमवार रात रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की। दोनों नेताओं ने सीमा पर तनाव कम करने के बाद द्विपक्षीय संबंधों में अगले कदमों पर चर्चा की। अक्टूबर में भारत और चीन के बीच सीमा पर सैनिकों की वापसी के समझौता होने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि सोमवार को जी-20 के दौरान हुई बैठक में, भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में हाल ही में हुई सैन्य वापसी पर चर्चा हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में अगले कदमों को लेकर विचार किया गया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को बीजिंग में एक ब्रीफिंग में कहा कि उनका देश रणनीतिक आपसी विश्वास को बढ़ाने के लिए तैयार है। दोनों शीर्ष राजनयिकों की यह बातचीत पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच कजान में हुई बैठक के बाद हुई है। कजान मीटिंग के बाद दोनों देशों ने सीमा तनाव को कम करने में सफलता हासिल की थी। कजान में ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपनी बैठक के बाद इस बात पर जोर दिया था कि विदेश मंत्री स्तर की बैठक जल्द से जल्द होगी। जयशंकर ने वांग के साथ बैठक से पहले कहा, कजान में, हमारे नेताओं ने 21 अक्टूबर की समझ को ध्यान में रखते हुए आपसी रिश्तों में अगले कदम उठाने पर आम सहमति बनाई। उन्होंने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि जमीनी स्तर पर उस समझ का कार्यान्वयन योजना के अनुसार आगे बढ़ा है। लिन ने कहा, चीन दोनों देशों के नेताओं के बीच महत्वपूर्ण आम समझ को आगे बढ़ाने, संचार और सहयोग को बढ़ाने और रणनीतिक आपसी विश्वास को बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है। 21 अक्टूबर को भारत ने चीन के साथ सीमा समझौते पर पहुंचने की घोषणा की थी, जिससे लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध समाप्त होने की शुरूआत हुई। अगले दिन समझौते की पुष्टि करते हुए बीजिंग ने कहा कि ह्यप्रासंगिक मामलोंह्व पर समाधान हो गया है और वह समझौते की शर्तों को लागू करने के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करेगा।

क्या गृह मंत्री मणिपुर में दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ नहीं पा रहे: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मणिपुर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायक दल की बैठक में कई विधायकों के अनुपस्थित रहने को लेकर मंगलवार को गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या वह दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ नहीं पा रहे हैं। मणिपुर में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग के विधायकों की बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें जिरीबाम जिले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के लिए जिम्मेदार कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सात दिन में बड़े पैमाने पर अभियान चलाने का आह्वान किया गया। सोमवार रात को हुई इस बैठक में 27 विधायकों ने भाग लिया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मणिपुर विधानसभा में 60 विधायक हैं। कल रात मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इंफाल में राजग के सभी विधायकों की बैठक बुलाई, जिसमें उनके अलावा केवल 26 विधायक ही उपस्थित हुए। इन 26 में से 4 विधायक एनपीपी के हैं, जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष पहले ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मौजूदा मुख्यमंत्री से समर्थन वापस लेने के लिए पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने कहा, दीवार पर लिखी इबारत बिल्कुल साफ है। लेकिन क्या मणिपुर के बड़े सूत्रधार केंद्रीय गृह मंत्री इसे पढ़ रहे हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री ने राज्य की सारी ज़िम्मेदारी सौंप दी है और आउटसोर्स कर दिया है? रमेश ने सवाल किया कि मणिपुर के लोगों की असहनीय पीड़ा, दुख और तकलीफ कब तक यूं ही जारी रहेगी। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में दावा किया, ह्यह्यअब हमें तीन विधायकों के फजी हस्ताक्षर मिले हैं, जिनके बैठक में कथित रूप से उपस्थित होने का दावा किया गया था। इसलिए राजग के उपस्थित विधायकों की वास्तविक संख्या मुख्यमंत्री सहित सिर्फ. 24 थी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने राज्य में कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति की समीक्षा के लिए सोमवार शाम सत्तारूढ़ राजग के मंत्रियों और विधायकों की बैठक बुलाई थी। राज्य 60 सदस्यीय विधानसभा में सात विधायकों वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया है और दावा किया है कि बीरेन सिंह सरकार पूर्वोत्तर राज्य में संकट को हल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। हालांकि, इस समर्थन वापसी से सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि भाजपा के पास 32 विधायकों के साथ बहुमत है।

हॉकी नवनीत कौर ने गोल में तब्दील करके टीम इंडिया को 1-0 से बढ़त दिलाई.......................

चैंपियंस ट्रॉफी : जापान को 2-0 से हराकर महिला हॉकी टीम इंडिया फाइनल में

पटना, एजेंसी

पटना। भारतीय महिला हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में जापान को 2-0 से हराकर महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। अब टीम इंडिया का फाइनल में सामना चीन से होगा, जिसने पहले सेमीफाइनल में मलेशिया को 3-1 से हराया था। चैंपियंस ट्रॉफी का यह टूर्नामेंट बिहार के राजगीर में खेला जा रहा है और भारत बनाम चीन फाइनल मैच बुधवार को खेला जाएगा। जापान के खिलाफ रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के लिए नवनीत कौर और लालरेमसियामी ने आखिरी क्वार्टर में एक-एक गोल दाग कर टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित की। यह सेमीफाइनल मुकाबला इतना रोमांचक रहा कि 15-15 मिनट के पहले तीन क्वार्टर गोलरहित रहे, लेकिन आखिरी 15 मिनट में जापान की टीम दबाव में ढह गई। आखिरी क्वार्टर शुरू होने के 2 मिनट बाद ही भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे नवनीत कौर ने गोल में तब्दील करके टीम इंडिया को 1-0 से बढ़त दिलाई। मुकाबला समाप्त होने में 4 ही मिनट बाकी थे, तभी लालरेमसियामी ने 56वें मिनट में जापानी गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल दागते हुए भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई। जापान की गोलकीपर यू कुडो को कुछ बेहतरीन बचाव के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जापान अब टूर्नामेंट से बाहर हो गया है।

पहले हाफ में 0-0 रहा स्कोर

मैच के पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश की। भारतीय डिफेंस लाइन ने शानदार प्रदर्शन किया और जापान को गोल करने से रोके रखा। इस दौरान जापान के गोलकीपर कुडो यू ने भी शानदार बचाव किए और भारतीय टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया। हाफटाइम तक दोनों टीमों का स्कोर 0-0 था।

चौथे कॉर्टर में भारत ने जीत की पक्की

मैच के चौथे और आखिरी कॉर्टर में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया। 48 वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी स्ट्रोक में गोल करते हुए भारतीय टीम को मैच में 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 56 वें मिनट में लालरेमसियामी ने सुनेलित टोप्पो के शानदार पास को गोल में बदलकर भारत को मैच में 2-0 की निर्णायक बढ़त दिला दी। मैच का आखिरी मिनट काफी रोमांचक रहा। जापान को पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे जापान ने गोल में बदलने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गोलकीपर बिचू देवी ने इसे शानदार तरीके से रोक दिया और टीम की जीत पक्की कर दी।

चीन के साथ होगा फाइनल

भारतीय टीम अब बुधवार को फाइनल मुकाबले में चीन से भिड़ेगी। चीन ने मंगलवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और मलेशिया को 3-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। महिला हॉकी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास में भारतीय टीम कुल पांचवीं बार फाइनल में पहुंची है और टीम इंडिया अब तक तीन बार यह खिताब अपने नाम कर चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीण क्षेत्रों में कोई घटना होने पर पुलिस को दें सूचना

उत्तरकाशी, एजेंसी। डुंडा चौकी पुलिस की ओर से रविवार को ग्राम प्रहरियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम प्रहरियों को उनके कर्तव्यों से अवगत कराया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की घटना होने पर पुलिस को सूचना देने के निर्देश दिए गए। साथ ही क्षेत्र में घूमने वाले संदिग्धों की भी जानकारी मांगी गई। डुंडा चौकी पुलिस में नवनियुक्त प्रभारी उप निरीक्षक प्रकाश राणा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रहरियों की मुख्य भूमिका है। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रहरी गांव में नशा करने वाले, नशा तस्करों, महिलाओं से छेड़खानी करने वाले, सट्टेबाजों, लूट, डकैती, चोरी करने वाले व चोरी का माल रखने वाले, नकली करेंसी का धंधा करने वालों, विदेश में भेजने के नाम पर ठगने वालों, नौकरी दिलवाने के नाम पर पैसे ऐंठने वालों पर पूरी नजर रखें, जिससे उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके।

पाबौ के चरघट, चैड़ तल्ला व मल्ला में भालू की दहशत

पाबौ, एजेंसी। विकासखंड के चरघट, चैड़ तल्ला व मल्ला में इन दिनों भालू का आतंक बना हुआ है। जिसके चलते ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इन गांवों के आसपास भालू अपने शावकों के साथ दिखाई दे रहा है। ग्रामीण रमेश रावत व सिताब सिंह रावत ने बताया कि आए दिन भालू अपने कुनबे के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के समीप पहुंच रहा है।भालू ने इन दिनों खड़ी फसलों को चौपट कर दिया है। भालू की दहशत से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो गई है। बताया कि महिलाएं खेतों व चारा पत्ती लाने जंगल नहीं जा पा रही हैं। वन विभाग से कई बार मामले की शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा। बीते सप्ताह भालू ने ब्लॉक के ही कालों गांव में दो गोशालाओं को तोड़कर दो मवेशियों को मार डाला था। इसके बाद से क्षेत्र में भालू की चहल-कदमी और भी बढ़ गई है। उन्होंने वन विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए भालू के आतंक से निजात दिलाने की मांग उठाई है।

13 किमी चलने के बाद फिर दगा दे गई रोडवेज बस

चंपावत, एजेंसी। पहाड़ों पर लगातार रोडवेज डिपो की बसें आधे रास्ते में दगा रही हैं। लोहाघाट से यात्रियों को लेकर टनकपुर के लिए निकली बस 13 किमी चलकर चंपावत में खराब हो गई। इससे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोहाघाट डिपो की बस यात्रियों को लेकर लोहाघाट से टनकपुर जा रही थी। चालक ने बताया कि बस तकनीकी कारणों से खराब हो गई थी। डिपो के एआरएम धीरज वर्मा ने बताया कि बस का स्टेयरिंग पंप में खराबी आ गई थी। बस को ठीक किया जा रहा है।

मांस विक्रेता पिंडर नदी में डाल रहे गंदगी, लोगों ने जताई नाराजगी

देहरादून, एजेंसी। बाजार में संचालित मांस की दुकानों की गंदगी को सीधे पिंडर नदी में डाला जा रहा है। इससे पिंडर नदी का जल दूषित हो रहा है। इसके बावजूद नगर पंचायत और प्रशासन प्रशासन की ओर से मामले में कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय अनिल देवराड़ी, भरत सिंह, दिवाकर सिंह, हरेंद्र सिंह, नरेश चंद्र, प्रेमबल्लभ आदि का कहना है कि मांस विक्रेता मांस काटने के बाद गंदगी को रात में पिंडर नदी में डाल रहे हैं। जिससे पिंडर नदी का जल दूषित हो रहा है। लोगों ने प्रशासन से कई बार मीट मार्केट शिफ्ट करने की मांग, लेकिन पंचायत प्रशासन मामले में कार्रवाई नहीं कर रहा है। लोगों ने जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। ढ्ढपूर्व में भी प्रशासन और नगर पंचायत की ओर से गंदगी फैलाने वालों और खुले में मांस बेचने वालों के चालान काटे गये थे। उसके बाद फिर से अधिशासी अधिकारी ने निरीक्षण किया था अब उनको नोटिस भेजे गये हैं यदि फिर से गंदगी फैलाई तो कार्यवाही की जाएगी। -कमलेश जोशी, प्रभारी अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत थरासी।

पुलिस को शिकायत की तो घर आकर दी जान से मारने की धमकी

देहरादून, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल और पुलिस को शिकायत की तो आरोपी देहरादून आकर शिकायतकर्ता को ही धमकी देने लगे। आरोप है कि कुछ लोग यहां आए और उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। एसओ राजपुर पीडी भट्ट ने बताया कि मुक्ता गुलाटी निवासी भागीरथीपुरम, जाखन ने शिकायत की है।

जंगल सफरी करने का बढ़ा क्रेज, राजाजी टाइगर रिजर्व की चीला रेंज के गेट खुलते ही अधिकांश स्लॉट बुक

हरिद्वार , एजेंसी। राजाजी टाइगर रिजर्व की चीला रेंज के गेट खुलते ही अधिकांश स्लॉट बुक हो गए। पिछले साल तक 30 प्रतिशत ऑनलाइन बुकिंग होती थी। जबकि इस साल 70 फीसदी तक पहुंच गई है।

राजाजी टाइगर रिजर्व की चीला रेंज में ऑनलाइन बुकिंग कर जंगल सफारी करने का क्रेज बढ़ा है। 70 फीसदी तक सैलानी घर बैठे जंगल सफारी के लिए टिकट बुकिंग कर रहे हैं। ऐसे में जंगल सफारी के लिए रेंज के गेट खुलते ही अधिकांश स्लॉट भी बुक हो गए हैं।

राजाजी टाइगर रिजर्व की चीला रेंज हाथियों के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा बाघ, गुलदार और विभिन्न प्रकार के प्रजातियों के पक्षियों के लिए भी रेंज का नाम जाना जाता है। इसके

चलते वाइल्ड लाइफ प्रेमी चीला रेंज में जंगल सफारी कर प्राकृतिक सौंदर्य और जंगली जानवरों का दीदार करने के लिए आते हैं। टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने जंगल सफारी के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन बुकिंग की सुविधा दी है। पिछले साल तक 30 प्रतिशत तक ही सैलानी ऑनलाइन बुकिंग कराते थे। अधिकांश लोग गेट से ही ऑफलाइन टिकट लेकर जंगल सफारी कराते थे। लेकिन इस बार ट्रेंड बदला है और ज्यादातर लोग ऑनलाइन पंजीकरण कराकर जंगल सफारी करना पसंद कर रहे हैं। यही वजह है कि रेंज के गेट खुलने के चार दिन में ही सफारी के अधिकांश स्लॉट ऑनलाइन बुक हो चुके हैं। 70 प्रतिशत लोग ऑनलाइन बुकिंग करा रहे हैं। जंगल सफारी में लगीं जिप्सी सुबह-शाम भरकर चल रही हैं। इससे जिप्सी संचालकों और राजाजी टाइगर रिजर्व के अधिकारियों के चेहरे खिले हुए हैं। राजाजी टाइगर रिजर्व की चीला रेंज में एक दिन में अधिकतम 60 जिप्सी की अनुमति जंगल सफारी के लिए है। इसमें 30 जिप्सी सुबह की पाली में और 30 जिप्सी शाम की पाली में जा सकती हैं। पहले तीन दिन के आंकड़ों के अनुसार 15 नवंबर को सुबह की पाली में 11 जिप्सी गईं थीं, लेकिन शाम को 29 जिप्सी गईं। 16 नवंबर की सुबह 30 और शाम को 29 जिप्सी सफारी के लिए गईं। 17 नवंबर की सुबह 25 और शाम को 30 जिप्सी जंगल सफारी के लिए गईं।

सीएमओ के निरीक्षण को बीता एक माह, अब भी व्यवस्था में नहीं आया सुधार

देहरादून, एजेंसी। सीएमओ के निरीक्षण के एक माह बाद भी उप जिला अस्पताल विकासनगर की व्यवस्थाएं नहीं सुधरी हैं। अस्पताल में गंदगी जस की तस है। स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की ओपीडी के प्रतीक्षालय में टिन शेड पर अब तक सीलिंग भी नहीं लगाई गई है। सिटीजन चार्ट भी नजर नहीं आया। सूचनाएं लिखने के लिए एक छोटे से नोटिस बोर्ड का प्रयोग किया जा रहा है। पर्चा, पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी आदि जांच शुल्क की सूची भी अब तक नहीं लगाई गई है।

अक्तूबर माह में सीएमओ डॉ. संजय जैन ने उप जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था। उस समय छह कर्मचारी अनुपस्थित मिले थे। सीएमओ ने उनके एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए थे। वहीं, अस्पताल में जगह-जगह गंदगी मिली थी और मरीजों की सुविधा के लिए सिटीजन चार्ट भी नहीं लगाए गए थे। महिला ओपीडी के प्रतीक्षालय में टिन शेड में सीलिंग नहीं थी। सीएमओ ने सीएमएस को सफाई व्यवस्था में सुधार, सिटीजन चार्ट और प्रतीक्षालय में सीलिंग लगवाने के लिए कहा था। अस्पताल में व्यवस्था की पड़ताल की गई। महिला शौचालय और ओपीडी एरिया के बाहर गंदगी मिली। महिला शौचालय के पास ही खुले में डिलीवरी टेबल शीट रखी हुई थी। अस्पताल के पंजीकरण कक्ष के पास ओपीडी शुल्क का सिटीजन चार्ट नहीं लगा था। अस्पताल संबंधी सूचनाएं देने के लिए एक छोटा नोटिस बोर्ड था। एक पुरानी सूचना को मिटाया नहीं गया था। नोटिस बोर्ड पर काफी छोटे अक्षर लिखे थे, जो पास जाकर ही नजर आ रहे थे। काउंटर के बाहर उपलब्ध जांच और उनके शुल्क की जानकारी नहीं थी। गर्भवतियों की निशुल्क जांच के लिए जरूरी दस्तावेज के लिए चार्ट नहीं लगाया था। औषधि कक्ष के पीछे की ओर एक दवाओं की उपलब्धता संबंधी बोर्ड लगा मिला, लेकिन उस पर दवाओं की उपलब्धता संबंधी जानकारी नहीं लिखी मिली। मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने के लिए पुराने कक्ष में शुल्क लिखे मिले, लेकिन नए कक्ष में ऐसा कुछ नहीं मिला। पुराने कक्ष को अब इंजेक्शन कक्ष बनाया गया है, लेकिन उसमें टिटेनस, एंटी रैबीज इंजेक्शन, एंटी वेनम आदि जरूरी इंजेक्शन की उपलब्धता की जानकारी चस्पा नहीं मिली।

मायके में विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी

देहरादून, एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र के बरोटीवाला में विवाह कार्यक्रम में शामिल होने मायके आई विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर में फांसी लगा ली। परिजन महिला को हरबर्टपुर स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। महिला का पति, पत्नी और बेटी को स्वयं मायके छोड़कर गया था। अभी मृतका के परिवार की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। कोतवाली पुलिस को हरबर्टपुर स्थित एक निजी अस्पताल से सेलाकुई के रामपुर कला की छोटी बस्ती निवासी रूबी (32) पत्नी विनोद कुमार की मौत की सूचना मिली। चिकित्सकों ने बताया कि फांसी लगाने के बाद महिला को अस्पताल लाया गया था। कोतवाली प्रभारी राजेश साह ने बताया कि मृतका का मायका बरोटीवाला में है। सोमवार को गांव में एक विवाह कार्यक्रम था। वह रविवार को विवाह कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। मृतका का पति छह वर्ष की बेटी सहित पत्नी को मायके छोड़ गया था। सोमवार दोपहर कपड़े बदलने की बात कहकर रूबी कमरे में गई और भीतर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक वह बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने किसी तरह से दरवाजा खोला तो भीतर रूबी चुन्नी के बने फंदे से पंखे पर लटकी हुई थी।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि ससुराल पक्ष का कहना है कि पति-पत्नी के बीच कोई विवाद नहीं है। हालांकि, प्रथम दृष्टया से पारिवारिक विवाद को ही केंद्र में रखकर मामले की जांच की जा रही है। मृतका के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

उप चुनाव में ऐश्वर्य और कुलदीप की भी असली परीक्षा, युवा चेहरों ने पार्टी निर्णय को स्वीकारा

देहरादून, एजेंसी। चुनाव परिणाम से भाजपा से ज्यादा दोनों नेताओं की अस्मिता जुड़ी है। उपचुनाव में जहां भाजपा और कांग्रेस जान फूंके है, वहीं पार्टी प्रत्याशियों के अलावा कुछ उभरते नेताओं की साख से भी जुड़ा है।

केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव कई मयानों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खासकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ उप चुनाव में जिस तरह से बगावत को बड़ी सूझबूझ से संभाला है, उसका पार्टी संगठन से लेकर विपक्ष के बीच भी बड़ा संदेश गया है।

ऐसे में अब उप चुनाव के लिए प्रबल दावेदारी कर रहे दो चेहरे कुलदीप रावत और ऐश्वर्या रावत की भूमिका न केवल पार्टी, बल्कि उनके भविष्य को लेकर भी अहम मानी जा रही है। चुनाव परिणाम से भाजपा से ज्यादा दोनों नेताओं की अस्मिता जुड़ी है। उपचुनाव में जहां भाजपा और कांग्रेस जान फूंके है, वहीं पार्टी प्रत्याशियों के अलावा कुछ उभरते नेताओं की साख से भी जुड़ा है।

केदारनाथ विधानसभा की भाजपा विधायक रही दिवंगत नेता शैलारानी रावत की बेटी ऐश्वर्या ने इस चुनाव में दावेदारी की थी। इसी तरह दो चुनाव निर्दलीय लड़ने और अच्छे मत हासिल करने वाले कुलदीप रावत ने उप चुनाव से पहले भाजपा का दामन थाम लिया था। कुलदीप भी उपचुनाव में प्रबल दावेदारी ठोक रहे थे।

दोनों नेताओं की दावेदारी से भाजपा में बड़ी बगावत की सुगबुगाहट भी चल रही थी, लेकिन राजनीतिक मुश्किलों में कुशल रणनीति से निर्णय लेने वाले युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामला भांपते ही दोनों युवा नेताओं को मनाने में सफलता हासिल कर ली। इससे पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनने के साथ ही विपक्ष के हाथ से बड़ा मुद्दा चला गया। अब पार्टी प्रत्याशी के साथ ही पूर्व में दो चुनाव में बड़ा वोट बैंक हासिल करने वाले कुलदीप रावत की जिम्मेदारी बढ़ गई है। पार्टी की जीत और वोट प्रतिशत कुलदीप रावत के आगे का भविष्य तय करेगा।

अलग-अलग गुटों में बंटी कांग्रेस ने प्रचार में एकजुटता से किए वार

देहरादून, एजेंसी। केदारनाथ विधानसभी सीट पर कल 20 नवंबर को चुनाव होने हैं। पक्ष और विपक्ष दोनों ने ही केदारनाथ फतह करने के लिए पूरी ताकत झोंकी। पूर्व सीएम हरीश रावत भी प्रचार में चिरपरिचित अंदाज में दिखे।

अलग-अलग गुटों में बंटी कांग्रेस उपचुनाव के प्रचार युद्ध में भाजपा पर पूरी एकजुटता संग वार-पलटवार करती नजर आई। अब उसे मनचाहे नतीजे का इंतजार है। बदरीनाथ व मंगलौर उपचुनाव में जीत का उत्साह केदारनाथ के प्रचार को प्रचंड बनाने में उसके खूब काम आया।

कांग्रेस की चाहत केदारनाथ में जीत के साथ 2027 के लिए एक बड़ा संदेश देने की भी है। लोस चुनाव में पांचों सीट हारने के बाद कांग्रेस के हौसले पस्त थे, लेकिन बदरीनाथ व मंगलौर विस उपचुनाव में जीत ने उम्मीदों से भर दिया। उसने मिशन केदारनाथ के लिए प्रचार में पूरी ताकत झोंकी। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मोर्चा संभाला।

वहीं, पूर्व सीएम हरीश रावत भी प्रचार में चिरपरिचित अंदाज में दिखे। प्रचार के दौरान महिला मतदाताओं को साधने के लिए खेत खलियान में भी गए। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक प्रीतम सिंह, चुनाव प्रभारी व विधायक विक्रम सिंह नेगी, पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत समेत सभी दिग्गजों ने प्रत्याशी मनोज रावत की जीत के लिए प्रचार किया।

उपचुनाव में कांग्रेस की ताकत केदारनाथ धाम के नाम पर दिल्ली में प्रतीकात्मक मंदिर का निर्माण, धाम से सोना गायब होना, केदारघाटी में आपदा के मुद्दे को ताकत मान रही है। 2017 में केदारनाथ विस जीत कर मनोज रावत ने महिला उम्मीदवार जीतने का मिथक तोड़ा था। कांग्रेस को उम्मीद है कि इस बार भी मनोज रावत मिथक को तोड़ेंगे।

शीतकाल में अब गद्दीस्थलों पर होंगे चारधामों के दर्शन, जानिए श्रद्धालु कहां कर सकेंगे पूजा

देहरादून, एजेंसी। जो श्रद्धालु यात्रा के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित धामों में जाने में असमर्थ हैं, वह गद्दीस्थलों पर दर्शन कर सकते हैं। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट विधि विधान से बंद होने के साथ ही छह माह के लिए चारधाम यात्रा का पूर्ण रूप समापन हो गया है, लेकिन श्रद्धालुओं को शीतकाल में गद्दीस्थलों पर चारधामों के दर्शन व पूजा अर्चना की सुविधा होगी। साथ ही जो श्रद्धालु यात्रा के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित धामों में जाने में असमर्थ हैं, वह गद्दीस्थलों पर दर्शन कर सकते हैं। प्रदेश सरकार भी शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा दे रही, जिससे राज्य में पूरे साल पर्यटन गतिविधियां चलती रहे। केदारनाथ धाम के कपाट 10 मई को खुले और तीन नवंबर को बंद हुए। बाबा केदार की पंचमुखी डोली ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान है। अगले साल अप्रैल-मई में कपाट खुलने से पहले पंचमुखी डोली ऊखीमठ से केदारनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेगी। शीतकाल में बाबा केदार की पूजा अर्चना ऊखीमठ में होती है। यहां पर श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन व पूजा अर्चना कर सकते हैं। बदरीनाथ धाम के कपाट 12 मई को खुले थे और 17 नवंबर को बंद हो गए। धाम से उद्धव व कुबेर की डोली पांडुकेश्वर योग बदरी में विराजमान हो गई हैं, जबकि 19 नवंबर को आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी जोशीमठ स्थित नृसिंह मंदिर में पहुंचेगी। पांडुकेश्वर व जोशीमठ में शीतकाल में श्रद्धालु भगवान बदरी विशाल की पूजा अर्चना व दर्शन कर सकेंगे।

राज्य सहकारी समिति निर्वाचन नियमावली में होगा बदलाव

देहरादून, एजेंसी। राज्य सहकारी समिति निर्वाचन नियमावली में बदलाव के लिए कैबिनेट में प्रस्ताव आएगा। तीन साल में लेन-देन न करने वाले भी मतदान करेंगे

उत्तराखंड राज्य सहकारी समिति निर्वाचन नियमावली में बदलाव होगा। इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव आएगा। नियमावली में इस बदलाव से कृषि ऋण सहकारी समितियों के वे सदस्य भी मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। जिसने पिछले तीन साल में किसी भी साल समिति से लेन-देन नहीं किया। प्रदेश में सहकारी समितियों के चुनाव 16 एवं 17 दिसंबर को होने प्रस्तावित हैं। चुनाव में सभी सदस्य मतदान कर सकें, इसके लिए राज्य सहकारी निर्वाचन नियमावली में यह बदलाव किया जा रहा है। सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण के अध्यक्ष हंसा दत्त पांडे के मुताबिक, राज्य के जिला सहायक निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन नियमावली में यह व्यवस्था है कि जिसने समितियों से खाद, बीज, ऋण या किसी अन्य तरह का कोई लेन-देन नहीं किया, वे सदस्य चुनाव में मतदान नहीं कर सकेंगे। अध्यक्ष के मुताबिक, खासकर महिला सदस्य इससे मतदान से वंचित हो रही हैं, जबकि महिलाओं के लिए समितियों में 33 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की गई है। कहा, सभी सदस्य चुनाव में मतदान कर सकें इसके लिए नियम 12 (ख) में छूट का प्रस्ताव है। सचिव सहकारिता दिलीप जावलकर के मुताबिक, नियमावली में संशोधन के लिए कैबिनेट में प्रस्ताव आएगा। मंत्रिमंडल से प्रस्ताव को मंजूरी के बाद ही नियमावली में बदलाव हो पाएगा। कृषि विभाग के निदेशक केसी पाठक के मुताबिक, प्रदेश में 2,400 मीट्रिक टन डीएपी की केंद्र सरकार से मांग की गई है। जल्द ही खाद मिल जाएगी। विभाग के पास इसकी कमी की कहीं से कोई शिकायत नहीं है।

वहीं, सचिव सहकारिता दिलीप जावलकर के मुताबिक, सहकारिता विभाग यूरिया व डीएपी की केवल आपूर्ति करता है।

केदारनाथ उपचुनाव : मिथक दोहराएगा या फिर टूट जाएगा...किसे मिलेगा तीन महीने की तैयारी, 17 दिन के प्रचार का फल

देहरादून, एजेंसी। हॉट सीट बनी केदारनाथ विधानसभा में महिला प्रत्याशी की जीत का मिथक भाजपा दोहराएगी या फिर कांग्रेस इसे फिर तोड़ने में कामयाब रहेगी। पिछले करीब तीन महीने से उपचुनाव की तैयारी में जुटे सियासी दलों की तैयारियों और प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के लगातार 17 दिन तक किए धुआंधार प्रचार का फल किस दल की झोली में जाएगा, इसका खुलासा 23 नवंबर को मतगणना के बाद हो जाएगा। बहरहाल उपचुनाव में ताल ठोंक रहे छह प्रत्याशियों ने अपने पक्ष में हवा बनाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। हालांकि, मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच में ही माना जा रहा है।

उपचुनाव सिर्फ एक विस सीट नहीं है। इस सीट पर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा की प्रतिष्ठा नहीं विचारधारा भी दांव पर है। बदरीनाथ में हार के बाद उसे वैचारिक मोर्चे पर रक्षात्मक होना पड़ा था। पार्टी ऐसी असहज स्थिति दोबारा नहीं बनने देना चाहती, इसलिए पार्टी ने उपचुनाव का विधिवत एलान से तकरीबन तीन महीने पहले चुनावी प्रबंधन के

रणनीतिकारों के मैदान में उतार दिया था। युवा मंत्री सौरभ बहुगुणा और प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी संग विधायक भरत चौधरी का वहां प्रचार थमने तक अधिकतम समय गुजरा है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी उपचुनाव का रुख भाजपा के पक्ष में कराने को ताकत झोंकने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। आपदा के प्रभावितों के लिए विशेष पैकेज से लेकर विस क्षेत्र के विकास से जुड़ी योजनाओं की स्वीकृति तक के निर्णय फटाफट लिए। चुनाव की घोषणा से पहले ही केदारनाथ की जनता के बीच बार-बार पहुंचे और प्रचार के आखिरी दिन भी उन्होंने डेरा जमाया।

उपचुनाव में भाजपा की ताकत का जिक्र करें तो प्रदेश और केंद्र में सरकार, केदारनाथ से सीधे पीएम मोदी का जुड़ाव, सीएम, मंत्री, विधायक और पार्टी पदाधिकारियों का प्रचार, महिला मतदाता बहुल सीट पर दो बार की विधायक रही महिला चेहरे आशा नौटियाल पर लगाया गया दांव, कराए गए विकास कार्य मजबूत पक्ष माने जा रहे हैं। भाजपा उम्मीद कर रही कि एक बार महिला प्रत्याशी पर लगाया गया दांव सही साबित होगा और महिला उम्मीदवार की जीत का मिथक दोहराएगा, जबकि नई दिल्ली में केदारनाथ मंदिर का शिलान्यास भाजपा का कमजोर पक्ष माना जा रहा।

अलग-अलग गुटों में बंटी कांग्रेस उपचुनाव के प्रचार युद्ध में भाजपा पर पूरी एकजुटता संग वार-पलटवार करती नजर आई। अब उसे मनचाहे नतीजे का इंतजार है। बदरीनाथ व मंगलौर उपचुनाव में जीत का उत्साह केदारनाथ के प्रचार को प्रचंड बनाने में उसके खूब काम आया।

कांग्रेस की चाहत केदारनाथ में जीत के साथ 2027 के लिए एक बड़ा संदेश देने की भी है। लोस चुनाव में पांचों सीट हारने के बाद कांग्रेस के हौसले पस्त थे, लेकिन बदरीनाथ व मंगलौर विस उपचुनाव में जीत ने उम्मीदों से भर दिया। उसने मिशन केदारनाथ के लिए प्रचार में पूरी ताकत झोंकी। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मोर्चा संभाला।

वहीं, पूर्व सीएम हरीश रावत भी प्रचार में चिरपरिचित अंदाज में दिखे। प्रचार के दौरान महिला मतदाताओं को साधने के लिए खेत खलियान में भी गए। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक प्रीतम सिंह, चुनाव प्रभारी व विधायक विक्रम सिंह नेगी, पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत समेत सभी दिग्गजों ने प्रत्याशी मनोज रावत की जीत के लिए प्रचार किया।

दिल्लीवालों को प्रदूषण से तत्काल राहत दिलाने के लिए कृत्रिम वर्षा कराना चाहती है आप सरकार, केंद्र सरकार से मांगी अनुमति

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की जनता को वायु प्रदूषण से तत्काल राहत दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली के अंदर कृत्रिम वर्षा कराना चाहती है। सरकार ने कृत्रिम वर्षा कराने के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मांगी है। इस बाबत दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को चिट्ठी लिखी है। गोपाल राय ने चौथी बार कृत्रिम वर्षा कराने के लिए यह चिट्ठी लिखी है। गोपाल राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान हो या फिर बिहार हो क्यों न हो, आज पूरा उत्तर भारत प्रदूषण की मार झेल रहा है और आसमान पर स्मॉग की एक चादर फैली हुई है। वातावरण में मौजूद प्रदूषित कण बुजुर्गों और बच्चों की सांसों पर भारी पड़ रहा है और उनके जीवन पर निगेटिव प्रभाव डाल रहा है। दिल्ली एनसीआर में ग्रेप 4 की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। हम लगातार दिल्ली में प्रदूषण को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। गोपाल राय ने कहा कि एक्सपर्ट से चर्चा के बाद यह बात सामने आई है कि अब वह समय आ गया है कि यदि हमें इस स्माग की चादर को तोड़ना है तो हमें कृत्रिम वर्षा करवानी पड़ेगी। इसलिए फिर आज फिर से केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव जी को पत्र लिखा हूँ कि वह तुरंत दिल्ली सरकार और आई.आई.टी. कानपुर के एक्सपट्र्स जिन्होंने कृत्रिम वर्षा के संबंध में रिसर्च किया है, की एक मीटिंग बुलाएं। साथ ही संबंधित विभागों जिनसे परमिशन की जरूरत पड़ेगी जैसे डीजीसीए, एमएचए, डिफेंस और जो भी संबंधित विभाग हैं उनकी एक संयुक्त मीटिंग बुलाकर, कृत्रिम वर्षा के संबंध में त्वरित निर्णय लें।

गोपाल राय ने बताया कि पिछले साल जब इमरजेंसी परिस्थितियों में आई.आई.टी. कानपुर के वैज्ञानिक के साथ मीटिंग के दौरान उन्होंने बताया था कि कृत्रिम वर्षा के लिए कई विभागों के परमिशन की जरूरत होती है। पिछले साल समय कम था इसलिए मैंने इस साल पहले ही केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखकर इसके लिए पहले से तैयारी करने के लिए मीटिंग का अनुरोध किया था केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री जी को मैंने पहले चिट्ठी 30 अगस्त 2024 को भेजी थी कि संबंधित विभागों के साथ मीटिंग करके कृत्रिम वर्षा हेतु पहले से तैयारी की जाए, लेकिन माननीय पर्यावरण मंत्री जी ने कोई मीटिंग नहीं बुलाई। इसके बाद मैंने 10 अक्टूबर और 23 अक्टूबर पत्र लिखा लेकिन कोई मीटिंग नहीं बुलाई गई। केन्द्रीय कृषि मंत्री और केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री के साथ अक्टूबर में आन लाईन मीटिंग के दौरान मैंने अनुरोध किया था कि क्लाउड सिडिंग की तैयारी के लिए एक मीटिंग बुला लें लेकिन आज तक इस बाबत कोई मीटिंग नहीं बुलाई गई।

गोपाल राय ने कहा कि आज पूरे उत्तर भारत और दिल्ली की स्थिति प्रदूषण की नजर से बहुत ही चिंताजनक हो चुकी है। मैंने कई एक्सपर्ट से बात की है कि और सभी की राय यही है कि यदि हमें स्माग की इस लेयर को तोड़ने के दो ही तरीके हैं। पहला यह कि बहुत तेज हवा चले और स्माग की चादर टूट जाए। या फिर कृत्रिम वर्षा द्वारा इस चादर को तोड़ा जाए। कई देशों ने ऐसा किया भी है। केन्द्र सरकार के पर्यावरण मंत्री जिनको मैं पिछले लगभग तीन महीने से पत्र लिख कर कृत्रिम वर्षा के लिए आवश्यक तैयारी और विभागों के परमिशन के लिए, एक मीटिंग बुलाने के लिए कह रहा हूँ लेकिन उनके पास इसके लिए समय नहीं है। कृत्रिम वर्षा होगी कि नहीं होगी, यह तो मीटिंग के बाद तय होगा। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूँ कि वे अपने पर्यावरण मंत्री को आदेश दे कि कृत्रिम वर्षा के लिए एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाएं और उत्तर भारत के लोगों के सांसों पर जो खतरा मंडरा रहा है उसे दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

भारत रत्न स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की 107वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित

- करोड़ों भारतीयों के दिलों में आज भी जिंदा है आयरन लेडी, श्रीमती इंदिरा गांधी: दयानंद वत्स भारतीय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने आज संघ के मुख्यालय बरवाला में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी को 107वीं जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि समूचे विश्व में इंदिरा गांधी का कद निर्विवाद रुप से सबसे उंचा है। प्रधानमंत्री के रुप में उनका कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है। उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व करिश्माई था। दृढ इच्छा शक्ति से परिपूर्ण इंदिरा जी की नेतृत्व क्षमता गजब की थी। वे राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की अद्भुत मिसाल थीं। वत्स ने कहा कि आयरन लेडी इंदिरा गांधी आज भी करोड़ों भारतीयों के दिलों में जिंदा हैं और आने वाली सदियों तक जिंदा रहेंगी।

कृत्रिम बारिश के लिए गोपाल राय ने लिखी केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्री को चिट्ठी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्री को कृत्रिम वर्षा के लिए एक बार फिर चिट्ठी लिखी है। गोपाल राय का कहना है कि दिल्ली में वाहनों पर लगातार प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं और स्मॉग की चादर को हटाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि केंद्र सरकार को अगस्त से ही लगातार चिट्ठियां लिखी जा रही हैं। एक बार ऑनलाइन मीटिंग भी हुई लेकिन अब केंद्र सरकार के मंत्री मीटिंग करने को ही तैयार नहीं है। जबकि दिल्ली सरकार ने आर्टिफिशियल रेन की सारी तैयारी पहले से कर रखी है।

गोपाल राय ने कहा है कि पिछले तीन दिनों से पूरे उत्तर भारत में चाहे वो उत्तर प्रदेश हो, दिल्ली हो, पंजाब हो, राजस्थान और बिहार तक स्मॉग की चादर आसमान में फैली हुई है। ऐसे में दिल्ली के अंदर और दिल्ली के चारों तरफ ग्रेप 4 नियम लागू कर दिए गए हैं। गोपाल राय ने बताया है कि हम ये कोशिश कर रहे हैं कि गाड़ियों पर ज्यादा से ज्यादा प्रतिबंध लगाया जाये। ये जो स्मॉग की चादर छाई हुई है इसे कैसे तोड़ा जाए। इसलिए हमे लगता है अब वो समय आ गया है कि दिल्ली के अंदर आर्टिफिशियल रेन करवाई जाए। इसके लिए इस साल हमने अगस्त में ही तैयारी शुरू कर दी थी। ताकि जब स्थिति खराब हो तो उस पर काम किया जा सके। गोपाल राय ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि हम केंद्र सरकार को लंबे समय से चिट्ठी लिख कर समय टाइम मांग रहे हैं। एक बार उनसे ऑनलाइन मीटिंग हुई थी। ऐसे में बहुत ही दुख के साथ हमें कहना पड़ रहा है कि आज ऐसी सरकार केंद्र में बैठी है जिसके पास अगस्त, सितंबर, अक्टूबर और आज नवंबर में भी बार-बार चिट्ठी लिखने पर एक मीटिंग बुलाने के लिए समय नहीं है। शायद हमने विदेश में किसी दूसरे देश के मंत्री को इतनी चिट्ठी लिखी होती तो वो बैठक बुला लेते। मैं देश के प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं की अपने मंत्री साहब से बोलें कि मीटिंग तो बुलाएं। केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को भेजे गए अपने पत्र में गोपाल राय ने लिखा है कि यह चौथा पत्र है, सर्दियों के महीनों के दौरान दिल्ली की वायु गुणवत्ता के संबंध में। जब धुंध और पर्यावरणीय गिरावट के कारण वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर बढ़ जाता है और क्लाउड सीडिंग को एक आपातकालीन उपाय के रूप में माना जाता है। आज की तारीख में दिल्ली में एक्यूआई पहले ही 450 के स्तर को पार कर चुका है और ग्रेप-क्ष लागू कर दिया गया है और ग्रेप-क्ष के तहत सभी उपाय दिल्ली में सख्ती से किए जा रहे हैं। दिल्ली सरकार पहले ही शीतकालीन कार्ययोजना लागू कर चुकी है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए तत्काल राहत के लिए वैकल्पिक समाधान तलाशने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। क्लाउड सीडिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें वातावरण से वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कृत्रिम रूप से बारिश कराई जाती है। दिल्ली सरकार ने आईआईटी कानपुर की मदद से पिछले साल ऐसे महत्वपूर्ण समय के दौरान कृत्रिम रूप से बारिश कराने और वायु प्रदूषण को कम करने के लिए एक आपातकालीन उपाय के रूप में क्लाउड सीडिंग की खोज की थी और देखा कि इसे लागू करने के लिए विभिन्न एजेंसियों से पूर्व मंजूरी की आवश्यकता होती है। यह देखते हुए कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में आ गई है, मेरा मानना है कि वर्तमान स्थिति में इस पद्धति के उपयोग पर तुरंत विचार करने की आवश्यकता है। अपने पत्र में गोपाल राय ने लिखा, मैं एक बार फिर आपसे अनुरोध करता हूं कि क्लाउड संचालन के लिए एनओसी/मंजूरी जारी करने में शामिल दिल्ली सरकार, आईआईटी कानपुर और अन्य सभी केंद्रीय सरकारी विभागों/एजेंसियों जैसे डीजीसीए, एमएचए, रक्षा मंत्रालय आदि के साथ तुरंत एक आपातकालीन बैठक बुलाएं।

संक्षिप्त खबरें

निर्माण पर रोक: रियल एस्टेट सेक्टर की चिंताएं और चुनौतियां

प्रात: किरण संवाददाता

राजधानी क्षेत्र में ग्रैप क्ष के तहत सड़कों, राजमार्गों और पाइपलाइनों समेत सभी निर्माण कार्यों पर रोक लगने से रियल एस्टेट सेक्टर में हलचल मच गई है। वायु प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए इस फैसले की जरूरत को सभी ने स्वीकारा है, लेकिन इस रोक ने ऑनगोइंग और नई परियोजनाओं को लेकर बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन, प्रदीप अग्रवाल कहते हैं कि एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के कारण ग्रैप के तहत लगाए गए प्रतिबंध मुश्किल जरूर हैं, लेकिन पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है। रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए यह एक मौका है कि वे अपने कामकाज को सुधारें, नए और टिकाऊ तरीके अपनाएं और ऐसी परिस्थितियों के लिए पहले से योजना बनाएं।

रहेजा डेवलपर्स के नयन रहेजा कहते हैं कि प्रदूषण पर नियंत्रण बहुत जरूरी है और हम इसे पूरी तरह से समर्थन करते हैं।साथ ही, यह समझना भी जरूरी है कि रियल एस्टेट क्षेत्र कितना प्रदूषण बढ़ा रहा है। हमारा मानना है कि जो काम वायु में बहुत अधिक धूल फैलाते हैं, उन्हें तुरंत बंद कर देना चाहिए। हालांकि, प्लंबिंग और अन्य आंतरिक कामों को सावधानी के साथ सुरक्षा उपायों के तहत किया जा सकता है। 360 रियल्टर्स के डायरेक्टर, संजय अरोड़ा कहते हैं कि ग्रैप-क्ष के तहत निर्माण पर रोक एक चुनौती हो सकती है, लेकिन यह सरकार की वायु गुणवत्ता सुधारने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हम उन नीतियों का समर्थन करते हैं, जो पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देती हैं। इस रोक से रियल एस्टेट क्षेत्र को हरित प्रक्रियाओं और तकनीकों को अपनाने का अवसर मिलेगा, जिससे सतत विकास सुनिश्चित हो सके।

ग्रैप-4 के तहत लागू की गई इन पाबंदियों के बावजूद, यह उम्मीद की जा रही है कि सरकार और डेवलपर्स मिलकर प्रदूषण को नियंत्रित करते हुए क्षेत्र में विकास और निर्माण कार्यों को जारी रखेंगे, ताकि दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार हो और लोग स्वस्थ रहें।

दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक, लोग बोले- सांस नहीं ले पा रहे आंखें भी जल रहीं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन घनी धुंध छायी रही और प्रदूषण का स्तर 488 पर पहुंचे एक्यूआई के साथ बेहद गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। मंद हवाओं और गिरते तापमान के कारण प्रदूषक कणों का छंटना मुश्किल हो गया। दिल्ली के आसपास के इलाकों में पराली जलाने की घटनाओं के कारण उससे निकला धुंआ और प्रदूषक ठंडी हवा में घुलमिल जाते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में सोमवार को इस मौसम की सबसे सर्द रात दर्ज की गई, जब पारा पिछली रात के 16.2 डिग्री सेल्सियस से घटकर 12.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़े के अनुसार, सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 488 दर्ज किया गया। राजधानी के 32 निगरानी केंद्रों में से 31 ने एक्यूआई का स्तर 480 से अधिक दर्ज किया। दो केंद्रों, अलीपुर और सोनिया विहार में यह अधिकतम 500 रहा। सोमवार को दिल्ली में छह वर्षों में दूसरी बार सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई और एक्यूआई 494 तक पहुंच गया।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को पहली बार अत्यंत गंभीर श्रेणी में पहुंच गई, जिसके कारण अगली सुबह ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण चार के तहत कड़े प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करना पड़ा। इन उपायों के तहत आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले या स्वच्छ ईंधन (एलएनजी/सीएनजी/बीएस-छह डीजल/इलेक्ट्रिक) का उपयोग करने वाले ट्रकों को छोड़कर अन्य सभी ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध, निर्माण और तोड़ फोड़ की गतिविधियों पर पाबंदी तथा स्कूलों को बंद करना शामिल है। वर्ष 2017 में पहली बार अधिसूचित किए गए ग्रैप के तहत वायु प्रदूषण रोधी कई उपाय लागू किए जाते हैं, जिसका पालन राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में किया जाता है।

स्थिति की गंभीरता के आधार पर दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में वायु गुणवत्ता को चार अलग-अलग चरणों में वगीर्कृत करता है। चरण एक खराब (एक्यूआई 201-300), चरण दो बहुत खराब (एक्यूआई 301-400), चरण तीन गंभीर (एक्यूआई 401-450) और चरण चार झ अत्यंत गंभीर (एक्यूआई 450 से ऊपर)।

मौसम संबंधी जानकारी देने वाले निजी मौसम केंद्र स्काईमेट वेदर के मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा कि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में घने कोहरे के साथ-साथ मंद उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण प्रदूषक तत्व हवा में ही फंस गए हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यतापमान में गिरावट के कारण ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिससे प्रदूषण सतह के करीब आ रहा है। अगर हवा की गति नहीं बढ़ी तो अगले दो से तीन दिनों में कोई महत्वपूर्ण सुधार होने की संभावना नहीं है। हालांकि, इस सप्ताह के अंत में बारिश होने की उम्मीद है और इससे प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है।

आईएमडी ने बताया कि मंगलवार को सुबह कोहरे के कारण दृश्यता घटकर 400 मीटर रह गई तथा दिन में भी दृश्यता ऐसी ही बनी रहने की संभावना है। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 89 प्रतिशत दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

कांग्रेस की नीति और नीयत में खोट, दिवालिया होने के कगार पर सुक्खू सरकार: मनोज तिवारी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली स्थित हिमाचल भवन को कुर्क करने का आदेश जारी किया है। जिसे लेकर भाजपा सुक्खू सरकार पर हमलावर हो गई है। कोर्ट के इस आदेश पर लोकसभा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार दिवालिया होने के कगार पर है। कांग्रेस पार्टी ने हिमाचल प्रदेश में चुनाव के वक्त बड़े-बड़े वादे किये थे। उन्होंने हर महिला को 1500 रुपया देने का वायदा किया था, आज हर महिला अपने हक को लेकर उनसे सवाल पूछ रही है। सांसद ने आगे कहा, हिमाचल प्रदेश की आर्थिक स्थिति इतनी बदहाल हो चुकी है कि वहां के मंत्रियों और विधायकों को वेतन डोनेट करने को कहा जा रहा है। हिमाचल भवन का बिजली का बिल नहीं देने से हिमाचल भवन के कुर्की का आदेश सरकार के आर्थिक दिवालिएपन को दिखाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आप इसको दूसरी नजर से देखें तो जहां-जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां-वहां आर्थिक दिवालियापन और कुर्की देखने को मिलती रहती है। कांग्रेस की नीति और नीयत में खोट है, जिसका परिणाम जनता को भुगतना पड़ रहा है। सरकारी संपत्तियों की कुर्की का आदेश दिया जाना सुक्खू सरकार की विफलता को दिखाता है। कांग्रेस पार्टी को हिमाचल प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। दरअसल, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार लगभग 150 करोड़ रुपये का बिजली बकाया भुगतान करने में विफल रही है।

केजरीवाल सरकार में मेट्रो का काम डेढ़ गुना तेज हुआ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की सीएम आतिशी ने बताया कि दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर में मेट्रो का विस्तार तेजी से हुआ है। आज उन्होंने मुकुंदपुर डिपो पर चालक रहित नए ट्रेन सेट के आने पर उनका निरीक्षण किया था। उन्होंने दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के हो रहे विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि केजरीवाल सरकार में मेट्रो का काम कितनी तेजी से हुआ है। आतिशी ने केजरीवाल सरकार से पहले के 16 सालों के आंकड़ों से तुलना करते हुए बताया कि दिल्ली मेट्रो का काम इतने गुना तेजी से हुआ है। उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के विस्तार में ट्रेन का पहला सेट आ चुका है। इसका निरीक्षण उन्होंने मुकुंदपुर डिपो पर किया। ये ट्रेन पूरी तरह से ऑटोमेटिक और बिना चालक(ड्राइवर) वाली ट्रेने हैं। फेज-4 के विस्तार में 86 किलोमीटर की मेट्रो लाइन का विस्तार जाना है। तीन लाइनों पर पहले से ही निर्माण कार्य चल रहा है। इनके नाम हैं; जनकपुरी पश्चिम से रामकृष्ण आश्रम, मजलिस पार्क से मौजपुर और एयरोसिटी से तुगलकाबाद हैं। इसके अलावा दो लाइन लाजपत नगर से साकेत और इंद्रप्रस्थ से इंद्रलोग अभी प्री टेंडरिंग स्टेज पर हैं। जल्द ही इनका भी काम शुरू होगा। आप सरकार में दिल्ली मेट्रो का विस्तार डेढ़ गुना तेज हुआ आतिशी ने दावा किया बीते 10 साल में जबसे दिल्ली में आप सरकार आई है, मेट्रो के विस्तार की गति डेढ़ गुना से ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि 1998 में जब दिल्ली मेट्रो का काम शुरू हुआ था तबसे लेकर 2014 तक कुल 193 किमी. लंबी मेट्रो लाइन बनी थी। फिर दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की आप सरकार आई और जितना काम पहले 16 सालों में हुआ था उतना ही विस्तार बीते 10 सालों में(केजरीवाल के समय में) हो गया है। आतिशी ने बताया कि 2014 के बाद से अब तक दिल्ली मेट्रो की 200 किमी. लंबी लाइन बनी है।

दिल्ली में सफर करने वालों की संख्या बढ़ी 2014 में पूरी दिल्ली में मात्र 143 मेट्रो स्टेशन थे। आज 288 मेट्रो स्टेशन पूरी दिल्ली में हैं। 11 मेट्रो लाइनें दिल्ली को एनसीआर के अलग-अलग हिस्सों से जोड़ती हैं। बीते 10 साल में इन्फ्रास्ट्रक्चर के अलावा लोगों के ट्रैवल करने में भी बढ़ोतरी हुई है। अब लोग अधिक संख्या में मेट्रो का उपयोग आवागमन में कर रहे हैं। आतिशी ने बताया कि 2014 में डेली आवागमन करने वाले लोग 24 लाख थे। वहीं अब 2024 में इनकी संख्या बढ़कर 60 लाख प्रतिदिन पहुंच गया है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि कल दिल्ली मेट्रो ने रिकॉर्ड बनाया। कल यात्रा करने वाले लोगों की संख्या थी 78 लाख।

निर्माण पर रोक: रियल एस्टेट सेक्टर की चिंताएं और चुनौतियां

राजधानी क्षेत्र में ग्रैप क्ष के तहत सड़कों, राजमार्गों और पाइपलाइनों समेत सभी निर्माण कार्यों पर रोक लगने से रियल एस्टेट सेक्टर में हलचल मच गई है। वायु प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए इस फैसले की जरूरत को सभी ने स्वीकारा है, लेकिन इस रोक ने ऑनगोइंग और नई परियोजनाओं को लेकर बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन, प्रदीप अग्रवाल कहते हैं कि एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के कारण ग्रैप के तहत लगाए गए प्रतिबंध मुश्किल जरूर हैं, लेकिन पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है। रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए यह एक मौका है कि वे अपने कामकाज को सुधारें, नए और टिकाऊ तरीके अपनाएं और ऐसी परिस्थितियों के लिए पहले से योजना बनाएं। रहेजा डेवलपर्स के नयन रहेजा कहते हैं कि प्रदूषण पर नियंत्रण बहुत जरूरी है और हम इसे पूरी तरह से समर्थन करते हैं।साथ ही, यह समझना भी जरूरी है कि रियल एस्टेट क्षेत्र कितना प्रदूषण बढ़ा रहा है। हमारा मानना है कि जो काम वायु में बहुत अधिक धूल फैलाते हैं, उन्हें तुरंत बंद कर देना चाहिए। हालांकि, प्लंबिंग और अन्य आंतरिक कामों को सावधानी के साथ सुरक्षा उपायों के तहत किया जा सकता है। 360 रियल्टर्स के डायरेक्टर, संजय अरोड़ा कहते हैं कि ग्रैप-क्ष के तहत निर्माण पर रोक एक चुनौती हो सकती है, लेकिन यह सरकार की वायु गुणवत्ता सुधारने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हम उन नीतियों का समर्थन करते हैं, जो पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देती हैं। इस रोक से रियल एस्टेट क्षेत्र को हरित प्रक्रियाओं और तकनीकों को अपनाने का अवसर मिलेगा, जिससे सतत विकास सुनिश्चित हो सके। ग्रैप-4 के तहत लागू की गई इन पाबंदियों के बावजूद, यह उम्मीद की जा रही है कि सरकार और डेवलपर्स मिलकर प्रदूषण को नियंत्रित करते हुए क्षेत्र में विकास और निर्माण कार्यों को जारी रखेंगे, ताकि दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार हो और लोग स्वस्थ रहें।

ठगी के मामले में चीनी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शेयर बाजार में निवेश के बहाने लोगों से ठगी करने वाले चीनी नागरिक फेंग को शाहदरा जिले की साइबर सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपित ने अपने साथियों के साथ मिलकर 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की है। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि आरोपित की पहचान फेंग चेनजिन के रूप में हुई है। यह अप्रैल 2020 में आंध्र प्रदेश में एक तियावानी कंपनी के लिए काम करने के वीजा पर भारत आया था। आंध्र पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के समय उसका वीजा वैध था और पासपोर्ट और वीजा दोनों आंध्र पुलिस ने जब्त कर लिए थे। अब उसके पास कोई वैध वीजा नहीं है। डीसीपी के अनुसार आरोपित फेंग चेनजिन पहले भी दो ऐसे ही मामलों में शामिल रहा है। तकनीकी निगरानी के बाद आरोपित की गिरफ्तारी हुई है। आईएमईआई नंबर 86269406720421 वाला मोबाइल फोन, जिसका इस्तेमाल आरोपित के कब्जे से लेनदेन को सुविधाजनक बनाने के लिए किया गया था। जांच में पता चला कि धोखाधड़ी से जुड़े फिनकेयर बैंक खाते से जुड़ी 17 एक जैसी शिकायते है। अब तक जांच में पता चला है कि आरोपित 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका। पुलिस के मुताबिक आरोपित फेंग चेनजिन व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग घोटालों के माध्यम से ठगी करता था। पुलिस के अनुसार, 24 जुलाई 2024 को सुरेश कोलीचियिल अच्युतन द्वारा साइबर अपराध पोर्टल पर एक शिकायत दर्ज की गई। जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्हें धोखाधड़ी वाले शेयर बाजार प्रशिक्षण सत्रों में लालच दिया गया और बाद में कई लेन-देन में 43.5 लाख रुपये का निवेश करने के नाम ठगी की गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएचओ/साइबर इंस्पेक्टर मनीष कुमार की देखरेख में एक टीम का गठन किया गया।

पुलिस ने जांच के दौरान उन बैंक खातों का विवरण प्राप्त किया गया, जिनमें ठगी की गई राशि ट्रांसफर की गई थी और संदिग्ध मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल का विश्लेषण किया गया। सभी संदिग्ध व्यक्तियों से जुड़े बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के संदर्भ में गहन जांच की गई और तकनीकी विश्लेषण के बाद आरोपित के बारे में पता चला। जिसके बाद पुलिस ने सफदरजंग इलाके से आरोपित को गिरफ्तार किया।

सत्येंद्र जैन की याचिका पर ईडी से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को दिल्ली के पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में सत्र अदालत में आरोपों पर सुनवाई टालने की मांग की गई है। जैन के वकील ने तर्क दिया कि मामले में जांच अभी भी जारी है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने अगली सुनवाई 10 दिसंबर के लिए निर्धारित की है, लेकिन इस बीच सत्र अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जैन ने याचिका के माध्यम से कहा कि जांच जारी है। यह न्याय हित में होगा कि आरोपों पर दलीलें जांच पूरी होने के बाद ही सुनी जाए। इसमें आगे कहा गया है कि इस मामले में सीबीआई की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार कई विभागों से रिकॉर्ड एकत्र करके और समाज के विभिन्न वर्गों के गवाहों की जांच करके कई लेन-देन के संबंध में आगे की जांच की जानी है। इसमें बड़ी मात्रा में रिकॉर्ड शामिल हैं। आगे की जांच का नतीजा अपराध की आय के संबंध में महत्वपूर्ण होगा। 18 अक्तूबर को सत्र अदालत ने धनशोधन मामले में सत्येंद्र जैन को जमानत दे दी। जैन को मई 2022 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने उन पर कथित रूप से उनसे जुड़ी चार कंपनियों के माध्यम से अपराध की आय का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था।

वायु प्रदूषण के कारण पुरुष और महिला प्रजनन क्षमता पर बुरा असर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली - तनाव, जंक फूड का सेवन, मोटापा और मधुमेह के साथ ही अब वायू प्रदूषण पुरूष और महिला दोनों के प्रजनन क्षमता पर बुरा असर कर सकते हैं। इस कारण गर्भधारण करने में परेशानी का सामना करना पड सकता हैं। इसलिए गर्भधारण और प्रजनन क्षमता को बढाने के लिए विशेषज्ञ की सलाह लेना काफी जरूरी हैं। वायु प्रदूषण एक बढ़ती हुई चिंता बन रहा है। यह न केवल आपके श्वसन, आँख या त्वचा के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि आपकी प्रजनन क्षमता को भी नुकसान पहुंचाता है। पुरुषों और महिलाओं में वायु प्रदूषण के कारण बांझपन की समस्या हो सकती हैं।

इंदिरापुरम स्थित नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी के प्रजनन विशेषज्ञ डॉ. नेहा त्रिपाठी ने कहॉ की, ह्यह्यहवा में मौजूद प्रदूषक जैसे पार्टिकुलेट मैटर (पीएम), जहरीले रसायन और भारी धातु पुरुषों और महिलाओं के

प्रजनन स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकते हैं। इन प्रदूषकों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन की समस्या हो सकती हैं। जिससे अनियमित मासिक धर्म की समस्या होती हैं। महिलाओं में मासिक धर्म चक्र और ओव्यूलेशन को विनियमित करने के लिए हार्मोनल संतुलन महत्वपूर्ण है और असंतुलन व्यवधान पैदा कर सकता है। जब महिला के ओव्यूलेशन में देरी होती है तो स्वाभाविक रूप से गर्भधारण की संभावना कम हो जाती है, जिससे उनकी प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है। यह न केवल महिला के मासिक धर्म चक्र को प्रभावित करता है, बल्कि अंडों की गुणवत्ता को भी कम करता है। यह आगे चलकर पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) की बिमारी का सामना करना पड सकता हैं, जिसका महिला की प्रजनन क्षमता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है,डॉ नेहा त्रिपाठी ने कहा, ह्लवायु प्रदूषण एक गंभीर खतरा है जो न केवल महिलाओं में बल्कि पुरुषों में भी प्रजनन क्षमता को प्रभावित करता है। इसके अलावा वाहनों के उत्सर्जन और औद्योगिक रसायनों जैसे हानिकारक प्रदूषकों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से पुरुषों के प्रजनन स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ये पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थ आगे चलकर शुक्राणुओं की संख्या में कमी और शुक्राणु की गतिशीलता में कमी जैसी जटिलताओं को जन्म दे सकते हैं। यह शुक्राणु में डीएनए को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। वायु प्रदूषण के इन छिपे हुए खतरों को पहचानना और उनका समाधान करना आपकी प्रजनन क्षमता बढ़ाने के लिए जरूरी हैं।

डॉ. नेहा ने कहॉ की, ह्लइसलिए दोन्हों को प्रदूषण के उच्च स्तर के संपर्क में आने से बचने की सलाह दी जाती है। पीक ट्रैफि क घंटों के दौरान यात्रा करने से बचें क्योंकि इस समय वायु प्रदूषण का स्तर अधिक होगा। कोई भी योजना बनाने या बाहर जाने से पहले वायु की गुणवत्ता की जाचं करें। घर से बाहर जाते समय मास्क का उपयोग करें। कोई भी व्यक्ति एक अच्छे एयर प्यूरीफायर में निवेश करने की कोशिश कर सकता है क्योंकि घर के अंदर की हवा की गुणवत्ता उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि बाहर की हवा की गुणवत्ता। प्रजनन क्षमता को बढाने के लिए संतुलित आहार का सेवन करे, हाइड्रेटेड रहें, धूम्रपान और शराब का सेवन न करें और नियमित रूप से व्यायाम करें। इसके अलावा, नियमित स्वास्थ्य जांच या प्रजनन जांच करना जरूरी हैं।

चार मंजिला इमारत में लगी आग, बुजुर्ग महिला को बचाया

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के शक्ति नगर में सोमवार दोपहर एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई। पूरी बिल्डिंग आग की चपेट में आकर धू-धू कर जलने लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूम धारण कर लिया और ग्राउंड फ्लोर से लेकर चौथी मंजिल तक इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। इस आग में केवल परिवार के लोग सुरक्षित बच पाए। जबकि सारा सामान जलकर राख हो गया। वहीं गनीमत यह रही कि जिस इमारत में आग लगी थी, उसमें रहने वाले परिवार के लोग इमारत छोड़ कर बाहर आ गए थे। आग इतनी भयंकर थी कि उसके धुएं ने बराबर वाली इमारत को भी अपनी चपेट में ले लिया। उसी इमारत की चौथी मंजिल पर 75 वर्षीय महिला जो चलने में लाचार थी उनकी जान जोखिम में आ गई। मौके पर मौजूद रूप नगर थाना के एसएचओ रमेश कौशिक कुछ पुलिस कर्मियों के साथ धुएं से घिरी चौथी मंजिल पर पहुंचे और बुजुर्ग महिला को सबने मिलकर सुरक्षित नीचे ले आए। जानकारी के अनुसार इस आग पर काबू पाने के लिए 20 से ज्यादा फायर की गाड़ी मौके पर पहुंची थी। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इस हादसे में सकुशल बचने के बाद बुजुर्ग महिला सरोज बाला गुप्ता ने पुलिसकर्मियों को धन्यवाद दिया और उनके हौसला की तारीफ की।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1.	15245196A	कार्टेज एस ए बाल 5.56 एमएम	125911 नग	12.12.2024
2.	19240808A	एन्ड फ्रेम डी ई असेंबली (मशीन्ड)	112 नग	16.12.2024
3.	12241133A	सिंगल कोर एलस्टोमेरिक केबल साइज 300 एस क्यू एम एम	3473 मीटर	16.12.2024
4.	07241161A	ड्रा बार एंड केसटल नट फॉर ड्रा गियर	2481 नग	23.12.2024
5.	07241152A	हेड स्टॉक कम्पलीट	50 नग	30.12.2024
6.	07241066	वेअरिंग पीस फॉर साइड बेयरर	770 नग	30.12.2024
7.	15245006	कम्पलीट पेंटिंग सिस्टम	01 नग	06.01.2025
8.	15245204	सी एन सी एक्सल टर्निंग लेथ	01 नग	06.01.2025
9.	09242534	कास्ट स्टील साइड फ्रेम अलोंग विध लाइनर्स	323 नग	21.01.2025

निविदा शर्तें : **1.** विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **2.** मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

टेंडर नोटिस सं.: 73/2024-2025 दिनांक: 19.11.2024 **3565/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

श्री वेंकटेश्वरा मे काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह की 100वीं वर्षगांठ पर

वैन्केटेश्वरा वीरांगना सम्मान समारोह-2024 का शानदार आयोजन

- भारतवर्ष में मातृशक्ति वीरांगनाओं का सम्मान सनातन संस्कृति में आदिकाल से होता आया है: सुधीर गिरि
- मातृशक्ति को सम्मानित करते हुए वैन्केटेश्वरा परिवार स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है: डा. राजीव त्यागी

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला। श्री वैन्केटेश्वरा विश्वविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वाधान में काकोरी शताब्दी वर्ष की 100वीं वर्षगाँठ एवं झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के जन्मशताब्दी वर्ष पर विभिन्न क्षेत्रों में शानदार कार्य करने वाली चार दर्जन से अधिक मातृशक्ति को ह्शाल, स्मृति चिह्न, पटका एवं पगड़ीह्न पहनाकर ह्वैन्केटेश्वरा वीरांगना सम्मान - 2024ह्न से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने कहा कि नारीशक्ति/ मातृशक्ति का सम्मान आज से नही बल्कि सनातन संस्कृति के साथ अनादिकाल से होता रहा है। वही विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी ने कहा कि आज मातृशक्ति को सम्मानित करते हुए वैन्केटेश्वरा परिवार स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। श्री वैन्केटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान के डा. सी.वी. रमन सभागार में आयोजित ह्वैन्केटेश्वरा वीरांगना सम्मान- 2024ह्न का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, प्रधान सलाहकार प्रो. वी.पी.एस. अरोड़ा, वरिष्ठ साहित्यकार मधुरम संस्था की अध्यक्षा डा. मधु चतुर्वेदी, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे आदि ने सरस्वती माँ एवं रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया। अपने सम्बोधन में संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने कहा कि आज महान वीरांगना झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के जन्मशताब्दी वर्ष पर हम ह्वैन्केटेश्वरा वीरांगना सम्मान - 2024ह्न का आयोजन कर रहे है, पर मातृशक्ति का सम्मान आज से नही बल्कि सनातन संस्कृति में आदिकाल से होता आया है। प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी ने कहा कि आज मातृशक्ति को सम्मानित करते हुए वैन्केटेश्वरा परिवार स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। हम पूर्व से ही नारी को शक्ति रूप, करुणा रूप, विद्या रूप, धनलक्ष्मी रूपेण समेत सभी रूपों में पूजा करते है। वैन्केटेश्वरा वीरांगना सम्मान-2024 समारोह को प्रधान सलाहकार प्रो. वी.पी.एस. अरोड़ा, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे, प्रसिद्द साहित्यकार डा. मधु चतुर्वेदी, समूह सलाहकार आर.एस.शर्मा ने भी सम्बोधित किया। सम्मानित होने वाली वीरांगनाओं में डा. मधु चतुर्वेदी (साहित्य/कला), डा. सुमेधा दीदी (संस्कृत एवं महिला सशक्तिकरण), डा. शालिनी सिंह (एन.जी.ओ./ सामाजिक कार्यकत्री), डा. एना ब्राउन (नर्सिंग), डा. दिव्या गिरधर (पत्रकारिता), श्रीमती करूणानिधि (सलाहकार महिला कल्याण विभाग), ममता दुबे (महिला कल्याण), रीना जोशी (मेडिकल एजुकेशन), डा. नीतू पंवार (इंटरनल क्वालिटी) डा. शिल्पा रैना (रिसर्च) अजहा खान (अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) समेत अलग-अलग क्षेत्रों की बयालीस महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. पीयूष पांडेय, डा. राजेश सिंह मेरठ परिसर से निदेशक डा. प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा इत्यादि शामिल रहे।

इंस्पेक्टर संजय सिंह को हमेशा याद रखेंगे अमरोहा वासी : खुर्शीद हैदर

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा।अंजुमन रजाकाराने हुसैनी रजिस्टर्ड के तत्वाधान में एल आई.यू इंस्पेक्टर शसंजय सिंह के पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नति होने पर एक स्वागत समारोह शहर के प्रख्यात शिक्षण संस्थान आई एम इंटर कॉलेज में आयोजित हुआ। जिसकी सदारत शिया इमाम जुमा मौलाना डा सैय्यद सियादत नकवी व संचालन डॉ चंदन नकवी ने किया।कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य अतिथि का माल्यार्पण अंजुमन के पदाधिकारी और शहर के गणमान्य लोगों ने किया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अंजुमन के सचिव खुर्शीद हैदर जैदी ने संजय सिंह के कार्यों पर रोशनी डाली और कहा कि आपकी पदोन्नति आपकी मेहनत ईमानदारी का परिणाम है,आपके प्रयासों ने आपको उस स्थान पर पहुँचाया है जहाँ आप आज हैं। लगभग 14 वर्षों तक आप अमरोहा में रहे। प्रमोशन मिलने के साथ-साथ जिम्मेदारियां और विभाग के प्रति जवाबदेही अधिक बढ़ जाती हैं।मौलाना डा सियादत नकवी ने अपनी तकरीर में अपने दुआइया कलमात में कहा कि मेरी दुआ है कि संजय सिंह जी भविष्य में अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए इसी तरह पूरी निष्ठा ईमानदारी मेहनत और लगन के साथ इस सिलसिले को जारी रखे और जनता के प्रति मधुर व्यवहार को जारी रखे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि मै 2010 में बहिसयत उप निरीक्षक के अमरोहा आया था लेकिन आप लोगों की दुआओं से मुझे तरक्की मिली है आपने जो मेराअभिनंदन किया है,उसके लिए मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं। इस अवसर अवसर पर मुख्य रूप से मौलाना डा सैय्यद अहसन अख्तर, डा जमशेद कमाल, इमदाद आबिदी, अध्यक्ष मुस्लिम कमेटी हाजी खुरशीद अनवर, महासचिव अब्दुल कय्यूम राइनी, हुसैन हैदर हुसैनी, गुफरान मेहदी नजमी, सैय्यद युनूस जैदी, कमर नकवी,अली इमाम रिजवी, खालिद सिद्दीकी, इकराम हुसैन जैदी, इकबाल खा, सैय्यद तकी खान, लियाकत अमरोहवी, सिब्ते सज्जाद नकवी, गुलरेज अब्बास आदि व अन्य लोग मौजूद थे। इमदाद आब्दी नायब काईद ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

एन.सी.सी. के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर मेंसी.ए.टी.सी.112 का हुआ ओपनिंग ऐड्रेस

प्रात : किरण संवाददाता

धामपुर/स्योहारा। 32 यूपी बटालियन एनसीसी धामपुर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 112 का कैंप कमांडेंट कर्नल गौरव गुप्ता के दिशा निर्देशन तथा डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल ललित भट्ट के नेतृत्व में ओपनिंग एड्रेस हुआ ' इस वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सीनियर डिवीजन एवं जूनियर डिवीजन के लगभग 600 कैडेट्स प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे ' जिसमें मैप रीडिंग, युद्ध कला कौशल, स्वास्थ्य एवं हाइजीन,शारीरिक प्रशिक्षण,विभिन्न प्रकार के शस्त्रों का ज्ञान प्राप्त करेंगे इसके साथ-साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं भी इस शिविर में आयोजित की जाएगी ' 32 बटालियन का यह वार्षिक शिविर 18 नवंबर से 27 नवंबर तक देवता पीजी कॉलेज ग्राम मोरना मे चलेगा ' दोनों अधिकारियों का मानना है कि शिविर के दौरान एक कैडेट का सर्वांगीण विकास होना चाहिए ' इस अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल गौरव गुप्ता,डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल ललित भट्ट,कैंप एडजुटेंट मेजर रमाशंकर, लेफ्टिनेंट शशांक कुमार शर्मा, लेफ्टिनेंट धीरज शर्मा, लेफ्टिनेंट ललितकुमार फर्स्ट अफसर मुकेश कुमार,सूबेदार मेजर बलवंत सिंह,थर्ड अफसर रिंकी देवी, सूबेदार किशान सिंह,अवतार सिंह,धन बहादुर राय,नायाब सूबेदार भूपेंद्र सिंह,हवलदार अर्जुन सिंह, ज्ञानेंद्र श्रेष्ठ, संजय,त्रिलोक सिंह, विनोद नेगी,मनोज राय, मनबहादुर आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली में प्रदूषण का कहर, सांसद मनोज तिवारी ने बांटे मास्क, बोले- जागरूक होना जरूरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के नए उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में लोगों को मास्क बांटे। इस दौरान दोनों नेता आम लोगों को प्रदूषण के प्रति जागरूक करते हुए भी दिखे। मास्क बांटने के बाद मनोज तिवारी ने पत्रकारों से इस संबंध में बातचीत भी की। उन्होंने कहा, ह्लमौजूदा समय में दिल्ली में प्रदूषण अपने खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। आलम यह है कि लोगों का सांस लेना दूभर हो चुका है। लोग अपनी जिंदगी को खतरे में डालने पर विवश हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में हम लोगों को जागरूक कर रहे हैं। हम 3 करोड़ लोगों के बीच मास्क नहीं बांट सकते लेकिन उन्हें जागरूक कर सकते हैं। इससे लोगों के बीच में यह संदेश जाएगा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदूषण अपने खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। इसी को देखते हुए मनोज तिवारी लोगों के बीच मास्क बांट रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैं मीडिया को धन्यवाद करना चाहूंगा, जो लगातार इस समस्या को चैनलों में दिखा रहे हैं। यह तो हमारा दुर्भाग्य है कि हम 2016 से यहां पर मास्क बांट रहे हैं। आप में से कई लोग इसमें शामिल भी होते रहे हैं। लेकिन, इसके बाद भी 2016 से लेकर 2024 तक की स्थिति एक समान ही है। लेकिन, हम क्या कर सकते हैं। हम सिर्फ अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। लेकिन, हमारी कोशिश रहनी चाहिए कि ऐसी स्थिति ही पैदा ना हो।

उन्होंने कहा, यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि दिल्ली सरकार ने लोगों के बीच में मौत परोसी है। दिल्ली सरकार को लोगों के हितों से कोई लेना देना नहीं है। आज दिल्ली की जनता जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार की लापरवाही का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि आज तक प्रदूषण को लेकर एक भी बैठक नहीं की गई है। यह लोग आसानी से केंद्र सरकार पर आरोप लगा देते हैं। हम बीते दिनों महाराष्ट्र चुनाव प्रचार के लिए गए थे, तो हमारा पटाखों से स्वागत किया गया। लेकिन, दिल्ली में तो फुलझड़ी भी नहीं फोड़ी गई। इसके बावजूद भी ऐसे हालात बने हुए हैं। इससे यह साफ जाहिर होता है कि दिल्ली सरकार प्रदूषण को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है।

घर से काम करने और सम-विषम उपायों पर जल्द ही फैसला किया जाएगा: गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को कहा कि राजधानी में बिगड़ती वायु गुणवत्ता से निपटने के लिए घर से काम करने और सम-विषम (ऑड-ईवन) जैसे उपायों को लागू करने के लिए जल्द ही फैसला किया जाएगा। गोपाल राय ने बताया, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है और हमें इस स्थिति पर बहुत अफसोस है। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार से ही वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है तथा एक्यूआई भी लगातार 450 से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। घर से काम करने के उपायों को लागू करने की संभावना पर राय ने कहा, हम जल्द ही इस पर निर्णय लेंगे। मंत्री ने कहा कि सरकार ने दिल्ली में पहले ही चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चौथे चरण को लागू कर दिया है और इसके तहत वाहनों पर अहम प्रतिबंध लगा दिए हैं। उन्होंने कहा, हम इन उपायों के प्रभाव का विश्लेषण कर रहे हैं। यदि विश्लेषण में सकारात्मक परिणाम मिलते हैं तो हम उसके अनुसार आगे का निर्णय लेंगे। राय ने वर्तमान स्थिति को चिकित्सीय आपातकाल करार देते हुए सभी लोगों द्वारा कार्रवाई करने की जरुरत पर जोर देते हुए कहा, यह चिकित्सीय आपातकाल का समय है और हम सभी को इस स्थिति से निपटने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

ट्रकों एवं ट्रैक्टरों पर लगाए रिफ्लेक्टर, मिल प्रशासन भी रहा मौजूद

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा।कोहरे में वाहनों और राहगीरों की सुरक्षा के मद्देनजर स्योहारा थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार द्वारा आज अवध शुगर मिल एन्ड एनर्जी लिमिटेड में पहुंचकर गन्ने की ढुलाई में लगे वाहनों पर रिफ्लेक्टर और लाल कपड़ा लगाते हुए किसानों व सभी वाहन चालकों से रिफ्लेक्टर लगाने की अपील की इस मौके पर थाना प्रभारी अमित कुमार ने कोहरे के दौरान सड़क यातायात नियमों का पालन करने का भी आह्वान किया। इस मौके पर एस.आई. कृपाल सिंह, थाना ड्राईवर आरक्षी पंकज शर्मा , शुगर मिल से एच.आर. विवेक श्रीवास्तव, एडवोकेट राजेश शर्मा आदि भी मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाई स्कूल में समझाया वंदना का महत्व

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाई स्कूल रेलवे रोड स्योहारा में विद्या भारती पश्चिम उत्तर प्रदेश में प्रांत की व्यवस्था के अनुसार शैक्षिक व आर्थिक आंतरिक निरीक्षण क्रम के द्वितीय दिवस के वंदना सत्र में महिपाल (संभाग निरीक्षक), प्रेम सिंह, अशोक शर्मा (प्रधानाचार्य) बुलंदशहर , विजेंद्र शर्मा (प्रधानाचार्य) स्योहारा, लव कुमार (कोषाध्यक्ष), आनंद (प्रधानाचार्य)ने मां सरस्वती के सम्मुख संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन किया विद्यालय के कोषाध्यक्ष जी ने सभी अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर महिपाल ,(संभाग निरीक्षक)ने उपस्थित भैया बहनों व विद्यालय के समस्त स्टाफ को वंदना के शुद्ध उच्चारण स्वर व महत्व को समझाया विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद कुमार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली सरकार ने कृत्रिम बारिश के लिए केंद्र से अनुमति मांगी, प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण के खतरनाक स्तर पर पहुंचने के बीच पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को केंद्र से इस मुद्दे से निपटने के लिए एक आपात बैठक बुलाने का आग्रह किया और कहा कि इस मामले में हस्तक्षेप करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नैतिक जिम्मेदारी है। राय ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र ने राष्ट्रीय राजधानी में कृत्रिम बारिश की अनुमति देने के दिल्ली सरकार के बार-बार अनुरोध पर कोई कार्रवाई नहीं की है और वह केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को इस संबंध में फिर से पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा, दिल्ली में ग्रैप (ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान) चरण चार के प्रतिबंध लागू हैं और हम वाहनों एवं औद्योगिक प्रदूषण को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठा रहे हैं। शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों की संख्या को कम करने के उद्देश्य से निजी वाहनों और ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। राय ने कहा, हम धुंध को कम करने के उपायों पर विचार करने के लिए विशेषज्ञों से परामर्श कर रहे हैं। कृत्रिम बारिश विचाराधीन समाधानों में से एक है, जो प्रदूषकों को कम करने और हवा को साफ करने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने शहर में प्रदूषण की गंभीर स्थिति पर आपात बैठक बुलाने और कृत्रिम बारिश की अनुमति देने के दिल्ली सरकार द्वारा बार बार किए जा रहे अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा, अगर केंद्र सरकार कार्रवाई नहीं कर सकती तो उनके (पर्यावरण) मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। राय ने इस मामले में प्रधानमंत्री मोदी से भी हस्तक्षेप करने का आह्वान किया और कहा कि इस संबंध में कार्रवाई करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वह यादव को एक और पत्र लिखकर उनसे आपातकालीन बैठक बुलाने का आग्रह करने वाले हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है, लेकिन केंद्र को आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों की एक बैठक बुलाकर नेतृत्व करना चाहिए जिन्होंने कृत्रिम वर्षा पर व्यापक शोध किया है। इसके लिए विभिन्न केंद्रीय विभागों की अनुमति और सहयोग की आवश्यकता है। राय ने कहा कि ग्रैप को पूरे उत्तर भारत में लागू किया जाना चाहिए और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्यों पर नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। मंत्री ने कहा, अगर प्रदूषण की स्थिति ऐसे ही बनी रही तो ग्रैप-चार लागू रहेगा, हम कोई छूट नहीं देंगे।

बम धमकियों से निपटने के लिए एसओपी बनें : कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार और दिल्ली पुलिस को बम की धमकियों और संबंधित आपात स्थितियों से निपटने के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) सहित एक व्यापक कार्य योजना विकसित करने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने इन निदेशों को पूरा करने के लिए आठ सप्ताह की समय सीमा तय की है। उच्च न्यायालय ने कहा कि एसओपी में सभी हितधारकों कानून प्रवर्तन, स्कूल प्रबंधन और नगर निगम अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारियों को परिभाषित किया जाना चाहिए, जिससे कि सुचारू समन्वय और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने अधिवक्ता अर्पित भार्गव द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को प्रस्तावित उपायों में विस्तृत सुझाव प्रस्तुत करने या कमियों को उजागर करने की भी अनुमति दी है, जिन पर कार्ययोजना और एसओपी को अंतिम रूप देते समय विचार किया जाना चाहिए। एक बार अंतिम रूप दिए जाने के बाद योजना और एसओपी को सभी संबंधित पक्षों के साथ साझा किया जाना चाहिए। प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालय ने स्कूल के कर्मचारियों, छात्रों और अन्य हितधारकों के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन का भी निर्देश दिया है। पीठ ने कहा है कि एक शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए। फीडबैक के आधार पर योजना की समीक्षा और इस पर अमल होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने पहले कहा था कि पर्याप्त और समय पर उपाय करने में अधिकारियों की विफलता ने इन शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन की बैठक मे किए गए कार्यों की विस्तारपूर्वक विवरण प्रस्तुति

नवम्बर माह मे फाउंडेशन ने की चार कन्याओं के विवाह में आर्थिक सहायता : राहुल

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन की एक बैठक फाउंडेशन के कार्यालय पर आयोजित की गई। इस बैठक में फाउंडेशन के पिछले एक माह में किए गए कार्यों का विस्तारपूर्वक विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष राहुल कुमार ने की। उन्होंने ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस माह फाउंडेशन ने चार कन्याओं के विवाह में छोटा सा आर्थिक सहयोग प्रदान कर उनके परिवारों को सहयोग दिया है। आज भी एक कन्या की शादी के लिए 11 हजार का सहयोग किया गया है। यह न केवल हमारा दायित्व है बल्कि हमारी समाज सेवा की प्रतिबद्धता का प्रमाण भी है। एडवोकेट मनु शर्मा ने फाउंडेशन की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन ने समाज के वंचित वर्गों की सहायता में जो उल्लेखनीय भूमिका निभाई है वह प्रेरणादायक है। ऐसे कार्य समाज को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करते हैं।विनोद मौर्य ने भी फाउंडेशन के कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन का यह सेवा कार्य समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। हमारी कोशिश होगी कि इस अभियान को और व्यापक रूप देकर अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने समाज सेवा के इस पवित्र कार्य को जारी रखने का सामूहिक संकल्प लिया। ज्ञान प्रकाश फाउंडेशन ने यह संदेश दिया कि उनकी सेवा यात्रा केवल शुरूआत है और इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा। इस दौरान अभिनव मर्दान, राजेश कुमार, सुषमा देवी, राजीव प्रकाश, देवेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

केजरीवाल शर्म करो प्रदूषण को लेकर वीरेंद्र सचदेवा का दिल्ली सरकार के खिलाफ हल्ला बोल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में आनंद विहार इलाके में पार्टी कार्यकताओं ने बढ़ते प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी भाजपा कार्यकताओं ने हाथों में सांसों का आपातकाल, दिल्ली बनी गैस चैंबर जैसे तख्तियां लेकर शर्म करो केजरीवाल जैसे नारे भी लगाए।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, आज की तारीख में दिल्ली में चौतरफा प्रदूषण का कहर देखने को मिल रहा है। इसके लिए अगर कोई जिम्मेदार है, तो वो दिल्ली सरकार का 10 साल का शासनकाल है। दिल्ली सरकार ने आज तक प्रदूषण को कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। यह उसी का नतीजा है कि आज की तारीख में दिल्ली में सांसों का आपातकाल घोषित हो चुका है। उन्होंने कहा, ह्लइस सरकार ने दिल्ली को बद से बदतर कर दिया है। हमारे द्वारा लगाया गया मास्क इस बात का सूचक है कि अगर समय रहते हुए आम आदमी पार्टी को सत्ता से बेदखल नहीं किया गया, तो दिल्ली में हर व्यक्ति को मास्क पहनने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

उन्होंने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ह्व आप लोग टूटी-फूटी सड़कों की मरम्मत नहीं करते हैं। आप खुद प्रदूषण को कम करने के लिए कुछ नहीं करते हैं और पूरा दोष केंद्र सरकार को देते हैं। केंद्र सरकार ने तो अपने कार्यकाल में कई ऐसे प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने का काम किया है, जिससे आज दिल्ली में वाहनों का भार कम हुआ है। अगर इन प्रोजेक्ट्स को जमीन पर न उतारा जाता, तो मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि केजरीवाल आप मुंह दिखाने के लायक नहीं रहते। उन्होंने आगे कहा, ह्लआप मौजूदा परिस्थिति की गंभीरता का अंदाजा महज इसी से लगा सकते हैं कि सुप्रीम कोर्ट को दिल्ली सरकार को फटकार लगाकर यह कहना पड़ रहा है कि आप (दिल्ली सरकार) हमसे बिना पूछे ग्रैप-4 नहीं हटाएंगे। दिल्ली में सांसों का आपातकाल है और निसंदेह इसके लिए केजरीवाल सरकार जिम्मेदार है। आम आदमी पार्टी शासित राज्य पंजाब में पराली जलाई जा रही है। लेकिन, अरविंद केजरीवाल कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। इसका खामियाजा दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

वहीं प्रदर्शन में शामिल भाजपा नेता हर्ष मल्होत्रा ने भी प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ह्लदिल्ली सरकार बार-बार केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। लेकिन, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि दिल्ली के चारों तरफ ईस्टर्न-वेस्टर्न पेरिफेरल वे बनाया गया। यह इसलिए बनाया गया, ताकि दिल्ली के अंदर से जो 4 हजार वाहन यूपी से हरियाणा जाने के लिए गुजरते थे। अब उनको वहां जाने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार ने इतना बड़ा काम किया है। उन्होंने आगे कहा कि मैं दिल्ली सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि केजरीवाल सरकार ने 1 हजार करोड़ रुपए एनवायरमेंटल सेस के रूप में वसूला। उसका हिसाब दिया जाए, ताकि जनता के बीच में स्थिति स्पष्ट हो सके कि उसे कहां खर्च किया जाए। मैं आपको बताता हूं कि यह एक हजार करोड़ रुपए केजरीवाल सरकार ने खंभों पर उन पोस्टर्स को लगाने में खर्च किया है, जिसमें लिखा हुआ था कि हम दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाएंगे। कुल मिलाकर यह एक हजार करोड़ रुपए भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए। दिल्ली सरकार को प्रदूषण को लेकर गंभीर कदम उठाने होंगे, नहीं तो दिल्ली की जनता को यह मास्क पहनना होगा।

समाज को संस्कारवान बनाने में संस्कृत विदुषियों की भूमिका अहम : पर्वतारोही संतोष यादव

नई दिल्ली। मशहूर पर्वतारोही संतोष यादव ने कहा कि संस्कृत विदुषियां समाज को संस्कारवान बना सकती हैं और बच्चों को आत्मज्ञान की शिक्षा देने से वे अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को दो बार फतह कर चुकीं पर्वतारोही संतोष यादव ने कहा, ह्यह्यसंस्कृत की विदुषियां समाज को संस्कारवान बना सकती हैं। जन्म से पूर्व ही बच्चों को आत्मज्ञान की शिक्षा शुरू की जा सकती है, तब वह अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं और समाज को उचित दिशा दिखा सकते हैं। संतोष यादव राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। सम्मेलन में समाज में संस्कृत की अहम भूमिका विषय पर प्रकाश डाला गया। सत्यवती कॉलेज की प्राचार्य प्रो. अंजू सेठ की अगुवाई में इस तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (जनकपुरी) के कुलसचिव प्रोफेसर प्रो. गायत्री मुरली कृष्णा ने कहा, वेदों से लेकर आज तक समाज तथा राष्ट्र की उन्नति में संस्कृत विदुषियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सम्मेलन की निदेशिका प्रो. कमला भारद्वाज ने कहा, यह विदुषी सम्मेलन 25 वर्षों के प्रयास से आज युवावस्था में पहुंच गया है इससे भविष्य में सभी संस्कृत अनुरागियों को फायदा मिलेगा। संस्कृत भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष दिनेश कामथ ने कहा, संस्कृत विदुषियां ही विकसित भारत का आधार हैं क्योंकि संस्कृत से ही भारत की उन्नति संभव है। संस्कृत जन जीवन की जीवंत भाषा है। प्राचीन काल में यह सामान्य जन की बोलचाल की भी भाषा थी ह्व इस मौके पर, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालीं 10 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

दिल्ली में एक कारखाने में लगी आग, कोई घायल नहीं

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बवाना में कुर्सी के एक कारखाने में मंगलवार तड़के भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि बवाना के बी-ब्लॉक में एक कारखाने में सुबह साढ़े पांच बजे आग लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद दमकल विभाग की 22 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि मौके पर पहुंचने पर पता चला कि तीन मंजिला इमारत में स्थित कुर्सियां बनाने वाले कारखाने में आग लगी थी। अधिकारी के अनुसार, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ तथा आग बुझाने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली के झुग्गी बस्ती इलाके में आग लगने से 150 झुग्गियां जलकर खाक

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बवाना में सोमवार देर रात लगी आग में कम से कम 150 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना देर रात करीब डेढ़ बजे मिली और 18 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि सुबह सात बजकर 20 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

मां बेटी के साथ दम्पति ने की मारपीट

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के खैरन गांव में बच्चों के बीच खेलकूद के दौरान हुए विवाद पर एक बच्चे के माता पिता ने दूसरे बच्ची के साथ साथ उसकी मां और बड़ी बहन के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया। घायलों का रेफरल अस्पताल में इलाज किया गया। घायल की पहचान सावित्री देवी और उसकी बेटी शिल्पा एवं रूपा कुमारी के रूप में हुई है। घायल सावित्री देवी ने बताया कि मारपीट करने में गांव के ही हारो यादव एवं उसकी पत्नी शामिल थी।

झगड़ा में गुस्सा होकर बहन ने खा लिया जहरीला फल

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के बलियाडीह गांव में भाई बहन के बीच हुए झगड़ा में बहन ने गुस्सा में एक पेड़ का जहरीला फल खा लिया जिससे उसकी स्थिति नाजुक बन गई जिसके बाद उसके भाईयों के द्वारा इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां डॉक्टर ने घायल बच्ची का इलाज किया। घायल बच्ची की पहचान प्रीति कुमारी के रूप में हुई। भाइयों ने बताया कि कनेल फूल के साथ जो फल होता है गुस्सा में प्रीति ने उसे खा लिया जिससे उसकी तबियत ज्यादा बिगड़ गई।

पैक्स चुनाव को ले अध्यक्ष के लिए 02, सदस्य पद पर 08 के किया नामांकन

गिद्धौर. प्रखंड मुख्यालय गिद्धौर में पैक्स चुनाव को लेकर नामांकन प्रारंभ हो गया है। चुनाव को ले नामांकन के पहले दिन अध्यक्ष पद हेतु 02 लोगों ने रतनपुर एवं पतसंडा पैक्स सीट के लिए अपना अपना नामंकन पत्र दाखिल किया। वहीं प्रबंध कार्यकारिणी समिति पद के लिए पिछड़ा वर्ग से 02, एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग से 02 एवं सामान्य कोटि से 04 लोगों ने अपना नामांकन पत्र कार्यालय में दाखिल किया। बताते चलें कि रतनपुर, गंगरा पतसंडा एवं मौरा पैक्स सीट पर पैक्स चुनाव को लेकर 21 नवंबर तक नामांकन पत्र प्रत्याशियों से लिया जाएगा। इधर संबंधित पैक्स चुनाव को ले प्रत्याशियों में नामांकन को ले काफी सरगर्मी देखी जा रही है।

ई-किसान भवन के प्रांगण में रबी महोत्सव का किया गया आयोजन

फसल प्रबंधन विषय पर किसान कार्यशाला हुई,खेती के बारे में दी गई जानकारी

प्रात : किरण, संवाददाता

गिद्धौर।कृषि विभाग और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण(आत्मा) के संयुक्त तत्वावधान में रबी मौसम में फसल प्रबंधन विषय पर मंगलवार को एक दिवसीय किसान कार्यशाला हुई।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी रामाधार चौधरी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ किया।वही संचालन बीटीएम वीरेन्द्र शाह ने किया।ई-किसान भवन परिसर में आयोजित इस कृषक गोष्ठी में किसानों को रबी मौसम में की जाने वाली खेती के बारे में जानकारी दी गई।साथ ही जलवायु परिवर्तन के अनुसार खेती कार्य को बेहतर तरीके से करने व उत्पादकता बढ़ाने के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कृषि विशेषज्ञों ने गेहूं,तिहलन और दलहन फसल के साथ सब्जियों की खेती आधुनिक और जैविक तरीके से करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया।कृषि कार्य के दौरान यदि मौसम के रूख को नजरंदाज किया गया तो इसका प्रतिकूल प्रभाव फसल व सब्जियों के उत्पादन पर दिख सकता है।कार्यशाला मे एटीएम मंगलम एवं सोनी कुमारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए जानकारी साझा की।कार्यक्रम में कृषि समन्वयक कुमार शांतिभूषण,रंजीत कुमार,कुमार राजीव किसान सलाहकार पुनम कुमारी,धीरेन्द्र कुमार राय,शशिकांत रावत,हरेराम पासवान,गणेश मंडल,धनुषधारी मंडल,किसान मनोज यादव,बेनी यादव,अरूण कुमार,कपिल साह,अर्जुन यादव सहित दर्जनों किसान उपस्थित थे।

प्राचीन अंगप्रदेश में तंत्रवाद लेखक डॉक्टर अंजनी कुमार सुमन को मथुरा प्रसाद गुंजन स्मृति सम्मान से सम्मानित किया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में दर्जनों सम्मान व पुरस्कार से पुरस्कृत कवि एवं लेखक सह पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय अंतर्गत महाबोधि महाविद्यालय (बी0 एड0), नालंदा के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर अंजनी कुमार सुमन को रविवार के दिन मुंगेर में मथुरा प्रसाद गुंजन स्मृति मंच द्वारा उनकी दूसरी पुस्तक प्राचीन अंग प्रदेश में तंत्रवाद के लिए मथुरा प्रसाद गुंजन स्मृति सम्मान दिया गया है। इस सम्मान को प्रसिद्ध गजलकार अनिरुद्ध सिन्हा, रामबहादुर चौधरी चंदन एवं अंगिका के व्यंग्यकार कवि विजेता मुद्गलपुरी द्वारा संयुक्त रूप से प्रमाण पत्र, मैडल, लिफाफ बंद, नकद राशि एवं स्मृति चिन्ह के साथ दिया गया है। मंच के आयोजक अरूण कुमार एवं शिवनन्दन सलिल ने कहा कि उनकी तंत्रवाद पुस्तक पुरातन भारतीय समाज को समझने के साथ-साथ धर्म एवं संस्कृति के समन्वय को सकारात्मक रूप से प्रदर्शित करती है, जो सुधी पाठकों एवं शोधार्थियों के मार्गदर्शन का काम कर रही है। संस्था इस पुस्तक के माध्यम से उन्हें सम्मानित कर स्वयं भी गौरवान्वित महसूस कर रही हैं । डॉ.अंजनी की इस सफलता पर उनके सहकर्मी शिक्षक गण एवं साहित्यकार मित्रों ने बधाईयां दी हैं। इनकी पहली पुस्तक हार का उपहार भी काफी चर्चित रही थी।

पुत्र के अपहरण का आशंका पिता ने थाना को दिया आवेदन , बरामद किए जाने का थाना अध्यक्ष से लगाया गुहार

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)।थाना क्षेत्र के केंदुआ गाँव निवासी नरेश मंडल ने संग्रामपुर थाना में आवेदन देकर अपने 25 वर्ष का बेटा संतोष कुमार को गुम हो जाने की बात कही हैं। थाना में दिए गए आवेदन में उन्होंने कहा है कि मेरा मेरा बेटा कपड़े का दुकान चलाता है 17 नवंबर को अपने घर केंदुआ से 50 हजार रुपए नगद लेकर असरगंज कपड़ा लेने के लिए निकला था। जो लौट कर अभी तक घर नहीं आया है। उसके पास जो मोबाइल है जिसका नंबर 9304857498 स्विच ऑफ बता रहा हैं। अपने सभी सगे संबंधियों के यहां मैंने पता लगाया है कहीं भी वह नहीं मिला। गांव से निकलने के बाद मुख्य सड़क रामपुर पेट्रोल टंकी के समय लगे सीसीटीवी कैमरा के फुटेज देखा गया जिसमें वह दो अज्ञात लोग के साथ मोटरसाइकिल के पीछे बैठकर असरगंज के तरफ जा रहा था तो लोगों के साथ एक संतोष कुमार कुल तीन लोग मोटरसाइकिल पर सवार था दो लोगों की पहचान नहीं हो पा रही हैं। मेरे बेटा के साथ किसी भी प्रकार का अनहोनी ना हो जाए इस बात को लेकर हम सभी परिवार सहित रिश्तेदार चिंतित हैं दिए गए आवेदन पुलिस प्रशासन से मदद के गुहार लगाया है।

जॉब कैंप का आयोजन, अभ्यर्थियों का किया चयन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । श्रम संसाधन विभाग बिहार अंतर्गत जिला नियोजनालय मुंगेर द्वारा 13 से 19 नवम्बर 2024 को एक दिवसीय नियोजन कैंप का आयोजन मुंगेर सदर, संग्रामपुर, असरगंज, तारापुर और टेटिया बम्बर प्रखंड में किया गया। इस नियोजन कैंप जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेष की अध्यक्षता में आयोजित किया गया कउक्त कैंप में निजी सुरक्षा कंपनी एस आई एस सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि राजीव रंजन, भर्ती अधिकारी ने अभ्यर्थियों को कंपनी में कार्य सम्बंधित वेतन एवं भत्ते, कार्य स्थल एवं अन्य विषयों की जानकारी विस्तृत रूप में दी गयी ककंपनी के प्रतिनिधि द्वारा दिए गए सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाइजर और कैश कस्टोडियन के 60 रिक्तियों के विरुद्ध कुल 33 अभ्यर्थियों का साक्षात्कारोपरांत स्थल पर चयनित किया गया` जॉब कैंप में कुल 65 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए कइस अवसर पर जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेष ने बेरोजगार युवकों को कैरियर एवं रोजगार सम्बन्धी मार्गदर्शन दिये साथ ही उन्होंने ने बताया की नियोजन कार्यालय जिले के रोजगार इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में प्रत्येक माह जॉब कैंप का आयोजन करता है जिसमें बिहार एवं अन्य राज्यों के निजी क्षेत्र के नियोजकों को आमंत्रित किया जाता है जिसकी सूचना समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित की जाती है साथ ही राणा अमितेष द्वारा बताया गया की जिले के वैसे अभ्यर्थी जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं वो नियोजनालय में संचालित पुस्तकालय की सुविधा का निःशुल्क लाभ ले सकते है क जेएस अजय वर्मा एवं यूपी उज्जवल सिंह द्वारा एन सीएस एस पोर्टल द्वारा निःशुल्क प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी । इस अवसर पर प्रधान लिपिक विनोद कुमार, डीएस एम कृष्णा पांडेय, डीएसई राजू कुमार उपस्थित थे ।

पुराने कार्यकताओं से मिलकर होती है खुशी : पुर्व स्वास्थ्य मंत्री शकुनी चौधरी

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर) । सोमवार को पुर्व स्वास्थ्य मंत्री शकुनी चौधरी संग्रामपुर आकर पुराने कार्यकर्ता से मिलकर हाल चाल पुछा।श्री चौधरी ने कहा की बहुत दिनों पर संग्रामपुर के पुराने कार्यकताओं से मिलने का मन किया मिलकर अपने आप को खुशी महसूस करता हुं।कभी तारापुर असरगंज हवेली खड़गपुर टेटिया बम्बर आदि जाकर पुराने साथी से मिलते है जिससे हमें उर्जा मिलती है और अपने आप को तरोताजा महसूस करते है।उन्होने कहा राजनितिक से सन्यास लेने के बाद बराबर अपने साथियों से मिलते रहता हूं।यहां के साथियों ने जो प्यार दिया है वह कभी भूल नही सकता। पुर्व मंत्री के साथ संग्रामपुर के पुर्व मुखिया प्रमोद भगत, जयकुमार सिंह,विनय सिंह,जय कुमार सिंह,राकेश कुमार बंमबंम आदि दर्जनों पुराने कार्यकर्ता मौजूद थे।

नारी समाज कि वह मुख्य धारा है जहां से हमारे सामाजिकरण की शुरूआत होती है : डॉ. सुरेंद्र निराला

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] पब्लिक स्कूल में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ 19 नवंबर 2024 को, रानी लक्ष्मीबाई एवं श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयंती के उपलक्ष्य में स्कूल के सभी शिक्षकों एवं छात्रों ने फूल अर्पित कर आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की। सभी बच्चों ने रानी लक्ष्मी बाई जी की जीवनी तथा इंदिरा जी की जीवनी के बारे में भाषण एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। उसके बाद झाझा पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर डॉ. सुरेंद्र निराला ने सभी बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की रानी लक्ष्मीबाई एवं इंदिरा गांधी हमारे भारत की आयरन लेडी के नाम से जानी जाती है, उन्हें यह उपाधि उनकी वीरता, दृढ़ता और समाज में कुछ कर दिखाने की एक विशेष सोच ने उन्हें आज पूरे विश्व में सम्मान के साथ उनका आदर किया जाता है। हमारी जितनी भी हमारी बच्चियां हैं वह भी रानी लक्ष्मीबाई एवं इंदिरा गांधी जी से प्रेरित हो और उनके जीवन में जो भी उनका लक्ष्य है, उनके प्रति ईमानदारी एवं दृढ़ता से अग्रसर हो। हमारे समाज में नारी का क्या महत्व है उन्होंने भलीभांति सभी को बताया है। हम सभी जानते हैं की रानी लक्ष्मीबाई ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के युद्ध में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और इंदिरा गांधी ने सभी राजनीतिक पहलुओं में आगे बढ़ते हुए हमारे देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनी इनका यह जीवन हमें और खासकर के महिलाओं को यह बताता है की महिलाएं अपनी बुद्धिमता एवं अपनी शक्ति के साथ किसी भी पद को हासिल कर सकती है और समाज के किसी भी बुराई से लड़ सकती है।

कदाचार मुक्त परीक्षा ग्रामीण चिकित्सक की हुई रेफरल अस्पताल सह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] मंगलवार को झाझा रेफरल अस्पताल में राष्ट्रीय मुक्त विधालय शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के द्वारा ग्रामीण चिकित्सक के परीक्षा को लेकर रेफरल अस्पताल झाझा में केंद्र बनाया गया। परीक्षा प्रारंभ किया गया। दो पालियो में परीक्षा का संचालन किया गया। सवाल यह उठता है कि ग्रामीण चिकित्सक जब परीक्षा में ही कदाचार कर परीक्षा पास हो जाएंगे तो वह अपने नॉलेज से ग्रामीण क्षेत्र में लोगो का कितना सम्पूर्ण इलाज कर पायेगा। पहली पाली में 25 में से 24 और दूसरी पाली में 32 में से 30 परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

परीक्षा के सफल संचालन को लेकर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अरुण कुमार और डॉक्टर सदाब को नियुक्त किया गया। अस्पताल के सभागार में आयोजित परीक्षा जहां कदाचार मुक्त परीक्षा होनी चाहिए वहां पर ग्रामीण चिकित्सक परीक्षा को मजाक बनाकर मोबाइल रखकर परीक्षा दे रहे थे।ग्रामीण चिकित्सक की परीक्षा में कदाचार की मिली जानकारी पर सबसे पहले परीक्षा संचालन की दी गई जिम्मेवारी प्रभारी चिकित्सा प्रभारी से इसपर सवाल किया गया तो उन्होंने परीक्षा को कदाचार मुक्त परीक्षा होने की बात करते हुए परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल न ले जाने की बात की वही जब प्रभारी चिकित्सक ने परीक्षा संचालित हो रहे कमरे में पहुंचा और तलाशी ली गई तो आधे से अधिक परीक्षार्थियों का मोबाइल जब्त किया गया।

कदाचार मुक्त परीक्षा ग्रामीण चिकित्सक के दावे की उड़ी धज्जियां, मोबाईल रखकर परीक्षार्थी दे रहे थे परीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] राष्ट्रीय मुक्त विधालय शिक्षा संस्थान(एनआईओएस) के द्वारा ग्रामीण चिकित्सक के परीक्षा को लेकर रेफरल अस्पताल झाझा में केंद्र बनाया गया। जिसमें मंगलवार से परीक्षा प्रारंभ किया गया। दो पालियो में परीक्षा का संचालन किया गया। पहली पाली में 25 में से 24 और दूसरी पाली में 32 में से 30 परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। परीक्षा के सफल संचालन को लेकर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अरुण कुमार और डॉक्टर सदाब को नियुक्त किया गया। अस्पताल के सभागार में आयोजित परीक्षा जहां कदाचार मुक्त परीक्षा होनी चाहिए वहां पर ग्रामीण चिकित्सक परीक्षा को मजाक बनाकर मोबाइल रखकर परीक्षा दे रहे थे। ग्रामीण चिकित्सक की परीक्षा में कदाचार की मिली जानकारी पर सबसे पहले परीक्षा संचालन की दी गई जिम्मेवारी प्रभारी चिकित्सा प्रभारी से इसपर सवाल किया गया तो उन्होंने परीक्षा को कदाचार मुक्त परीक्षा होने की बात करते हुए परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल न ले जाने की बात की वही जब प्रभारी चिकित्सक ने परीक्षा संचालित हो रहे कमरे में पहुंचा और तलाशी ली गई तो आधे से अधिक परीक्षार्थियों का मोबाइल जब्त किया गया। सवाल यह उठता है कि ग्रामीण चिकित्सक जब परीक्षा में ही कदाचार कर परीक्षा पास हो जाएंगे तो वह अपने नॉलेज से ग्रामीण क्षेत्र में लोगो का कितना सम्पूर्ण इलाज कर पायेगा।

खुले में शौच मुक्त क्षेत्र एक स्वस्थ समाज की पहचान : प्रो.पासवान

शौचालय हर घर की आवश्यकता,हर देश की प्राथमिकता

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई:- -विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित आनंद विहार कॉलोनी सिरचंद नवादा में ह्य शौचालय हर घर की आवश्यकता, हर देश की प्राथमिकताह्न विषय पर एक परिचर्चा आयोजित की गई,जिसकी अध्यक्षता केकेएम कॉलेज के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.गौरी शंकर पासवान ने की। अपने प्रबोधन में डॉ.गौरी शंकर पासवान ने कहा कि शौचालय हर इंसान की एक बुनियादी आवश्यकता है। यह केवल व्यक्तिगत स्वच्छता का प्रतीक ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और महिलाओं की सुरक्षा तथा गरिमा से भी जुड़ा हुआ है। सही मायने में शौचालय हर घर की आवश्यकता और हर देश की प्राथमिकता होनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व में खुले में शौच करने वाले लोगों की संख्या 89 करोड है। यूएन ने लगभग 2030 तक संपूर्ण संसार को ओडीएफ होने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि खुले में शौच मुक्त क्षेत्र एक स्वस्थ समाज की पहचान है। शौचालय स्वच्छ भारत के स्वप्न की पहली सीढ़ी है। स्वच्छता और स्वस्थता ही ओडीएफ की गारंटी देता है। सामुदायिक प्रयास से ही ओडीएफ का सपना सरकार हो सकता है। भारत में आज गांव स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य की दिशा की ओर तेजी से अग्रसर है। शौचालय दिवस स्वच्छता की संस्कृति अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शौचालय केवल सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है,बल्कि यह हर एक की प्राथमिकता होनी चाहिए। क्योंकि स्वच्छता में ही सभ्यता और समृद्धि का वास होता है। उन्होंने कहा कि भारत में मोदी सरकार ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान का श्री गणेश किया, जिसका मुख्य उद्देश्य 2019 तक खुले में शौच मुक्त भारत प्राप्त करना तथा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करना है।यदि स्वच्छ भारत और खुले में शौच मुक्त भारत का सपना सजाना है, तो हर घर में शौचालय बनाना होगा। अगर भारत को महान बनाना है, तो हर गांव, हर नगर में स्वच्छता का ज्ञान फैलाना होगा। स्वच्छ वातावरण की शुरूआत स्वच्छ शौचालय से ही होती है। हर घर में शौचालय प्रगति की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। कहते हैं कि स्वच्छताः जीवनस्य मूलं अर्थात स्वच्छता जीवन का मूल है। राजनीतिक विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.डीके गोयल ने कहा कि शौचालय हर घर की जरूरत है. स्वच्छ भारत अभियान के दो घटक हैं- स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण। इसका उद्देश्य 2024 तक भारत के सभी गांव को ओडीएफ बनाना है तथा स्वच्छ भारत मिशन शहरी। इसका उद्देश्य 2026 तक भारत के सभी शहरों और कस्बों को कचरा मुक्त बनाना है। शौचालय का उपयोग स्वच्छता का प्रतीक है, जो स्वास्थ्य एवं रोगमुक्त जीवन के लिए आवश्यक है। भारत सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी और परिवर्तनकारी पहला है जो स्वच्छता कार्यक्रमों में से एक है। मौके पर डॉ.सत्यार्थ प्रकाश, डॉ कैलाश पंडित, प्रो.सरदार राम, डॉ अमोद कुमार सिंह उर्फ प्रबोधी, डॉ निरंजन कुमार दुबे, प्रो. आनंद कुमार सिंह, प्रो. संजीव कुमार सिंह तथा कई बुद्धिजीवी लोग उपस्थित थे।

चुनावी रंजिश में दो जाती आपस में भिड, मुकदमा बाजी

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)।हवेली खड़गपुर अनुमंडल के मुढैरी गांव में पैक्स चुनाव को प्रभावित करने के लिए दो पक्षों के बीच विगत 13 नवंबर से ही गोलीबारी और मुकदमेबाजी की घटनाएं हो रही हैं खड़गपुर पुलिस ने दोनों ओर से एक दूसरे पक्ष को फसाने के लिए झूठी झूठी प्राथमिकी दर्ज कराई है मुढैरी के ग्रामीणों ने बताया कि गत 13 नवंबर को बिंद जाति पासवान जाति के कुछ लड़के क्रिकेट खेलने में विवाद हुआ था जिसके फल स्वरुप गोलीबारी की घटना मुढैरी गांव के कुशवाहा जाति के लोगों द्वारा गत 13 नवंबर को किया गया था नागेश्वर पासवान ने बताया कि 13 नवंबर को मैं शाम के समय घर के बाहर बैठा था तभी गोली चलने की आवाज आई और कुछ ही पल बाद मेरे दरवाजे के किवाड़ में आकर एक गोली लगी और छेद करके उस पार हो गया उसमें मुकदमा किया गया और उसे मुकदमे के प्रतिशोध में दूसरे पक्ष के लोगों ने अपने ही हाथों में गोली मार कर और सीधे सदर अस्पताल चला गया जहां घायल नाबालिक लड़कों का बयान कोतवाली थाने मुंगेर में दर्ज कराया गया है गौतम कुमार ने बताया कि मुढैरी में 29 नवंबर को पैक्स चुनाव होना है पैक्स के चुनाव में हम लोग प्रत्याशी रेखा देवी के समर्थन में प्रचार कर रहे थे जिसको लेकर प्रत्याशी कैलाश बिना और उसके पुत्र नाराज था रविवार की देर रात जब हम लोग घर में सोए हुए थे तभी रंजीत कुमार उर्फ पुलिस बिना बादल कुमार उर्फ अंकुश कुमार विजय बिना अमन पासवान समेत अन्य ने घर में घुसकर मेरे ऊपर तीन गोलियां चलाई जिसमें मैं और अंकित गोली लगने से जख्मी हो गया गोली की आवाज सुनकर जब ग्रामीण इकट्ठे होने लगे तो गोली चलाने वाले सभी बदमाश भाग निकले इधर जख्मी अवस्था में हम दोनों को परिजनों ने ग्रामीणों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हवेली खड़गपुर में चिकित्सक अमित कुमार ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया और दोनों की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मुंगेर रेफर कर दिया जहां जख्मी का इलाज चल रहा है वही छोटी मुढैरी के सैकड़ो ग्रामीणों ने बताया कि कैलाश बिना को एवं उसके बेटे एवं कुछ लोगों को फंसाने की साजिश के तहत दोनों युवकों ने गोली आपस में चलकर और स्वत केस में बनाने के लिए घायल अपने आप को कर लिया जबकि रेखा देवी के समर्थक का कहना है की यह लोग पूर्व से कई बार कई आपराधिक मामले में जेल जा चुके हैं इधर कैलाश बिना के समर्थकों ने बताया की महेंद्र सिंह एवं उसके बड़े पुत्र आर्मी में सिपाही के पद पर था और अपने ससुर जो जमुई जिला के रहने वाले हैं गोलीमार कर उसकी हत्या के मामले में उन्हें आजीवन कारावास की सजा हुई है हाई कोर्ट के आदेश पर अभी जमानत पर है प्राथमिकी दर्ज कराई गई है थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया की गोलीबारी की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है दोनों युवक के जख्मी होने की जानकारी मिली है उन्होंने बताया कि घटना चुनावी रंजीत से जुड़ा प्रतीत हो रहा है पीड़ित पक्ष की ओर से अब तक आवेदन नहीं दिया गया है आवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी इस घटना के बाद बड़ी मुंडेरी गांव में दो पक्षों के बीच काफी तनाव देखा जा रहा है ग्रामीणों ने टैक्स चुनाव में खून खराबे की आशंका को देखते हुए प्रशासन से सुरक्षा के साथ ऐसी घटना में सम्मिलित लोगों पर कार्रवाई करने तथा आपराधिक तत्वों पर अंकुश लगाकर शांतिपूर्ण चुनाव की गुहार लगाई है इस घटना में 12 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है सच्चाई की जांच पुलिस कर रही है सच और झूठ क्या है यह जांच के बाद सामने आएगा।

पहले दिन अध्यक्ष के लिए 1 और सदस्य के 8 उम्मीदवार ने भरा नामांकन पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] 3 दिसम्बर को प्रखंड क्षेत्र के 11 पंचायतों में होने वाले पैक्स चुनाव को लेकर मंगलवार से प्रखंड कार्यालय में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। प्रखंड क्षेत्र के 11 पंचायत जिसमे कनोदी, छापा, खुरण्डा, कानन, पैरगाहा, टेलवा, केशोपुर, धमना, जामूखरैया, रजला, चांय के लिए चार काउंटर बनाया गया था। एक नंबर टेबुल पर टेलवा, कनोदी, खुरण्डा, टेबुल नंबर दो पर धमना, छापा, कानन, टेबुल नम्बर तीन पर पैरगाहा, रजला, चांय और टेबुल नम्बर चार पर जामूखरैया, केशोपुर था। सुबह से उम्मीदवार अलग अलग पदों के लिए अलग अलग पंचायत से आये हुए थे। निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ रविजी ने बताया कि पहले दिन पैक्स अध्यक्ष के लिए एक मात्र उम्मीदवार केशोपुर पंचायत से अपना नामांकन करवाया। जबकि पैक्स सदस्य के लिए खुरण्डा पंचायत से 3, छाप पंचायता से 4 और केशोपुर पंचायत से 1 उम्मीदवार ने नामांकन पत्र भरा। बीडीओ ने बताया कि 21 नवंबर तक नामांकन की प्रकिया पूरी की जाएगी उसके बाद संवीक्षा की तिथि 22 -23 नवंबर तक रखा गया है। अभ्यर्थिता वापसी, प्रतीक आवंटन की तिथि 26 नवंबर, मतदान की तिथि 3 दिसम्बर और मतगणना की तिथि भी 3 दिसम्बर को शाम 5 बजे तक किया जाएगा। बीडीओ ने बताया कि चुनाव को लेकर 11 बूथ, पीसीसीपी 7, सेक्टर 3, एआरओ 4 बनाया गया है।

ट्रम्प की विजय और भारत

सुरेश हिंदुस्तानी

अमेरिका में रिपब्लिकल पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अब यह तय हो गया है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे। अमेरिका का इतिहास बताता है कि ट्रम्प की यह जीत उनकी ऐतिहासिक वापसी है। अमेरिका में यह विजय किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बना दिया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक खास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी।

वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनावों में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी आखिरकार नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है।

बुलडोजर न्याय: प्रशासनिक दक्षता और संवैधानिक अधिकारों के बीच टकराव

न्यायालय ने बुलडोजर न्याय के मुद्दे पर प्रकाश डाला, तथा अपने हालिया निर्णय में इसे कानून के शासन के अंतर्गत अस्वीकार्य माना। संपत्ति और विध्वंस अधिकारों पर नागरिकों को शिक्षित करने से समुदायों को अवैध कार्यों का विरोध करने और उचित प्रक्रिया की मांग करने में मदद मिलती है। महाराष्ट्र में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहल कानूनी परामर्श प्रदान करती है, जिससे परिवार अनुचित विध्वंस का विरोध कर सकते हैं। जवाबदेही ढांचे को लागू करने से यह सुनिश्चित होता है कि उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने वाले अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराया जाए, जिससे शासन में विश्वास बढ़ता है। विध्वंस की निगरानी के लिए लोकपाल की स्थापना से दुरुपयोग को रोका जा सकता है और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है...बुलडोजर न्याय अक्सर उचित नोटिस या बचाव का मौका जैसी कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर देता है, जो संविधान में निहित निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को चुनौती देता है। हाल ही में हुए विध्वंस में, परिवारों को न्यूनतम नोटिस दिया गया, जो अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है। यह प्रथा निर्दोषता की धारणा का खंडन करती है, जहाँ व्यक्तियों को बिना किसी परीक्षण या दोषसिद्धि के दोषी माना जाता है, जो कानून के शासन का उल्लंघन है। उत्तर प्रदेश में, बिना किसी ठोस सबूत के केवल आरोपों के आधार पर संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया,

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत संपत्ति के विध्वंस के लिए दिशा-निर्देश स्थापित किए, जिसमें व्यक्तिगत नोटिस जारी करना और अपील के लिए पर्याप्त समय प्रदान करना अनिवार्य किया गया। न्यायालय ने बुलडोजर न्याय के मुद्दे पर प्रकाश डाला, तथा अपने हालिया निर्णय में इसे कानून के शासन के अंतर्गत अस्वीकार्य माना। संपत्ति और विध्वंस अधिकारों पर नागरिकों को शिक्षित करने से समुदायों को अवैध कार्यों का विरोध करने और उचित प्रक्रिया की मांग करने में मदद मिलती है। महाराष्ट्र में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहल कानूनी परामर्श प्रदान करती है, जिससे परिवार अनुचित विध्वंस का विरोध कर सकते हैं। जवाबदेही ढांचे को लागू करने से यह सुनिश्चित होता है कि उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने वाले अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराया जाए, जिससे शासन में विश्वास बढ़ता है। विध्वंस की निगरानी के लिए लोकपाल की स्थापना से दुरुपयोग को रोका जा सकता है और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है...

बुलडोजर न्याय अक्सर उचित नोटिस या बचाव का मौका जैसी कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर देता है, जो संविधान में निहित निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को चुनौती देता है। हाल ही में हुए विध्वंस में, परिवारों को न्यूनतम नोटिस दिया गया, जो अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है। यह प्रथा निर्दोषता की धारणा का खंडन करती है, जहाँ व्यक्तियों को बिना किसी परीक्षण या दोषसिद्धि के दोषी माना जाता है, जो कानून के शासन का उल्लंघन है। उत्तर प्रदेश में, बिना किसी ठोस सबूत के केवल आरोपों के आधार पर संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया, सबूत के कानूनी मानकों की अवहेलना की गई। विध्वंस न केवल अभियुक्तों पर बल्कि परिवारों और समुदायों पर भी प्रभाव डालता है, जो सामूहिक दंड के विरुद्ध सिद्धांत का उल्लंघन करता है। मध्य प्रदेश में, एक सदस्य की कथित संलिप्तता के कारण विध्वंस ने परिवारों को बेघर कर दिया, जिससे निर्दोष आश्रित प्रभावित हुए। बुलडोजर न्याय कार्यकारी और न्यायिक भूमिकाओं को धुंधला कर देता है, क्योंकि प्रशासनिक निकाय अनुच्छेद 50 का उल्लंघन करने वाले न्यायालयों के लिए दंड निष्पादित करते हैं। न्यायालय के निदेशों के बिना संपत्तियों को ध्वस्त करना अधिकारियों को उनके दायरे से बाहर काम करते हुए दिखाता है, जो न्यायपालिका की भूमिका का उल्लंघन करता है।

जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने उजागर किया है, उचित नोटिस या सुनवाई का अभाव प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, जिससे उन्हें बचाव का कोई अवसर नहीं मिलता। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और अतिक्रमणों पर त्वरित कार्यवाही को बनाए रखता है। अनधिकृत संरचनाओं के त्वरित विध्वंस से शहरी विकास में देरी खत्म होती है और भूमि प्रबंधन प्रक्रियाएँ सुव्यवस्थित होती हैं। दिल्ली (2023) में, जहाँगीरपुरी जैसे क्षेत्रों में विध्वंस अभियान का उद्देश्य अवैध निर्माण की रिपोर्ट सामने आने के बाद सार्वजनिक स्थानों को जल्दी से पुनः प्राप्त करना था, जिससे शहरी विकास परियोजनाओं का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। अवैध निर्माण के तत्काल परिणाम एक शक्तिशाली चेतावनी के रूप में कार्य करते हैं, जो भविष्य में उल्लंघन को हतोत्साहित करते हैं। अतिक्रमित क्षेत्रों का तेजी से पुनर्ग्रहण उनके उचित उपयोग को सुनिश्चित करता है, जिससे बेहतर शहरी शासन और सार्वजनिक उपयोगिता में योगदान मिलता है। निर्णायक कार्यवाही राज्य की कानूनों को बनाए रखने की क्षमता को मजबूत करती है, जिससे शासन में जनता का विश्वास बढ़ता है। लंबे समय तक चलने वाली कानूनी और नौकरशाही देरी को दरकिनार करके, यह लागत को कम करता है और भूमि विवादों के समाधान में तेजी लाता है। दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन (2023) की तैयारियों के दौरान, क्षेत्र को सुंदर बनाने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रमुख स्थलों के पास से अतिक्रमण को तेजी से हटाया गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए प्रभावी संसाधन प्रबंधन का प्रदर्शन हुआ।

जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघनः उचित प्रक्रिया के बिना तोड़फोड़ अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करती है, जो आश्रय के अधिकार सहित जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है। ओल्गा टेलिस बनाम बॉम्बे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि आवास अधिकार जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग हैं, हाल ही में हुई तोड़फोड़ में इस सिद्धांत का उल्लंघन किया गया। विध्वंस नीतियों को लागू करने में एकरूपता की कमी प्रक्रियात्मक मनमानी को जन्म देती है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती है। पूजा स्थलों या सांस्कृतिक महत्त्व के स्थलों को नष्ट करना, धर्म का पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर सकता है (अनुच्छेद 25-30)। कानूनी नोटिस या सुनवाई के बिना मनमाने ढंग से किए गए विध्वंस व्यक्ति के संपत्ति रखने और उसका आनंद लेने के अधिकार को कमजोर करते हैं। संविधान में यह अनिवार्य किया गया है कि किसी भी व्यक्ति को कानून के अधिकार के अलावा उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं, पत्रकारों आदि के खिलाफ दंडात्मक उपायों के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर विध्वंस अभियान असहमति पर भयावह प्रभाव डालते हैं। संपत्ति और विध्वंस अधिकारों पर नागरिकों को शिक्षित करने से समुदायों को अवैध कार्यों का विरोध करने और उचित प्रक्रिया की मांग करने में मदद मिलती है। महाराष्ट्र में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहल कानूनी परामर्श प्रदान करती है, जिससे परिवार अनुचित विध्वंस का विरोध कर सकते हैं। जवाबदेही ढांचे को लागू करने से यह सुनिश्चित होता है कि उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने वाले अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराया जाए, जिससे शासन में विश्वास बढ़ता है। विध्वंस की निगरानी के लिए लोकपाल की स्थापना से दुरुपयोग को रोका जा सकता है और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है। पूर्व सूचना, न्यायिक समीक्षा और अपील समय के लिए प्रोटोकॉल विकसित करना नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है। 15-दिन की नोटिस अवधि को अनिवार्य करने वाले सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं और मनमाने ढंग से किए जाने वाले विध्वंस से बचाते हैं। प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास या मुआवजा प्रदान करना प्रशासनिक कार्यों को सामाजिक न्याय सिद्धांतों के साथ जोड़ता है। दिल्ली में, अतिक्रमण हटाने के दौरान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास ने आश्रय के अधिकारों को बरकरार रखा। निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विध्वंस की निगरानी भेदभाव सम्बंधी चिंताओं को दूर करती है और वैध, न्यायसंगत कार्यवाही को लागू करती है। यूपी में स्वतंत्र ऑडिट टीमें कानूनी दिशानिर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करने और पक्षपातपूर्ण लक्ष्यीकरण को रोकने के लिए विध्वंस का आकलन करती हैं। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और संवैधानिक अधिकारों के बीच जटिल संतुलन को उजागर करता है। कानूनी सुरक्षा, पारदर्शी प्रोटोकॉल और जवाबदेही सुनिश्चित करके, भारत ऐसे शासन को बढ़ावा दे सकता है जो कानून के शासन और मानव गरिमा का सम्मान करता हो, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ संरेखित हो और प्रभावी प्रशासन को सक्षम बनाता हो।

क्यों जल रहा मणिपुर?

मणिपुर बीते 565 दिनों से सुलग और जल रहा है। अब हिंसा और विद्रोह थम नहीं पा रहे हैं। गुस्सा और आक्रोश इस पराकाष्ठा तक पहुंच चुके हैं कि पहली बार मंत्रियों और विधायकों के आवास बड़े स्तर पर निशाने पर हैं। रविवार को एक भाजपा विधायक का घर फूंक दिया गया। भाजपा-कांग्रेस के दफ्तरों में तोड़-फोड़ की जा रही है। तीन मंत्रियों सहित 9 विधायकों के घरों पर हमले किए जा चुके हैं। बीते शनिवार को गुस्साई भीड़ ने एनपीपी विधायक रामेश्वर सिंह को घर से निकाल कर खूब पीटा। त्वरित प्रतिक्रिया में एनपीपी ने बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। पार्टी के 7 विधायक हैं। समर्थन वापसी का पत्र भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी भेज दिया गया है। तीन निर्दलीय विधायकों ने भी सरकार से समर्थन खींच लिया है। कुकी समुदाय के 7 विधायक मई, 2023 से ही राज्य की भाजपा सरकार से अलग हैं। कुल 17 विधायकों के समर्थन वापस लेने के बावजूद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह की सरकार अल्पमत में नहीं है, क्योंकि 60 के सदन में सरकार को कुल 52 विधायकों का समर्थन हासिल था। बुनियादी मुद्दा बहुमत या अल्पमत का नहीं है। अलबत्ता मणिपुर के हालात ने सरकार के भीतर ही विद्रोह सुलगा दिया है। बताया जाता है कि स्पीकर सहित 14 भाजपा और 5 अन्य विधायकों ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिख कर मुख्यमंत्री बदलने की मांग की है। यदि प्रधानमंत्री ने यथासमय निर्णय नहीं लिया, तो सदन में ह्यविश्वास मतह्व की नौबत आ सकती है। यदि भाजपा के विद्रोही विधायक अपनी मांग पर अड़े रहे, तो सरकार अल्पमत में आ सकती है। बहरहाल सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार मणिपुर को शांत, स्थिर करने की पक्षधर नहीं है अथवा वह विस्फोटक हालात को नियंत्रित करने में अक्षम, नाकाम है? ताजा घटनाक्रम जलने लगा, तो गृहमंत्री अमित शाह ने शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के संग बैठकें कीं। कुछ विद्रोही विधायकों से फोन पर बातचीत भी की गई। अंततः सीआरपीएफ के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह को मणिपुर भेजा गया है।

सेना और असम राइफल्स के हजारों जवान तैनात हैं और हालात से जूझ रहे हैं। मणिपुर में ह्यअफस्पाह्व लागू है, हालांकि मणिपुर अखंडता की समन्वय समिति इसे हटाने का बार-बार आग्रह कर रही है। हालात ऐसे हैं कि महिलाओं और बच्चों की भी हत्याएं की गई हैं, क्योंकि उनके शव मिले हैं। उसके बाद ही ताजा तनाव फैला है और हिंसा बढ़ी है। इंफाल घाटी में कर्फ्यू लगा है। इंटरनेट और मोबाइल डाटा सेवाएं फिलहाल निलंबित हैं। मुद्दा मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय तनाव का है। यह कैसा मसला है, जिसे भारत सरकार सुलझा नहीं पा रही है? संसद के भीतर और बाहर लगातार सवाल किए जाते रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी एक बार भी मणिपुर क्यों नहीं गए? क्या वह भारत गणराज्य का हिस्सा नहीं है? डबल इंजन की सरकार है, लेकिन न तो मणिपुर ह्यएकह्व है और न ही वहां की जनता ह्यसेफह्व है! मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के खिलाफ मुद्दत से असंतोष और विद्रोह देखा जा रहा है, फिर भी उन्हें बरकरार रखने का मोह क्या है? वैसे यह राजनीतिक मसला भी नहीं है। दोनों समुदाय ह्यजनजातीय दर्जाह्व हासिल करने को संघर्ष कर रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री यह समस्या भी सुलझा नहीं सकते? ये हालात मणिपुर में उग्रवाद की नई लहर पैदा कर सकते हैं। मोदी सरकार आतंकवाद या उग्रवाद अथवा नक्सलवाद को कुचलने के दावे करती रही है, लेकिन मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का आवास भी घेरा जाए या हमले की नौबत आ जाए और सुरक्षा बढ़ानी पड़े, तो क्या उन्हें सामान्य हालात कहेंगे? मैतेई समुदाय का आरोप है कि उग्रवादियों ने अपहरण कर उसके लोगों की हत्या की है, जिनके शव मिलने के बाद हालात उग्र हुए थे। बहरहाल मणिपुर में विधायकों के घरों पर हमला करने वाले लोगों को गिरफ्तार किया गया है, दूसरी ओर कुकी समुदाय जिद पर अड़ा है कि जब तक मुठभेड़ में मारे गए उसके युवकों की पोस्टमॉर्टम रपट नहीं मिलेगी, तब तक उनका अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। कुल मिला कर मणिपुर में हालात अराजक हैं, हिंसा और हत्याओं का दौर है, क्या लोकतंत्र में ऐसा ही होता है? क्या प्रधानमंत्री के स्तर पर एक जनजातीय दर्जे का मसला हल नहीं किया जा सकता?

वोट जिहाद के लिए आज कत्ल की रात

यानि धर्मयुद्ध। महाराष्ट्र और झारखण्ड जीतने के लिए केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के अलावा तमाम क्षेत्रीय दलों ने वोटरों को लुभाने के लिए नैतिकता की सभी सीमाएं तोड़ दी हैं। इन दोनों राज्यों में 20 नवंबर को मतदान होना है इसलिए आज की रात सभी राजनीतिक दलों के लिए कत्ल की रात है। जिहाद इस्लामी संस्कृति का प्रचलित शब्द था, है, लेकिन इसे भाजपा ने पहले प्रेम विवाहों के संदर्भ में लव जिहाद बनाया और अब इसका इस्तेमाल सियासत में वोट जिहाद के रूप में किया जा रहा है। ये दोनों ही नारे हालाँकि हैं अल्पसंख्यक मुसलमानों के खिलाफ किन्तु अब इनका इस्तेमाल सभी लोग कर रहे है। चुनाव को किसी धर्मयुद्ध की तरह लड़ने के लिए सारी बिसातें भाजपा की बिछाई हुई हैं। इन चुनावों में न स्थानीय मुद्दे हैं और न प्रचार अभियान में स्थानीय नेता। चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने परप्रदेशी नेताओं की फौज उतार दी है जो ध्रुवीकरण के लिए अपनी सारी प्रतिभा और क्षमता का इस्तेमाल करने में लगे हुए हैं। पिछले महीने हरियाणा और जम्मू-काश्मीर के चुनाव नतीजों के बाद अचानक से महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव महत्वपूर्ण बन गए, या कहिये बना दिए गए।

राकेश अचल

लेखक

झारखण्ड और महाराष्ट्र विधान सभा के चुनाव पहली बार सबसे अलग है। इन चुनावों में वोट के लिए जिहाद हो रहा है। जिहाद नहीं समझते? यानि धर्मयुद्ध। महाराष्ट्र और झारखण्ड जीतने के लिए केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के अलावा तमाम क्षेत्रीय दलों ने वोटरों को लुभाने के लिए नैतिकता की सभी सीमाएं तोड़ दी हैं। इन दोनों राज्यों में 20 नवंबर को मतदान होना है इसलिए आज की रात सभी राजनीतिक दलों के लिए कत्ल की रात है।

जिहाद इस्लामी संस्कृति का प्रचलित शब्द था, है, लेकिन इसे भाजपा ने पहले प्रेम विवाहों के संदर्भ में लव जिहाद बनाया और अब इसका इस्तेमाल सियासत में वोट जिहाद के रूप में किया जा रहा है। ये दोनों ही नारे हालाँकि हैं अल्पसंख्यक मुसलमानों के खिलाफ किन्तु अब इनका इस्तेमाल सभी लोग कर रहे है। चुनाव को किसी धर्मयुद्ध की तरह लड़ने के लिए सारी बिसातें भाजपा की बिछाई हुई हैं। इन चुनावों में न स्थानीय मुद्दे हैं और न प्रचार अभियान में स्थानीय नेता। चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने परप्रदेशी नेताओं की फौज उतार दी है जो ध्रुवीकरण के लिए अपनी सारी प्रतिभा और क्षमता का इस्तेमाल करने में लगे हुए हैं।

पिछले महीने हरियाणा और जम्मू-काश्मीर के चुनाव नतीजों के बाद अचानक से महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव महत्वपूर्ण बन गए, या कहिये बना दिए गए। प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा के अलावा मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का इस्तेमाल दोनों राज्यों में झूठ परोसने, मतदाताओं के बीच उत्तेजना पैदा करने के लिए किया गया। विपक्ष की ओर से ले-देकर राहुल गांधी तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ही चुनाव प्रचार में मोर्चा लेते दिखाई दिए। आईएमडीआईए गठबंधन के तमाम बड़े नेता या तो इन दोनों राज्यों के चुनाव प्रचार में इस्तेमाल नहीं किये गए और न वे आये।

दोनों राज्यों के मतदाताओं, प्रत्याशियों को आतंकित करने के लिए जब नारे काम न आये तो ईडी यानि प्रवर्तन निदेशालय तक ने खुलकर भाजपा के लिए काम किया। भाजपा के लिए दुर्भाग्य ये रहा कि चुनाव के अंतिम चरण में जहा एक बार फिर मणिपुर धधका वहीं प्रधानमंत्री जी को चुनाव प्रचार छोड़कर नाइजीरिया और ब्रिक्स की बैठक में शामिल होने के लिए जाना पड़ा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को मणिपुर की हिंसा ने मैदान छोड़ने के लिए विवश कर दिया, लेकिन योगी, सरमा और चौहान मोर्चे पर डटे हुए हैं। भाजपा ने लगता है कि इन दोनों राज्यों को जीतने के लिए हरियाणा की तरह इंतजाम कर लिया है। लेकिन मशीन और मशीनरी पर कितना भरोसा किया जा सकता है। कभी-कभी नेता ही नहीं मशीने भी बगावत कर जाती है।

इन दोनों राज्यों को जीतने से केंद्र की बैशखियों पर टिकी भाजपा गठबंधन की सरकार की ताकत में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हो सकती है। यदि 23 नवमबर को चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आये तो भाजपा को 25 नवमबर से शुरू हो रहे संसद के शीत सत्र में लंबित विधेयकों को पारित करने में आसानी हो सकती है और यदि भाजपा ने ये चुनाव न जीते तो उसकी मुसीबतें संसद और संसद के बाहर बढ़ सकती है। इन दो राज्यों के चुनाव में यदि विपक्ष जीतता है तो विपक्ष को एक नयी संजीवनी मिल सकती है। महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव सत्ता और विपक्ष के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा के चुनावों को लेकर पहली बार आम आदमी पार्टी परिदृश्य से बाहर दिखाई दे रही है किन्तु औबेदुल्ला औवेसी मैदान में मौजूद हैं। वे अपनी पार्टी के फायदे के लिए मौजूद हैं या भाजपा की मदद के लिए ये कहना कठिन है। इस चुनाव में बटने और न बंटने के बीच संघर्ष है। जो एक रहेगा, वो सेफ रहेगा। जो बंटेगा वो कटेगा। कत्ल की रात में दोनों पक्षों की और से वोट जिहाद के लिए जी-तोड़ परिश्रम किया जा रहा है पहली बार केंचुआ ने भी इन चुनावों में बहुत सक्रियता दिखाई है। सभी दलों के नेताओं के उड़नखटोलों के साथ ही वाहनों की भी जमकर जांच की है। इन दो राज्यों के विधानसभा चुनाव इसलिए भी याद किये जायेंगे क्योंकि इन चुनावों में मुद्दों से ज्यादा मुर्दे काम आये हैं। काले खां घाटे में रहे लेकिन बिरसा मुंडा को फायदा हो गया।

अभी बाकी है हर घर शौचालय का लक्ष्य

अजमेरी खानम-

इसी वर्ष सितंबर माह में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से बताया गया कि 24 सितंबर 2024 तक देश के पांच लाख 54 हजार 150 गांवों को ओडीएफ प्लस (खुले में शौच से मुक्त) का दर्जा दिया जा चुका है. वहीं 3, 00, 368 गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल गाँव के रूप में मान्यता मिल गई है जबकि 1, 30, 238 गांवों को ओडीएफ प्लस मॉडल गांव के रूप में प्रमाणित किया गया है, जो यह सुनिश्चित करता है कि वे स्थायी स्वच्छता के तौर तरीकों के लिए कड़े मानदंडों पर खरा उतरते हैं और जल्द ही उन्हें ओडीएफ प्लस मॉडल गाँव के रूप में मान्यता मिल जाएगी. इस सूची में बिहार के ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल हैं. लेकिन यहां के कुछ गांव ऐसे भी हैं जहां अभी भी शत प्रतिशत घरों में शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है. जिससे सबसे अधिक महिलाएं और किशोरियां प्रभावित हो रही हैं.

ऐसा ही एक गांव गया का कैशापी पुरानी डिह है. जिला मुख्यालय से 23 किमी और डोभी प्रखंड से करीब 5 किमी दूर इस गांव के सभी घरों में आज भी शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है. इसके पीछे सबसे अधिक आर्थिक कारण बताया जा रहा है. इस संबंध में गांव की 35 वर्षीय महिला रीता देवी कहती हैं कि उनके घर में अभी भी अस्थाई शौचालय ही बना हुआ है क्योंकि पक्का शौचालय बनाने के लिए उनके पास पैसे नहीं हैं. वह कहती हैं कि इसके लिए पंचायत में आवेदन भी दिया हुआ है लेकिन अभी तक राशि प्राप्त नहीं हुई है. वहीं 45 वर्षीय शांति पासवान बताती हैं कि घर में शौचालय निर्माण के लिए सरकार की ओर से बारह हजार रूपए दिए जाते हैं जबकि एक पक्के शौचालय के निर्माण में न्यूनतम 30 हजार रूपए खर्च होते हैं. जिसमें सेप्टिक टैंक और पानी की टंकी सहित दरवाजा और अन्य आवश्यक चीजें शामिल हैं. वह कहती हैं कि पैसे की इसी कमी के कारण बहुत से परिवार शौचालय निर्माण कराने में असमर्थ हैं. जिन परिवारों को बारह हजार मिले हैं उन्होंने किसी प्रकार अस्थाई शौचालय का निर्माण कराया है. पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार अनुसूचित जाति बहुल कैशापी पुरानी डिह गांव में 633 परिवार आबाद हैं. जिनकी कुल आबादी लगभग 3900 है. इनमें करीब 1600 अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग परिवार रहता है. गांव में पासवान और महतो समुदायों की संख्या अधिक है. ज्यादातर परिवार के पुरुष बड़े शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों में दैनिक मजदूर के रूप में काम करने जाते हैं. गांव के लगभग सभी परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं. उनकी मासिक आय इतनी कम है कि इसमें उनके परिवार का मुश्किल से गुजारा चल पाता है. गांव की नीतू कहती हैं कि शौचालय नहीं होने से महिलाओं और किशोरियों को सबसे अधिक समस्याओं का सामना रहता है. वह बताती है कि पुरुष कभी भी खुले में शौच को चले जाते हैं. लेकिन महिलाएं और किशोरियां सुबह होने से पहले शौच को जाती हैं और फिर रात होने के बाद ही जाती हैं. पूरे दिन शौच जाने से बचने के लिए वह बहुत कम खाती हैं. इससे उनके स्वास्थ्य पर बहुत अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. इसके कारण बहुत महिलाएं और किशोरियां कुपोषण का शिकार हैं. जिन घरों में शौचालय का निर्माण हो चुका है वहां की महिलाएं और किशोरियां अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ हैं. कैशापी पुरानी डिह गांव के लोगों को सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छ भारत अभियान और इसमें मिलने वाली राशि की पूरी जानकारी है. इसीलिए सभी परिवार घर में शौचालय निर्माण के लिए पंचायत में आवेदन कर चुके हैं. अधिकतर परिवारों को शौचालय निर्माण के लिए राशि मिल गई है लेकिन कुछ परिवार ऐसे भी हैं जिन्हें अभी भी पैसे मिलने का इंतजार है. इस संबंध में दिनेश पासवान कहते हैं कि उन्होंने दो वर्ष पूर्व ही पंचायत में शौचालय निर्माण के लिए आवेदन दिया था, लेकिन अभी तक उन्हें पैसे नहीं मिले है. फिलहाल उन्होंने किसी प्रकार कच्चे शौचालय घर का निर्माण किया है. वह कहते हैं कि हर घर शौचालय बनाने का सरकार का लक्ष्य सराहनीय है. इससे गांव में खुले में शौच और इससे फैलने वाली गंदगी पर रोक लगी है. लोगों का स्वास्थ्य स्तर बेहतर हुआ है. ऐसे में जिन घरों को शौचालय निर्माण के लिए अभी तक राशि नहीं मिली है, पंचायत को चाहिए कि वह जल्द इस ओर ध्यान दे ताकि हर घर को इज्जत घर मिल सके.

संक्षिप्त खबरें

शराब के साथ धंधेबाज धराया

चनपटिया(ए.के.सिंह) ।सोमवार की शाम सिरसिया पुलिस ने सोमवार को देर शाम छापेमारी कर चार लीटर देशी चुलाई दारू के साथ एक धंधेबाज को शिकंजे ले लिया है। थानाध्यक्ष मदन कुमार मांझी ने बताया कि गुप्त सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष लालदेव दास को वहां भेजा गया। वहां से मोतिपुर गांव निवासी राजन ठाकुर को चार लीटर देशी चुलाई दारू के साथ मचहां नहर पुल के नजदीक से उसकी गिरफ्तारी हुई है। गिरफ्तार धंधेबाज के विरुद्ध मद् निषेध व उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धारा के तहत एफआईआर दर्ज कर न्यायिक हिरासत बेतिया भेजा गया है। जबकि लम्बे समय से फरार चल रहा वारंटी तुरहापट्टी गांव निवासी प्रेम कुमार श्रीवास्तव को उसके गांव से गिरफ्तार कर सक्षम न्यालय के यहां प्रस्तुत कर दिया गया है।

मेयर ने की बुद्धजीवियों के साथ बैठक संपन्न

छपरा कार्यालय। नगर निगम मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने छपरा शहर के बुद्धजीवियों के साथ अपने आवास पर एक बैठक की। जिसकी अध्यक्षता शत्रुघ्न प्रसाद गुप्त ने किया तथा बैठक का संचालन श्याम बिहारी अग्रवाल ने किया। बैठक में मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने शहर के विकास के लिए चल रही योजनाओं की चर्चा की तथा भविष्य की योजनाओं से अवगत करवाया। सभी ने कर्तल ध्वनि से मेयर की योजनाओं की सराहना की। बैठक में शत्रुघ्न प्रसाद गुप्त, बैद्यनाथ प्रसाद, राजेश कुमार, श्याम बिहारी अग्रवाल, प्रदीप कुमार गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता, गणेश गोकुल, प्रो सिया शरण प्रसाद, सन्तोष कुमार डीओ, दिलीप पोद्दार, विजय कुमार मुनि, अधिवक्ता प्रदीप कुमार आदि ने अपने सुझाव मेयर को दिए। मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने बताया वार्ड नम्बर एक से पैंतालीस वार्ड तक बिना भेद-भाव के हाई मास्क लाईट, सेमी हाई मास्क लाइट, जगह-जगह तिरंगा लाइट से शहर को सुसज्जित किया जाएँगा। सभी वार्डो में नाला सड़क तथा पोखरो का जीर्णोद्धार किया जाएँगा। नगर निगम की जमीनों पर स्थित मन्दिरों का भी विशेष ध्यान रखा गया हैं। मेयर ने आमजन से भी सहयोग की अपील की हैं।

देवरानी ने संपत्ति पर किया कब्जा

लहलादपुरः जनता बाजार थाना क्षेत्र के हरपुर कोठी गांव में एक देवरानी ने अपने ज्येष्ठानी के संपत्ति पर कब्जा कर रखी है. इस संबंध में हरपुर कोठी गांव निवासी तथा दमन द्वीप में तट रक्षक पर कार्यरत सुनिल कुमार प्रसाद की पत्नि सुषमा प्रसाद ने स्थानीय थाना में एक आवेदन पत्र देकर कहा है कि ससुर द्वारा उनके पति को दिये गये उनके हिस्से के कमरे में लगा ताला उनके देवरानी सरिता देवी पति स्वर्गीय सचिन कुमार पिता स्वर्गीय मथुरा प्रसाद, ग्राम-मौलनापुर, थाना=बसंतपुर, जिला-सिवान ने तोड़कर कमरे में रखे सारे सामान गायब कर दी है तथा उनके पति के नाम से खरीदी गई जमीन को भी अपने दखल-कब्जा में कर ली है. इस संबंध में पूछ-ताछ करने पर वह गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने पर उतारू हो जा रही है. देवरानी का पक्षपात करते हुए गोतिया भगवान प्रसाद के पुत्र कमलेश प्रसाद एवं रमेश प्रसाद भी गाली-गलौज करने लगे. आवेदन में आवेदिका ने देवरानी सरिता देवी से अपनी जमीन एवं मकान वापस दिलाने का आग्रह किया है.

कनाडा के दंपत्ति ने स्पेशल नीड्स बालक को लिया गोद

प्रभारी जिलाधिकारी, सुमित कुमार एवं अपर समाहर्ता, राजीव कुमार सिंह ने कनाडा के दंपत्ति को सौंपा बालक

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान में दत्तक ग्रहण माह मनाते हुए, दत्तक ग्रहण की समस्त प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत प्रभारी जिलाधिकारी सुमित कुमार एवं अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह द्वारा आज कनाडा के दंपत्ति को स्पेशल नीड्स बालक को गोद दिया गया। दत्तक ग्राही माता-पिता कनाडा के निवासी हैं और दत्तक ग्रहण हेतु बेतिया आए हैं। इसके पूर्व अपर समाहर्ता पश्चिम चम्पारण के समक्ष दत्तक ग्रहण के इस वाद को सुनवाई के लिए रखा गया। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण द्वारा निर्गत एनओसी प्राप्त होने एवं सभी प्रक्रिया पूर्ण होने पर अपर समाहर्ता, पश्चिम चम्पारण के द्वारा गोद दिये जाने के निर्णय के उपरांत आज बच्चे को उसके दत्तक ग्राही माता पिता को सौंप दिया गया। अंतर देशीय दत्तक ग्रहण में सभी जांच एवं नियमानुसार प्रक्रिया उअफ्अ एवं अ४इँङ्ग१ रीी ऋड्डथ्रेल्ल अङ्गिस्त्र३ङ्गल्ल अौल्लू८ द्वारा की जाती है। प्राप्त होने पर दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया रअअ एवं ऊढढव द्वारा करते दत्तक ग्रहण आदेश प्राप्त किया जाता है। दत्तक ग्रहण की यह है प्रक्रिया दत्तक ग्रहण की समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन है। कोई दत्तक ग्राही माता-पिता केंद्रीय दत्तक ग्रहण प्राधिकरण (उअफ्अ) के पोर्टल पर पंजीकरण कर गोद लेने की प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते हैं। इसके लिए एक फोन नंबर, पैन कार्ड तथा ई मेल आईडी की आवश्यकता होती है। इसके उपरांत नजदीकी विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान द्वारा दत्तक ग्राही माता पिता का होम स्टडी रिपोर्ट तैयार किया जाता है। इस पोर्टल पर दत्तक ग्राही माता-पिता अपनी एलिजिबिलिटी चेक कर सकते हैं। इस वेबसाइट के अतिरिक्त किसी व्यक्ति, अस्पताल अथवा नर्सिंग होम से बच्चा गोद लेना गैर कानूनी है। जिला अंतर्गत गोद लेने हेतु विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान अथवा जिला बाल संरक्षण इकाई से संपर्क किया जा सकता है। किसी परित्यक्त बच्चे के प्राप्त होने के उपरांत बच्चे को 24 घंटे के अंदर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने तथा कारा के वेबसाइट पर 24 घंटे के अंदर पंजीकरण करने का प्रावधान है। इसके उपरांत बच्चे का विज्ञापन प्रकाशित कर कोई दावेदार नहीं होने की स्थिति में बाल कल्याण समिति द्वारा कानूनी रूप से दत्तक ग्रहण हेतु मुक्त करने का प्रावधान है। बच्चे की दंपत्ति के साथ ऑनलाइन मैचिंग, एडोप्शन कमिटी की बैठक तथा जिला पदाधिकारी अथवा अपर समाहर्ता के समक्ष दत्तक ग्रहण संस्थान की ओर से वाद दायर करने का प्रावधान है। अपर समाहर्ता के द्वारा लिए गए निर्णय के उपरांत गोद देने की कार्रवाई पूर्ण होती है। माता पिता के द्वारा बच्चा प्राप्त करने के उपरांत दो साल तक सारा(सीएआरए)द्वारा फॉलो अप कराया जाता है। इस अवसर पर प्रभारी सहायक निदेशक ब्रजभूषण कुमार, बाल संरक्षण पदाधिकारी अजय पासवान, एवं समन्वयक ब्रजेश कुमार पटेल विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान सहित सभी कर्मी उपस्थित थे। बेतिया से बच्चे को गोद लेने के उपरांत दत्तक ग्राही माता पिता के खुशी का ठिकाना नहीं था।

पैक्स निर्वाचन से विमुक्ति हेतु स्वास्थ्य एवं अन्य कारणों की विधिवत जांच करेगी समिति

11 बजे पूर्वाह्न से 04 बजे अपराह्न तक की जाएगी जाँच

- उप विकास आयुक्त-सह-नोडल पदाधिकारी, पैक्स निर्वाचन द्वारा समिति का किया गया गठन
- 21 नवंबर को गौनाहा, नरकटियागंज, रामनगर, बगहा-1, बगहा-02, ठकराहां, मधुबनी, पिपरासी एवं भितहां प्रखंड क्षेत्र के अभ्यावेदन देने वाले कर्मियों की होगी जांच

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। पैक्स निर्वाचन 2024 अंतर्गत निर्वाचन कर्तव्य से विमुक्ति हेतु स्वास्थ्य एवं अन्य कारणों के आधार पर बहुसंख्य में अभ्यावेदन प्राप्त हो रहे हैं। उक्त के आलोक में उप विकास आयुक्त-सह-नोडल पदाधिकारी, पैक्स निर्वाचन द्वारा निर्वाचन कार्य की अनिवार्यता के दृष्टिगत निर्वाचन कार्य से विमुक्ति के संबंध में प्राप्त अभ्यावेदनों की समीक्षा एवं स्वास्थ्य की जांच हेतु समिति का गठन किया गया है। इस समिति के अध्यक्ष श्री कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता, विभागीय जांच को बनाया गया है। साथ ही समिति के सदस्य के रूप में श्री मो0 अहमद अली अंसारी, जिला स्थापना उप समाहर्ता एवं सिविल सर्जन, पश्चिम चम्पारण द्वारा मेडिकल बोर्ड हेतु नामित दो सदस्य शामिल हैं। स्वास्थ्य के आधार पर निर्वाचन कर्तव्य से विमुक्ति हेतु दिये गये आवेदन से संबंधित कर्मियों की स्वास्थ्य की जांच मेडिकल बोर्ड द्वारा दिनांक-20.11.2024 से 21.11.2024 तक विकास भवन के सभाकक्ष में 11.00 बजे पूर्वाह्न से 04.00 बजे अपराह्न तक की जायेगी। उक्त तिथि को अन्य कारणों के आधार पर निर्वाचन कर्तव्य से विमुक्ति हेतु दिये गये अभ्यावेदन की समीक्षा गठित समिति द्वारा की जायेगी। बेतिया, बैरिया, नौतन, मझौलिया, योगापट्टी, चनपटिया, लौरिया, सिकटा, मैनाटांड़ प्रखंड क्षेत्र के स्वास्थ्य एवं अन्य कारणों के आधार पर निर्वाचन कर्तव्य से विमुक्ति से संबंधित जिला कार्मिक कोषांग में आवेदन देने वाले सभी कर्मी दिनांक-20.11.2024 को विकास भवन के सभाकक्ष में पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे तक उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। इसी तरह गौनाहा, नरकटियागंज, रामनगर, बगहा-01, बगहा-02, ठकराहां, मधुबनी, पिपरासी एवं भितहां प्रखंड क्षेत्र के स्वास्थ्य एवं अन्य कारणों के आधार पर निर्वाचन कर्तव्य से विमुक्ति से संबंधित जिला कार्मिक कोषांग में आवेदन देने वाले सभी कर्मी दिनांक-21.11.2024 को विकास भवन के सभाकक्ष में पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे तक उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

ऐतिहासिक रानी पोखरा का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण मेरी प्राथमिकता: गरिमा

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) ।नगर निगम के वार्ड 19 स्थित ऐतिहासिक रानी पोखरा जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य का मंगलवार को अपराह्न महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि बेतिया राज कालीन इस ऐतिहासिक ह्लरानी पोखराह्व का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण मेरी प्राथमिकताओं में शुरू से ही ऊपर रहा है। इसके चारों किनारे पाथवे और सीढ़ी घाट का निर्माण कराने की महत्वाकांक्षी योजना को स्वीकृति दी गई है। महापौर ने बताया कि कुल 47.95 लाख की लागत से उपरोक्त कार्यों के साथ इस ऐतिहासिक पोखरे के आकर्षक सौंदर्यीकरण की योजना को भी स्वीकृति दी गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इस ऐतिहासिक पोखरा की उड़ाही एवं सफाई, पाथवे, सीढ़ी निर्माण के बाद इसका चौतरफा सौंदर्यीकरण किया जाना है। उन्होंने बताया कि राजस्व पर्षद बिहार के अध्यक्ष के के पाठक के आदेश के आलोक में इस ऐतिहासिक पोखरे के बेतिया राज कालीन बुनियादी स्वरूप को संरक्षित रखते हुए सौंदर्यीकरण कार्य किया जाएगा।

8 मृत अनुज्ञप्ति धारकों के निकटतम आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर पीडीएस अनुज्ञप्ति की दी गई स्वीकृति

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में आज जिला स्तरीय अनुकंपा समिति की बैठक आहुत की गई। इस बैठक में जनवितरण प्रणाली के मृत अनुज्ञप्ति धारकों के निकटतम आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर पीडीएस अनुज्ञप्ति देने के 21 आवेदनों पर विचार किया गया। दस्तावेजों के आधार पर इनमें से सदर अनुमंडल के 5 तथा मढ़ौरा अनुमंडल के 3, कुल 8 आवेदकों को अनुकंपा के आधार पर पीडीएस अनुज्ञप्ति देने की अनुशंसा की गई। 5 मामलों को अस्वीकृत किया गया तथा 8 मामलों में संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को स्पष्ट प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। सदर अनुमंडल अंतर्गत गोलू कुमार, वरुण कुमार सिंह, शिवनाथ राय, भूपेंद्र कुमार राय, सैदुल्ला अंसारी तथा मढ़ौरा अनुमंडल अंतर्गत धनंजय कुमार सिंह, संदीप कुमार मांझी एवं संजय कुमार को अनुकंपा के आधार पर पीडीएस अनुज्ञप्ति देने की अनुशंसा की गई। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री कमर आलम सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

इंडो नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों में सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल के लिए एसएसबी और पुलिस की जॉइंट पेट्रोलिंग

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। सौहार्द शांति और भयमुक्त माहौल के निर्माण को लेकर एसएसबी और पुलिस प्रशासन की ज्वाइंट पेट्रोलिंग इंडो नेपाल सीमावर्ती क्षेत्री में मिया गया। बतादें,वाल्मीकिनगर स्थित इंडो नेपाल सीमा पर सीमा सुरक्षा में तैनात एसएसबी 21 वी वाहिनी बी कंपनी गंडक बराज और वाल्मीकिनगर पुलिस के द्वारा थाना क्षेत्र में शांति और सौहार्दपूर्ण व भयमुक्त माहौल के निर्माण के उद्देश्य से मंगलवार को ज्वाइंट पेट्रोलिंग निकला गया इस पेट्रोलिंग का नेतृत्व एसएसबी की ओर से एएसआई तस्वांग तासी और वाल्मीकिनगर पुलिस का एसआई विनय कुमार सिंह ने किया इस बाबत जानकारी देते हुए एसएसबी 21 वी वाहिनी गंडक बराज बी कंपनी के निरीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि वाल्मीकिनगर बॉर्डर क्षेत्र होने के कारण यहां भयमुक्त माहौल ,शांति सौहार्द का माहौल बनाने के उद्देश्य से समय समय पर ज्वाइंट पेट्रोलिंग किया जाता है वहीं इसके माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए पुलिस प्रशासन के साथ सामंजस्य स्थापित कर ग्रामीणों के साथ मधुर सम्बंध स्थापित किया जाता है ।ताकि किसी भी संदिग्ध बस्तु या असामाजिक व्यक्ति को देखते हीं इसकी सूचना पुलिस या एसएसबी को इनके द्वारा मिल सके ।जिससे किसी भी प्रकार का कोई अनहोनी होने को रोका जा सके ।साथ ही भारत नेपाल सीमा खुला क्षेत्र होने का लाभ लेकर कोई असामाजिक तत्व या तस्कर कोई गलत गतिविधि ना कर सके इन्ही हालातों पर पैनी नजर रखी जा रही है ।इस अवसर पर वाल्मीकिनगर थाना के एसआई राजेश आनंद सहित पुलिस और एसएसबी के जवान जॉइंट फ्लैग मार्च में शामिल रहे।

हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में 21 नवम्बर को इप्टा करेगी जातीय विद्वेष और युद्ध की वीभिषिका के खिलाफ नाटक रश्मिरथी का मंचन

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा सदर । हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में 21 नवम्बर को सांध्यकालीन सत्र में इप्टा, छपरा द्वारा जातीय विद्वेष और युद्ध की वीभिषिका के खिलाफ रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी रचना रश्मिरथी नाटक की प्रस्तुति जिला प्रशासन सारण के सौजन्य से होगी। ह्वरश्मिरथीह्व का नाट्यांतरण, निर्देशन और रंग परिकल्पना डॉ० अमित रंजन ने की है तो रंग संगीत कंचन बाला और टुन्नू तनहा ने तैयार किया है। नृत्य संयोजन आयुषी परासर और रुप सज्जा और सह निर्देशन रंजीत भोजपुरिया और सह निर्देशन प्रियंका कुमारी का है। नाटक में कथा नायक कर्ण की भूमिका मनोरंजन पाठक कर रहे हैं तो कृष्ण की भूमिका डॉ० राकेश कुमार निभा रहे हैं। परशुराम की भूमिका में वरिष्ठ रंगकर्मी बिपिन बिहारी नजर आएंगे तो वहीं कुंती की भूमिका में कंचन बाला। इन्द्र की भूमिका में अधिवक्ता शैलेन्द्र कुमार शाही नजर आएंगे तो दुर्योधन की भूमिका में पंकज कुमार दिखेंगे। अर्जुन की भूमिका में मृणाभ कुमार, भीम की भूमिका में अमितेश, कृपाचार्य की भूमिका में सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, नटी की भूमिका में अयुषी परासर, समय की भूमिका अभिलाषा मिश्रा, कोरस की भूमिकाओं में सागर कुमार, आयुषी परासर, आशीष कुमार सिंह, प्रियंका श्रीवास्तव, शुभम राज सिंह, हर्षित, आदर्श और अभिनव हैं। निर्देशक डॉ० अमित रंजन ने बताया कि यह उनका महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है जिस पर उन्होंने छात्र जीवन में 90 के दशक में पहली बार काम किया और कई प्रस्तुतियाँ उत्तर प्रदेश और बिहार में कीं। छपरा में फिर नये सिरे से काम करने की इच्छा मन में थी, कई बार योजना बनी पर परवान नहीं चढ़ पायी। इधर डॉ० राकेश कुमार मिले जिन्होंने न सिर्फ प्रेरित किया बल्कि स्वयं कृष्ण की भूमिका निभाने की सहमति भी दी और पूरे जोश के साथ पूर्वाभ्यास में जुट गये। ह्वरश्मिरथीह्व के जातीय विद्वेष और युद्ध की वीभिषिका के साथ साथ राजनीति, देश धर्म आदि से संबद्ध प्रसंगों के मद्देनजर संक्षिप्त कर संवाद तैयार किया गया। मनोरंजन पाठक, पंकज कुमार, कंचन बाला, बिपिन बिहारी श्रीवास्तव, शैलेंद्र कुमार शाही जैसे वरिष्ठ और नये तमाम कलाकारों का साथ मिला और सबके सम्मिलित प्रयास से महज 55 मिनट का नाटक तैयार हुआ। जिसकी पहली प्रस्तुति ऐतिहासिक हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला 2024 में सारण जिला प्रशासन के सौजन्य से 21 नवम्बर को सांध्यकालीन सत्र में शाम 6 बजे से 7.30 बजे होगी। निर्देशक, इप्टा के पदाधिकारियों और कलाकारों ने यह अवसर प्रदान करने के लिए डीएम अमन समीर, एसपी डॉ० कुमार आशीष, डीडीसी यतेन्द्र कुमार पाल, निदेशक डीआरडीए कयूम अंसारी और जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया है। सह निर्देशक रंजीत भोजपुरिया ने कहा कि ये प्रस्तुति अपने विषय वस्तु से जहाँ प्रेक्षकों को सोचने का माद्दा देगी तो नाटक का शिल्प प्रस्तुतिकरण दर्शकों को चमत्कृत करेगा।

भोज खाने गए युवक की बाइक चोरों ने चुराई

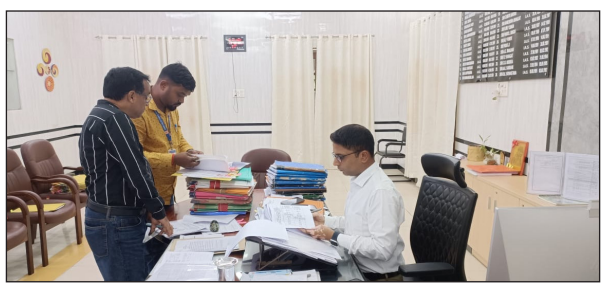

प्रात: किरण, संवाददाता

बनियापुर ।सहाजितपुर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ हाता में बारात में भोज खाने गए युवक की बाइक चोरों ने चुरा लिया ।जिस संबंध में पीड़ित युवक पँचमहला निवासी राहुल कुमार सिंह ने स्थानीय थाना में आवेदन देकर बरामदगी की गुहार लगाई है। घटना के संबंध में पीड़ित पँचमहला निवासी राहुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार की रात को वह अपने घर से बगल में कोल्हुआ हाता में एक शादी समारोह में भोज के निमंत्रण पर भोज खाने गए ।जहाँ ददवाजे पर हीरो स्प्लेंडर बाइक लगा कर भोज खाने लगे ।भोज खाने के बाद जब वे वापस अपने बाइक के पास पहुंचे तो बाइक अपने जगह से गायब था ।काफी खोजबीन करने के बाद भी जब बाइक का आता पता नही चला तो उनके द्वारा स्थानीय थाना में इसकी सूचना दी है ।लग्न के समय बाइक चोरी के घटना के बाद शादी समारोह में जाने वाले लोगो मे दहशत व्याप्त है।

दो बच्चे के माँ हुई मायके से फरार

परसा ।स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव से दो बच्चे की मां की फरार होने का मामला प्रकाश में आया है.जिसको जिसको लेकर मायके वाले ने परसा थाना में लिखित आवेदन दिया है.लिखित आवेदन के आधार पर मामले की जाँच की गई है. इस संबंध में थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने मंगलवार के दोपहर 2 बजे बताया कि लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की गई की जा रही है।

सांसद प्रतिनिधि ने उपमुख्यमंत्री एवं केंद्री राज्यमंत्री का किया स्वागत

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय ।बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा और केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चंद्र डूबे का प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह के नेतृतव मे सोनपुर स्थित बजरंग चौक पर फुल माला और अंग वस्त्र और बाबा हरिहरनाथ का प्रतीक चिन्ह देकर और बाबा हरिहरनाथ का प्रसाद खिलाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर अंकित गोस्वामी गौतम सिंह पंचायत समिति राहुल कुमार सिंह राजीव मुनमुन सनी सिंह राजू महतो पप्पू सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे सभी लोगो के इस प्यार स्नेह के लिए कार्यकर्त्ताओ का धन्यवाद दिया और कहा की यहाँ के लोगो का हमेशा प्यार मिलता है । सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने मंत्री सतीश चंद्र डूबे को बाबा हरिहरनाथ मंदिर आने का निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने सहज स्वीकार कर लिया और कहा कि अगली बार आएंगे तो मंदिर जरूर जाएंगे और बाबा का दर्शन करेंगे और उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मेला मे कुमार विश्वास के आने की संभवाना पर जिला अधिकारी से व्यवस्था के विषय मे बात की और पर्यटन विभाग के अधिकारी से भी बात किया और हरिहर महोत्सव पर चर्चा किया।

गरीब बेटियां के शादी के लिए डॉ अनिल कुमार ने की मदद

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय ।जरूरतमंदों की मदद करना ही वास्तविक धर्म है। आज भी कुछ लोग ऐसे हैं, जो बिना लालच एवं बिना स्वार्थ के गरीब, जरूरतमंद और बेसहारा की मदद करते हैं ।हम बात कर रहे है शहर के श्यामचक स्थित संजीवनी नर्सिंग एवं मेटरनिटी के संस्थापक लायंस क्लब छपरा सारण के अध्यक्ष की जिन्होंने लायंस क्लब छपरा सारण के बैनर तले एक गरीब पिता के बिटिया के शादी के लिए मदद के लिए आगे आये। इस मौके पर लायंस शैलेन्द्र कुमार सिंह, लायंस दंत रोग चिकित्सक डॉ ओ पी गुप्ता मौजद रहे। डॉ अनिल कुमार ने बताया कि एक पिता के लिए अपनी बेटी की शादी करना आज इस दौड़ में मुश्किल हो गया है वो भी तब जब पिता असमर्थ हो. उन्होंने कहा कि जैसे ही हमें पता लगा तो हम ने बिटिया के शादी के लिए बर्तन, साडी कपड़ा, चावल देकर मदद की। किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। हमें अपने आसपास समाज, गली, मोहल्ले, कस्बे में हर जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करनी चाहिए और अपने आपको सौभाग्यशाली समझना चाहिए कि भगवान ने हमें इस लायक समझा है कि हम किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते हैं। मनुष्य जीवन को सही ढंग से वही इंसान जीता है, जो दूसरों में खुशियां बिखेरता है। ऐसा करने से आत्मा भी खुश रहती हैं। इस मौके पर डॉ अनिल कुमार, शैलेन्द्र कुमार सिंह, डॉ ओ पी गुप्ता, प्रमोद मिश्रा, शिक्षक, शिशिर श्रीवास्तव समेत इत्यादि मौजूद थे।

धार्मिक नगरी चिरांद में एनसीसी कैडेट्स भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में नदियों के महत्व का संदेश देना इस अभियान का उद्देश्य, जवानों के वीरता का प्रेरक संदेश देंगे

प्रात: किरण, संवाददाता

डोरीगंज ।एनसीसी के कैडेट कानपुर से कोलकाता तक गंगा नदी में नाव से यात्रा के के तहत मंगलवार को धार्मिक नगरी चिरान्द के बंगाली बाबा घाट पहुंचे । इस अभियान की शुरूआत सोमवार को कानपुर के गंगा बैराज स्थित अटल घाट से की गई। एनसीसी के महानिदेशक की ओर से इस अभियान की शुरूआत की गई। यह अभियान 76वें गणतंत्र दिवस से पहले एक जश्न के रूप में मनाया जा रहा है। इस अभियान के तहत रास्ते में कैडेट जहां भी रुकेंगे वे उस क्षेत्र के युवाओं को देशप्रेम और वीरता के बारे में जागरूक करेंगे। इसके अलावा बच्चों को प्रेरक कहानियां सुनाकर देश के नाम संदेश भी देंगे। एनसीसी के महानिदेशक के तत्वावधान में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने 76वें गणतंत्र दिवस से पहले कानपुर से कोलकाता तक एक विशेष नदी नौकायन अभियान शुरू किया। देश भर के सभी 17 एनसीसी निदेशालयों के 528 नेवल विंग एनसीसी कैडेट एनसीसी की डीके व्हेलर नौकाओं में किए गए अभियान में भाग ले रहे हैं। बंगाली बाबा घाट पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस मे कमाण्डर बी आर सिंह तथा कर्नल रबी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य हमारी महान सभ्यता को जन्म देने और पोषित करने में भारत की नदियों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है, और नागरिकों को इन महत्वपूर्ण जीवन रेखाओं और महत्वपूर्ण जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और पुनर्जीवन की तत्काल आवश्यकता के बारे में जागरूक करना है। ह्यनमामि गंगेह्न परियोजना के तहत कैडेट पवित्र गंगा नदी के किनारे उत्तर प्रदेश में प्रयागराज और वाराणसी, बिहार में बक्सर और पटना से होते हुए पश्चिम बंगाल में फरक्का बैराज तक जाएंगे। जैसे ही अभियान पटना में अपने आधे रास्ते पर पहुंचेगा, डीजी एनसीसी इसकी प्रगति की समीक्षा करेंगे और भाग लेने वाले कैडेटों के साथ बातचीत और उनके लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। इसके बाद यह शक्तिशाली अभियान हुगली के साथ-साथ 45 नौकायन दिनों में 1605 किलोमीटर की दूरी तय करके 20 दिसंबर को कोलकाता में मैन ओह्न वॉर जेट्टी पर संपन्न होगा। रास्ते में होने वाले आयोजनों में वहां के सामाजिक कार्यकर्ता भी इस आयोजन से जुड़ेंगे। बताया गया कि ह्यभारतीय नदियां -संस्कृतियों की जननीह्न विषय पर यह नौकायन अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत देश की नदियों खासतौर पर गंगा नदी को सवच्छ व निर्मल बनाए जाने का भी आह्वान किया जाएगा। इस अभियान को यूपी, बिहार और झारखंड और पश्चिम बंगाल और सिक्किम एनसीसी निदेशालय के तीन प्रमुख चरणों में विभाजित किया गया है। यूपी चरण के तहत इसे आगे चलकर कानपुर से प्रयागराज, प्रयागराज से वाराणसी और वाराणसी से बक्सर में विभाजित किया गया है। अभियान में 528 कैडेट शामिल हुए। मंगलवार को चिरांद पहुंच ने पर एनसीसी कैडेटों व कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमे देश के अलग अलग हिस्सों के सांस्कृतिक झांकियां भी प्रस्तुत की गई।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत प्रमाणीकरण को लेकर राज्य स्तरीय टीम ने शीतलपुर एचडब्लयूसी का किया मूल्यांकन

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत चयनित सारण के दिघवारा प्रखंड के शीतलपुर डीह स्थित हेअल्थी वेलनेस सेंटर का राज्य स्तरीय टीम ने मूल्यांकन किया। टीम में पटना के डीसीक्यूए डॉ स्वाति और पिरामल के राज्य प्रतिनिधि डॉ गुंजन गौरव शामिल थे। टीम के द्वारा टीकाकरण, ओपीडी, एनसीडी सेवा, ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन, एनसीडी जांच, परिवार नियोजन, 14 प्रकार की जांच, साफ सफाई आदि मानकों पर मूल्यांकन किया गया है। डॉ स्वाति और डॉ गौरव गुंजन ने बताया कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (एचडब्ल्यूसी) में साफ- सफाई, उपकरणों की स्थिति सहित उक्त स्वास्थ्य संस्थान में इलाज कराने के लिए आने वाले मरीजों को मिलने वाली उपलब्ध सुविधाओं की जांच और मरीजों की देखभाल, इलाज के तरीके और रोगियों की संतुष्टि का मूल्यांकन करने के साथ ही मानक संचालन प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल के अनुपालन की जांच की गई है। यहाँ सभी सुविधाओं को मानक के अनुरूप सुदृढ़ किया गया है। इस दौरान डीपीएम अरविन्द कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रौशन कुमार, पिरामल के प्रोग्राम लीड डॉ रविश्वर कुमार, सीफार के डीपीसी गनपत आर्यन, पीएसआई के एफपीसी राजीव श्रीवास्तव, सीएचओ विकास, बीएचएम ऋचा कुमारी, बीसीएम सुधा कुमारी बीएमएंडई अनीता कुमारी, एएनएम रजनी कुमारी समेत अन्य मौजूद थे। हेल्थ वेलनेस सेंटर पर उपलब्ध है ये सुविधाएं : शीतलपुर डीह हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 152 प्रकार का दवा, 14 प्रकार के जाँच की सुविधाएं, टीकाकरण, प्रसव पूर्व जाँच, परिवार नियोजन की सेवा, ओपीडी, संचारी रोग, गैर संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य, पीने का पानी, हर्बल गार्डन, शौचालय, अग्निशमन यंत्र के साथ स्वच्छ वातावरण में गुणवत्ता पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रहीं है। बीमारियों की जांच के लिए 14 प्रकार की जांच सुविधा उपलब्ध है। इसमें गर्भावस्था जांच सुविधा, रूटीन यूरिन टेस्ट, ग्लूकोज टेस्ट, मलेरिया टेस्ट, एचआईवी टेस्ट, डेंगू टेस्ट, मल संदूषण के लिए वाटर टेस्टिंग, हेपेटाइटिस बी टेस्ट, फाइलेरिया टेस्ट वीडीआरएल सिफलिस टेस्ट, आयोडीन टेस्ट, हीमोग्लोबिन टेस्ट, कैंसर स्क्रीनिंग, बेसिलस एएफबी मरीजों की स्पुटम कलेक्शन टेस्ट सुविधा उपलब्ध है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 20 नवंबर, 2024

पूर्व मुखिया की मूर्ति पर सीएम ने किया माल्यार्पण

● पूर्व मुखिया रामायण राय की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित, नीतीश कुमार ने लगाया पौधा करगहर- सीएम नीतीश कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

मंगलवार करगहर प्रखण्ड के कुशही ग्राम में आयोजित पूर्व मुखिया स्वर्गीय रामायण राय की नौवीं पुण्यतिथि के कार्यक्रम में शिरकत कर वापस पटना लौटे। सीएम ने पूर्व मुखिया की मूर्ति पर माल्यार्पण किया, इसके बाद वृक्षारोपण किया। मौके पर जुटे ग्रामीणों, जदयू के नेताओं व कार्यकताओं के अभिवादन के बाद वापस लौटे। सीएम कार्यक्रम स्थल पर लगभग बीस मिनट तक रुके और उसके बाद हेलिकॉप्टर से वापस पटना रवाना हो गए। बता दें कि पूर्व मुखिया स्व. रामायण राय बेतिया डीएम दिनेश कुमार राय के पिता है। सीएम के पहुंचने पर उनका बड़ा पुष्प हार से स्वागत किया गया। सीएम कुछ देर के लिए मंच पर पहुंचे। फिर प्रतिमा स्थल पर गए। जहां माल्यार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। उसके बाद सीएम ने परिसर में ही पौधा रोपण किया गया। सीएम के साथ मंत्री विजय चौधरी, अशोक चौधरी, श्रवण कुमार, जमां खान, संतोष सिंह भी मौजूद रहे। सुरक्षा की रही चाक चौबंद व्यवस्था। सीएम के दौरे को लेकर कुसही ग्राम में सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था रही। शाहाबाद डीआईजी नवीन चंद्र झा, डीएम उदिता सिंह व एसपी रोशन कुमार सुबह से ही कुशही ग्राम में दल-बल के साथ कैंप कर रहे थे। कई थानों की पुलिस मौके पर मौजूद रही। एडीएम चंद्रशेखर सिंह, डीडीसी विजय पाण्डेय, एसडीएम, एसडीपीओ व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सीएम के कार्यक्रम को लेकर स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं में भी उत्साह दिखा। पूर्व मंत्री और चेनारी विधायक मुरारी गौतम, पूर्व विधायक ललन पासवान, पूर्व एमएलसी कृष्ण कुमार सिंह, जद यू जिलाध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा, अनिल यादव, रिंकू सिंह, जिला प्रवक्ता अलख निरंजन अंर अन्य नेता-कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नामांकन के अंतिम दिन 29 अभ्यर्थियों ने अध्यक्ष पद के लिए दाखिल किया नामजदगी का पर्चा, प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में हुआ संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

डेहरी(रोहतास) : पैक्स निर्वाचन के तहत डेहरी प्रखंड के 13 पैक्सों में होने वाले मतदान के नामांकन का कार्य सोमवार को संपन्न हो गया। तीसरे और अंतिम दिन अध्यक्ष पद के लिए 29 एवं सदस्य पदों के लिए 90 अभ्यर्थियों ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया। बीडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी अजीत कुमार के निर्देशन में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारी नोडल एवं कर्मी नामांकन का कार्य शांति पूर्वक संपन्न कराने में सफल हुए। अंतिम दिन विभिन्न पैक्स के प्रत्याशियों के समर्थक से डेहरी आईटीआई से ब्लॉक तक समर्थकों से पटा रहा, जहां भीड़ नियंत्रण व यातायात प्रबंधन के लिए मनरेगा पिओ आनंद कुमार के साथ पुलिस प्रशासन तत्पर दिख रही थी। प्रखंड कार्यालय के अनुसार नामांकन पश्चात नामांकन की संवीक्षा का कार्य 19 एवं 20 नवंबर को 11 बजे से तीन बजे तक किया जायेगा। वहीं नाम वापसी की तिथि 22 नवंबर को अपराह्न तीन बजे से पूर्व की अवधि निर्धारित है। 22 नवंबर को ही तीन बजे के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया जायेगा। जबकि मतदान 29 नवंबर को सुबह 7 बजे से लेकर संध्या 4.30 बजे तक जबकि मतगणना 30 नवंबर को सुबह 8 बजे डेहरी हाई स्कूल उच्च विद्यालय में समापन तक होगा। नामांकन कार्य संपन्न होने के उपरांत अध्यक्ष पद पर के लिए जमुहार से रिंकू देवी व प्रभात रंजन उर्फ निरज, दरिहट पैक्स से सुरेश प्रसाद यादव उर्फ मंडल जी, दहाउर पैक्स से चितरंजन सिंह व अधिवक्ता नंदकेश्वर सिंह, गंगौली पैक्स से अरूण कुमार सिंह, भलुआड़ी पैक्स से गुप्तेश्वर सिंह, मथुरी पैक्स से रविंद्र सिंह उर्फ भोला सिंह, पहलेजा पैक्स से अश्विनी सिंह बेरकप पैक्स से नंदकुमार सिंह उर्फ नंदू यादव, मझिआंव पैक्स से निरज कुमार सिंह रंजीत कुमार सिंह उर्फ हुनमुन सिंह सहित अन्य लोगों ने पर्चा दाखिल किया है। बीडीओ अजीत कुमार ने बताया कि प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारी, नोडल एवं कर्मियों ने अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन किया। नामांकन की संवीक्षा व नाम वापसी के उपरांत उम्मीदवारों को प्रतीक चिन्ह का आवंटन किया जाना है। मौके पर डेहरी मनरेगा पिओ आनंद कुमार प्रखंड कृषि पदाधिकारी अशोक कुमार एमओ खुशबू कुमारी बीसीओ अमीत भारती मनोहर गुप्ता मास्टर अखिलेश सिंह सहित अन्य लोग शामिल थे।

पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी से विश्वविख्यात इंदिरा गांधी की मनाया गया जयंती समारोह

प्रात : किरण संवाददाता

आरा:भारत की प्रथम और अब तक की एकमात्र महिला पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी से विश्वविख्यात इंदिरा गांधी की जयंती समारोह भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम जी के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय शहीद भवन आरा में पूर्वाहन 11:30 बजे बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जयंती समारोह को संबोधित करते हुए भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम ने बताया कि इंदिरा गाँधी का जन्म 19 नवम्बर 1917 को एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। उन्होंने विश्व के कई प्रमुख संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की। उन्हें विश्व भर के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया था। प्रभावशाली शैक्षिक पृष्ठभूमि के कारण उन्हें कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा विशेष योग्यता प्रमाण दिया गया। श्रीमती इंदिरा गांधी शुरू से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहीं। 1955 में श्रीमती इंदिरा गाँधी कांग्रेस कार्य समिति और केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य बनी। 1958 में उन्हें कांग्रेस के केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। वर्ष 1959 से 1960 तक और पुनः 1978 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं। इसके बाद जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक वह भारत की प्रधानमंत्री रहीं और 14 जनवरी 1980 में वे फिर से प्रधानमंत्री बनीं। उन्हें 1972 में भारत रत्न पुरस्कार, 1972 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के लिए मैक्सिकन अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 1971 में अमेरिका के विशेष गैलप जनमत सर्वेक्षण के अनुसार वह दुनिया की सबसे लोकप्रिय महिला थी। जयंती समारोह में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम, सत्यप्रकाश राय, अशोक यादव, घनश्याम उपाध्याय, जितेन्द्र शर्मा, संतोष पाण्डेय, प्रमोद राय, बिजेंद्र यादव, राकेश कुमार त्रिपाठी, बिहारी जी सिंह, बीरेंद्र मिश्रा, मनोज कुमार अंजनी, घनश्याम कुमार चौधरी, रामानुज दुबे, चिरंजन मुन्ना, नर्वदेश्वर ओझा, शिव शंकर चौबे, कृष्ण कांत पांडेय, संपत सिंह, संजय कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार पाल, ओम प्रकाश सिंह, मनीष कुमार, अविनाश मिश्रा, लुटावन राम चौरसिया, तारकेश्वर सिंह, सहित दर्जनों कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

शिक्षा कर्मयोगी सम्मान से सम्मानित होगी डॉ. अर्चना सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

● आचार्यकुल के राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया जाएगा सम्मान

● **बोधगया के बोधी ट्री विद्यालय श्रीपुर में 23 नवंबर को आयोजित होगा सम्मेलन**

आरा। बिहार के बोधगया स्थित बोधी ट्री विद्यालय श्रीपुर में आगामी 23 नवंबर 24 को आचार्यकुल के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होगा।
इस सम्मेलन में आरा शहर के शुभ नारायण नगर मझौंवा स्थित संभावना आवासीय उच्च विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना कुमारी सिंह को शिक्षा कर्मयोगी सम्मान 2023-24 हेतु चयन किया गया है।
आगामी 23 नवंबर को बोधगया के बोधी ट्री विद्यालय श्रीपुर में उन्हें शिक्षा कर्मयोगी सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।
इस आशय की जानकारी आचार्यकुल के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य डॉ. धर्मेंद्र (पूर्व कुलपति वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय) ने दी। बता दें की डॉ. अर्चना सिंह आरा नगर रामलीला समिति ट्रस्ट की अध्यक्ष तथा यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया बिहार राज्य शाखा की उपाध्यक्ष भी है। इसके अलावे वे भोजपुर रेड क्रॉस सोसायटी एवं रोटरी क्लब समेत अन्य सामाजिक संगठनों से जुड़ी हुई है।
उनकी इस उपलब्धि पर जिले के शिक्षाविदों, साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य लोगों ने बधाई दी है।

किसान भवन बड़हरा प्रखंड में रबी महा अभियान 24 कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

भोजपुरःइ किसान भवन बड़हरा में रबी महा अभियान 24 कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया ।
दीप प्रज्वलित कृषि विज्ञान के वरीय पदाधिकारी डॉ सच्चिदानंद सिंह, बीडीओ मोहित भरद्वाज, डीपीआरओ निशांत कुमार सिंह, सुमन ,बिओ कन्हैया सिंह, प्रभु राय, जय राम राय, सन्तु संतोष, राम प्रताप सिंह, उग्रस सिंह, उमेश सिंह, गजेंद्र सिंह, विनय कुमार, ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया,,अपने सम्बोधन में बीडीओ ने विस्तार से कृषि योजनाओं की जानकारी दी, और समय पर बीज, का वितरण कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार की उपस्थिति में वितरण किया जाये ।
ताकि बीज विक्रेता की मनमानी नहीं हो, बिओ ने संचालित कृषि योजनाओं की जानकारी दी, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ सच्चिदानंद सिंह ने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और बीज की अधिक उत्पादन के लिए जैविक खेती पर भी उपस्थित किसानों की ध्यानाकर्षण किया, पशुपालन के विकास और देख रेख के बारे में जानकारी डॉ विनायक सिंह ने जानकारी दी, उपस्थित किसान में सच्चिदानंद सिंह, अजय सिंह, राम अवध सिंह, गजेंद्र सिंह, संतोष सन्तु राजकुमार उमेश कुमार, वैजयंत पांडेय, त्रिलोकी सिंह, रवि भारती, प्रेम रंजन, वेद प्रकाश, अंकिता, राकेश जितेंद्र, सुशील, अनन्त शिरोमणि मनीष, राजीव रंजन, किसान सलाहकार और किसान संतोष सिंह, संदीप सिंह, शोभ नाथ, अखिलेश यादव, राधेश्याम, संजय, प्रेम सिंह, भानू सिंह, चन्द्र कांत सिंह, राजकिशोर, सुदेश सिंह, पवन, राजू, योगेन्द्र, सियाराम यादव, बद्री, सुभाष, राजनारायण, दिलीप, सुमित,नवीन, सहित अन्य किसान उपस्थित हुए,

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर किया गया समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

आराःव्यवहार न्यायालय आरा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसकी सफलता को लेकर मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार भोजपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भारत भूषण भसीन के निदेर्शानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा सभी अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गण तथा सभी न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में न्यायालय से चिन्हित सुलहनीय वादों के बारे में चर्चा की गई तथा चिन्हित वादों में अविलंब पक्षकारों को नोटिस करने तथा प्री सिटींग कर अधिक से अधिक वादों के निष्पादन करने पर जोर दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने बताया कि सभी वादों के नोटिस को थाना के माध्यम से समय तामिला कराया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने बताया कि इस बार अधिक से अधिक वादों के निष्पादन का प्रयास किया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पांच सदस्य की शिष्ट मंडल ने भोजपुर एसपी से की मुलाकात

प्रात : किरण संवाददाता

आराःपुलिस अधीक्षक कार्यालय भोजपुर में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के पांच सदस्यों के शिष्ट मंडल ने भोजपुर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर नारायणपुर थाना क्षेत्र के वरुणा गाँव में स्वर्गीय राकेश महतो की निर्मम हत्या तथा गडहनी थाना क्षेत्र के पहरपुर में सत्येंद्र मेहता की हत्या में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए घटना में शामिल सभी अपराधियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है ।राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश के उपाध्यक्ष जागा कुशवाहा ने कहा की पुलिस और आम जनता के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध होना चाहिए लेकिन मृतक परिवार के महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया यह काफी निंदनीय है इस घटना की जांच की मांग करते हुए दोषी पुलिस पदाधिकारी पर भी कार्रवाई की मांग की और एसपी साहब ने उचित कार्रवाई करने की आश्वासन भी दिए । जिलाध्यक्ष रोहित कुशवाहा ने कहा कि जिले में अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है अगर अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो पुलिस प्रशासन के साथ-साथ पुलिस कप्तान एवं सरकार की भी बदनामी निश्चित रूप से होगी , शिष्टमंडल कमेटी में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जग कुशवाहा , भोजपुर जिला अध्यक्ष रोहित कुशवाहा , राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश के सचिव सुनील पाठक , राष्ट्रीय लोक मोर्चा के युवा प्रदेश सचिव अंकित राय , राष्ट्रीय लोक मोर्चा के छात्र के जिला अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा एवं भोजपुर के युवा जिला उपाध्यक्ष मनजीत कुशवाहा मौजूद रहे ।

ट्रक धू- धू कर जला कूद कर चालक खलासी ने बचाई जान

प्रात : किरण संवाददाता

करगहर (रोहतास)-सासाराम चौसा पथ में मंगलवार को सिरसियां गांव के समीप तेज रफ्तार से जा रहे एक ट्रक अचानक धू-धू कर जलने लगा ।ट्रक को रोक आग में घिरे चालक और खलासी ने कूद कर जान बचाई । घटना के संबंध में बक्सर निवासी चालक जसीम अहमद ने बताया वह बक्सर से डेहरी ऑन सोन बालू लोड करने के लिए जा रहा था कि शॉर्ट सर्किट से आग लग गई ।
जब केबिन में चारों ओर से धूंआ भर गया तब वह जल्दी से ट्रक को खड़ा कर जान बचाने के लिए नीचे कूद गए ।
आसपास के ग्रामीणों ने बाल्टी से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन काबू नहीं पा सके ।
तब अग्निशामक को सूचना दी गई। जिसने आग पर काबू पाया लिया लेकिन इस बीच ट्रक का इंजन जल कर क्षतिग्रस्त हो गया ।

श्रीइच्छापूर्ति साईं मंदिर का सातवां स्थापना दिवस समारोह भव्यता के साथ संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

तिलौथू (रोहतास) : श्री इच्छापूर्ति साईं मंदिर, तिलौथू, का सातवां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम की शुरूआत जलभरी यात्रा से हुई, जो मंदिर से सोन नदी तक गई। सोन नदी से लाए गए पवित्र जल से बाबा का महाभिषेक किया गया, जिसके बाद भव्य महापूजन संपन्न हुआ। महाभिषेक के बाद बाबा की पालकी शोभायात्रा निकाली गई, जो मंदिर से ठाकुरवाड़ी, तिलौथू बाजार तक गई। पालकी यात्रा में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। श्रद्धालुओं ने इस दौरान भक्ति गीत गाए और बाबा की जय-जयकार से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस भव्य आयोजन में श्री इच्छापूर्ति साईं मंदिर ट्रस्ट के राजीव मिश्रा, लालबिहारी गुप्ता, सुनील गोस्वामी, महेंद्र ओझा, पिंटू यादव, ओमप्रकाश (ओम जी), रवि कुमार, भरत जी, अनिल कुमार, रजनीश, रिशु मिश्रा, रंजीत मिश्रा, अंतु जी, सुद्दु और संतोष कुमार जैसे सदस्यों ने प्रमुख भूमिका निभाई। महिला वर्ग में अमरावती देवी, आशा देवी, ज्योति मिश्रा, सरिता मिश्रा, कल्याणी मिश्रा और साधना मिश्रा ने अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता दर्ज की। श्री इच्छापूर्ति साईं मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट ने इस सफल आयोजन के लिए सभी साईं भक्तों का आभार व्यक्त किया। तिलौथू थाना के पुलिसकर्मियों के सहयोग को भी सराहा गया। यह समारोह न केवल आस्था और भक्ति का प्रतीक रहा, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे का संदेश भी प्रसारित किया।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी के 107 वीं जयंती पर दर्जनों फलदार पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। मंगलवार को रक्सौल कांग्रेस के बैनर तले बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व महासचिव सह नगर प्रतिनिधि एमएलसी क्षेत्र संख्या-12 के प्रो. अखिलेश दयाल के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी के 107 वीं जयंती पर शहर के कुष्ठ आश्रम सुन्दरपुर के संस्थापक बाबा क्रोस्टोदास के द्वारा स्थापित उधान परिसर में दर्जनों फलदार पौधे लगाए गए। पूर्व महासचिव सह नगर प्रतिनिधि ने इंदिरा गांधी के महान व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 19 नवम्बर 1917 में जन्मी इंदिरा का बचपन से लेकर अंतिम समय तक संघर्ष का काल रहा अंग्रेजी हुकूमत से देश की आजादी के लिए बचपन में वानर सेना की स्थापना की जो जासूस का कार्य करते थे। युवा कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जिशान अंसारी ने कहा कि इंदिरा गांधी का काल स्वर्णिम युग रहा 1971 में बांग्लादेश का निर्माण 93000 पाकिस्तानी सैनिकों का आत्मसमर्पण। युवा कांग्रेस के नगर अध्यक्ष अमन कुमार ने कहा कि इंदिरा गांधी जी देश के लिए ध्रुवतारा थी, जिन्हें विपक्षी दलों के लोगों ने गूंगी गुड़िया कहकर सम्बोधित किया, लेकिन आने वाले समय में उनके अडिग फैसलों ने देश ही नहीं बल्कि विदेशों में आयरन लेडी की उपाधि दी। युवा कांग्रेस के रक्सौल प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने कहा कि इंदिरा जी के शासनकाल में बैंकों का राष्ट्रीयकरण, बंगलादेश का निर्माण, सियाचिन को करारा जवाब, अंतरीक्ष परीक्षण सफल इत्यादि कार्य सराहनीय है। मौके पर युवा कांग्रेस के विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रभंजन मिश्रा, युवा कांग्रेस के व्यवसायिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष रितेश सर्राफ, कृष्णा यादव, मुमताज अली, मोहित कुमार, विश्वास कुमार, प्रमेन्द्र कुमार, महेंद्र कुमार,महेश कुमार सहित अनेकों लोग उपस्थित थे।

जिला में विश्व शौचालय दिवस, 2024 का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त पत्र के आलोक में इस वर्ष विश्व शौचालय दिवस (19 नवंबर) के अवसर पर हमारा शौचालय हमारा सम्मानह्व अभियान का संबालन किया जाना है।
यह अभियान विश्व शौचालय दिवस (दिनांक 19 नवंबर, 2024) से प्रारंभ होकर दिनांक 10 दिसंबर, 2024 विश्व मानवाधिकार दिवस तक संचालित किया जायेगा।
जिला पदाधिकारी-सह-अध्यक्ष, जिला जल एवं स्वच्छता समिति, अरवल के नेतृत्व में दिनांक 19.11.2024 से दिनांक 10.12.2024 तक विभिन्न गतिविधियों के आयोजन।
हेतु उप विकास आयुक्त, अरवल के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया गया।
हमारा शौचालय हमारा सम्मान अंतर्गत शौचालय (क्लल्छ एवं उरउ) की उपलब्धता, उपयोग, सफाई, मरम्मत, रख-रखाव, सुंदरीकरण इत्यादि हेतु प्रखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जायेगा हमारा शौचालय हमारा सम्मानह्व अभियान अंतर्गत सभी गाँवों में स्वच्छता पर्यवेक्षक तथा जिन ग्राम पंचायतों में स्वच्छता पर्यवेक्षक नहीं है ।
वहाँ प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा नामित नोडल पदाधिकारी के नेतृत्व में इउउ/क्एउ गतिविधियों का संचालन कर समुदाय को शौचालय निर्माण, उपयोग, मरम्मत, सौदर्योकरण इत्यादि के प्रति उत्प्रेरित किया जाय।
सोशल मीडिया से प्रसारः इस अभियान अंतर्गत सोशल मीडिया के माध्यम से जिला के प्रभावशाली व्यक्ति यथा-माननीय सांसद, माननीय विधाय अन्य जन-प्रतिनिधि, नामचीन अभिनेता, खिलाडी, जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अन्य पदाधिकारी, लाभार्थी, हितग्राही इत्यादि से स्वच्छता संदेश एवं रइटक्ॠ की उपलब्धि पर बाइट लेकर जिला के सोशल मीडिया हैंडल (७, फेसबुक एवं अन्य) के माध्यम से प्रसारित किया जायेगा।
(3) अभियान अंतर्गत कार्य संपादन की निर्धारित समय सीमा निम्नवत है 19 नवंबर, 2024 से 5 दिसंबर, 2024- मिशन कार्यशीलताः सामुदायिक स्वच्छता परिसर (उरउ) की मरम्मत, संचालन एवं रख-रखाव हेतु अभियान का संचालन ।
व्यक्तिगत शौचालय एवं उरउ को सुन्दर बनाने और शौचालय के उपयोग को बढ़ावा देने।
के लिए समुदाय में जागरूकता अभियान का संचालन। (ख) 5 दिसंबर, 2024 से 9 दिसंबर, 2024- निर्मित क्लल्छ/उरउ की जियो टैगिंग पूर्ण करना ।
क्लल्छ निमाणोपरांत लाभुका को प्रोत्साहन राशि भुगतान हतु कार्रवाई, मरम्मत तथा सौदर्गीकरण कराए गए उरउ का प्रतिवेदन तैयार करना।
10 दिसंबर, 2024- जिला स्तर पर सम्मान समरोह का आयोजन, जिसमें सर्वश्रेष्ठ क्लल्छ एवं उरउ, रील मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताअ ।
उल्लेखनीय कार्य करने वाले पदाधिकारी, कर्मी, मुखिया, स्वच्छता पर्यवेक्षक, स्वच्छता कर्मी को सम्मानित किया जाना।
इस कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सह-उपाध्यक्ष, निदेशक, अॠअ, मुख्य शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सक पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, पंचायत राज विभाग, कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल, जिला समन्वयक, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान ।
जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, कार्यपालक अभियंता/सहायक अभियंता, मनरेगा. जिला कृषि पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, जिला सूचना एवं जन संपर्क पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ।
महिला एवं बाल विकास विभाग, अरवल, सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, जिला अरवल, सभी कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा ।
जिला अरवल, सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक, जीविका, जिला अरवल, सभी प्रखंड समन्वयक, लोहिया स्वच्छता योजना जिला अस्वल उपस्थित रहे।

सफल फ्रेंचाइजी बागी 4 के साथ वापसी की तैयारी में टाइगर श्रॉफ

टाइगर श्रॉफ, जिन्होंने बैक टू बैक चार महा फ्लॉप फिल्में सिंघम अगेन, गणपत, बड़े मियां छोटे मियां और हीरोपंती 2 दी हैं, एक बार फिर से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने की तैयारी कर रहे हैं। अब टाइगर श्रॉफ अपनी बिग बजट सुपरहिट फ्रेंचाइजी बागी के चौथे भाग बागी 4 के साथ कमबैक करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस फिल्म का पहला पोस्ट साझा किया है, जिसमें उनका किलर लुक देखने को मिल रहा है। इस पोस्टर के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की मच अवेटेड फिल्म बागी 4 का इंतजार अब खत्म हो गया है क्योंकि फिल्म का पहला पोस्टर सामने आ गया है जिसमें टाइगर श्रॉफ काफी खूंखार लुक में नजर आ रहे हैं। फिल्म बागी 4 के पहले पोस्टर में टाइगर श्रॉफ काफी वाइल्ड लुक में दिखे हैं। इस पोस्टर में दिखाया गया सीन किसी जेल के वॉशरूम का लग रहा है। इस फ्रेंचाइजी में टाइगर श्रॉफ एक बार फिर रॉनी के किरदार में नजर आएंगे। वहीं साजिद नाडियाडवाला अपनी फिल्म में विलेन के रोल के लिए किसी बड़े हीरो की तलाश में हैं। बागी 4 में टाइगर अपनी अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ते दिखेंगे। पोस्ट के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी गई है। फिल्म अगले साल 5 सितंबर को रिलीज होगी। सोमवार को फिल्म के निर्माताओं ने बागी 4 का पहला पोस्टर रिलीज किया, जो सबको चौंका रहा है। यह सोशल मीडिया यूजर्स के बीच टॉकिंग पॉइंट बन गया है। टाइगर किसी टॉयलेट पॉट के ऊपर बैठे हैं और उनके एक हाथ में शराब की बोतल और दूसरे हाथ में आरी नजर आ रही है। टाइगर ने मुंह में सिगरेट दबा रखी है और उनके कपड़ों पर खून लगा हुआ है। टाइगर काफी छोटे बालों में हैं। शर्ट के बटन पूरी तरह से खुले हुए हैं, जिससे उनके ऐब्स दिख रहे हैं। उनके आस-पास कई लोग जमीन पर मरे पड़े हैं। पोस्टर पर लिखा है, इस बार वो पहले जैसा नहीं है। यह भी घोषणा की गई है कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है और यह 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस एक्शन मूवी के डायरेक्टर ए हर्षा हैं। यह फिल्म नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट की है। वह आने वाले साल में बेहतरीन मनोरंजन देने के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाएगा।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की नई रिलीज डेट आई सामने, इस दिन सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी की रिलीज डेट सामने आ गई है। कंगना ने सोमवार को खुद सोशल मीडिया के जरिए फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। क्वीन फेम एक्ट्रेस कंगना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए बताया कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है और अब मूवी इमरजेंसी अगले साल 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर भी शेयर किया है जिसमें फिल्म के मुख्य कलाकारों को भी दिखाया गया है। एक्ट्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, 17 जनवरी 2025, देश की सबसे शक्तिशाली महिला की महाकाव्य गाथा और वह क्षण जिसने भारत की नियति बदल दी। इस पर आधारित फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बता दें कि फिल्म इमरजेंसी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन पर आधारित है। फिल्म में इंदिरा गांधी सरकार में लगाए गए आपातकाल को दर्शाया गया है। फिल्म में कंगना रनौत पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आएंगी। खास बात ये है कि कंगना ने खुद फिल्म के निर्देशन की कमान भी संभाली है। फिल्म में कंगना के अलावा अनुपम खेर जयप्रकाश नारायण, श्रेयस तलपड़े पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के भूमिका में दिखाई देंगे। इसके अलावा फिल्म इमरजेंसी में सतीश कौशिक, मिलिंद सोमन और महिला चौधरी भी दिखाई देंगे। इससे पहले बॉलीवुड 'क्वीन' कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर अपने भाईयों के साथ भाई दूज की फोटो शेयर की थी। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा था, भाई दूज वह त्योहार है, जिसमें बहन अपने भाई की गरिमा, गौरव और कल्याण के साथ रक्षा करने की प्रतिज्ञा करती है। तस्वीरों की पोस्ट पर अभिनेत्री ने अपने भाइयों वरुण रनौत, अक्षत रनौत, करण रनौत पर टैग भी किया था।

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने पुराने अनुभवों को प्रशंसकों के बीच किया शेयर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने पिछले कुछ हफ्तों के अनुभवों को साझा करते हुए एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया। भूमि पेडनेकर ने एक कैप्शन के साथ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें उन्होंने प्रशंसकों को अपने पिछले कुछ दिनों के अनुभवों की एक झलक दिखाई। पोस्ट शेयर करते हुए भूमि ने लिखा, पिछले कुछ दिन- सेट पर रहने से लेकर यह पता चलने तक कि मेरी सोल सिस्टर की शादी हो रही है। भूमि पेडनेकर ने प्रशंसकों को अपने मस्ती भरे दिनों की एक झलक दिखाई। भूमि ने इससे पहले तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा था, सेल्फी गेम ससोमवार मोड में। तस्वीरों में भूमि अलग-अलग पोज़ देती हुई नजर आ रही हैं। पेडनेकर ने हाल ही में कुशा कपिला के टॉक शो टिंडर स्वाइप राइड में हिस्सा लिया। जहां उन्होंने अपने रिश्ते की प्राथमिकताओं के बारे में खुलकर बात की और यह बताया कि वह एक साथी में सबसे ज्यादा क्या महत्व रखती हैं। अपने व्यक्तित्व के लिए मशहूर अभिनेत्री ने साझा किया कि दूसरों के प्रति दया और सम्मान ही वे महत्वपूर्ण गुण हैं, जिन्हें वह एक संभावित साथी में देखना चाहती हैं। अपने द्वारा खोजे जाने वाले गुणों पर चर्चा करते हुए भूमि ने भावनात्मक संबंध और आपसी समर्थन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा मैं ऐसा व्यक्ति चाहती हूं जो दयालु हो, लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करे, और जो मैं करती हूं, उस पर गर्व महसूस करे। वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें, तो भूमि का हालिया प्रोजेक्ट क्राइम थ्रिलर भक्त है, जिसमें वह सच्चाई को उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित एक उग्र पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। वह अगली बार मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित अपकमिंग कॉमेडी मेरे हसबैंड की बीवी में दिखाई देंगी। इस फिल्म में अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी प्रमुख भूमिका में हैं। इसके अलावा, भूमि नेटफ्लिक्स की अपकमिंग रोमांस सीरीज द रॉयल्स में अभिनय करने के लिए तैयार हैं, जिसमें ईशान खट्टर, जीनत अमान, नोरा फतेही और मिलिंद सोमन जैसे स्टार कलाकार भी शामिल हैं।

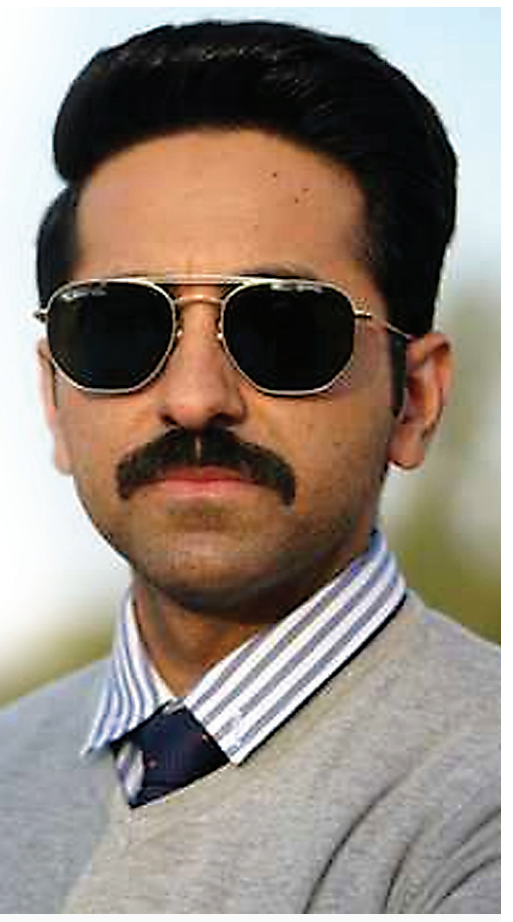

पत्नी ताहिरा कश्यप को लेकर बोले आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना और उनकी पत्नी ताहिरा कश्यप बॉलीवुड के चर्चित कपल में से एक हैं। उनके प्यार की शुरुआत कॉलेज के दिनों में हुई थी। उनकी शादी को भी कई साल हो चुके हैं। शादी के इतने सालों बाद आयुष्मान खुराना ने बताया कि ताहिरा की कौन सी बात उनको महिलावादी बनाया। इससे अन्य महिलाओं को भी वे खास लगते हैं।

निजी जीवन पर होता है असर

एक पॉडकास्ट में आयुष्मान खुराना ने बताया कि उनकी लोकप्रियता में बढ़ोत्तरी हुई है। विक्की डोनर फिल्म के बाद उनका निजी जीवन भी प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा, मध्यम वर्गीय पृष्ठभूमि से आने के बाद जब आप एक सार्वजनिक व्यक्ति बन जाते हैं, तो आपको लगता है कि आपको अपने पेशे को अपना 100% देना चाहिए। आपका निजी जीवन पीछे छूट जाता है।

चंडीगढ़ से ही ताहिरा के साथ हैं आयुष्मान

आयुष्मान खुराना ने बताया कि ताहिरा और उनकी जिंदगी में कई उतार चढ़ाव आए। वे चंडीगढ़ में थे, अच्छे से और खुश रहने से पहले उनके जीवन में बहुत सी परेशानियां आईं। आयुष्मान ने कहा कि उनकी पर्सनल ग्रोथ के लिए भी अपनी पत्नी को ही क्रेडिट देते हैं। उन्होंने कहा, आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय अपने साथी को चुनना है। सही साथी आपको ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

आयुष्मान खुराना ने पत्नी के लिए कही ये बात

आयुष्मान खुराना ने कहा कि अब अगर महिलाएं मेरी ओर आकर्षित होती हैं, तो यह मेरी पत्नी की वजह से है। मैं उनकी वजह से एक खास व्यक्ति बन गया हूं। शुरुआती दिनों में उनका कश्यप से कुछ समय के लिए अलगाव हो गया था। उन्होंने बताया, मैं उस समय चंडीगढ़ में सबसे लोकप्रिय व्यक्ति था और ताहिरा से यह कहते हुए ब्रेकअप कर लिया था, मैं अपनी जिंदगी जीना चाहता हूं। हालांकि, छह महीने के भीतर ही उन्हें अपनी गलतियों का एहसास हो गया और वे उनके पास वापस आ गए।

कुशल टंडन के बाद शिवांगी जोशी ने रिश्ते को किया कंफर्म

शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन ने बरसातें सीरियल में साथ काम किया था। दोनों की जोड़ी न सिर्फ ऑनस्क्रीन बल्कि ऑफस्क्रीन भी हिट हुई। हाल ही में डीकेपी यानी कि डायरेक्टर कट प्रोडक्शन जो कि अनुपमा और ये रिश्ता क्या कहलाता है की निर्माता कंपनी है उन्होंने एक्टर्स राउंडटेबल रखा। इसमें उनके प्रोडक्शन की कई लीड एक्ट्रेस शामिल हुईं। शिवांगी जोशी, अनीता राज, समृद्धि शुक्ला, रीम शेख जैसी एक्ट्रेस शामिल हुईं। इस दौरान जब शिवांगी जोशी से पूछा गया, लोग कहते हैं कि सेट पर जो एक्टर्स होते हैं उन्हें प्यार हो जाता है? इस सवाल का जवाब देते हुए शिवांगी कहती हैं, टीवी एक्टर्स स्पेशली द लीड्स, उनकी लाइफ ऐसी होती है, एवरीडे गोइंग टू सेट, महीने के 30 डेज भी, एक जगह जा रहे हैं घर आ रहे हैं, जा रहे हैं घर आ रहे हैं। उनकी और कोई लाइफ नहीं होती है। अगर आप सिंगल हैं और आप किसी से मिलते हैं किसी सेट पर, एंड थिंग्स वर्क्स फॉर यू, देन इट्स ग्रेट। ये पर्सन टू पर्सन भी डिपेंड करता है। दरअसल बरसातें के सेट पर शिवांगी जोशी और कुशाल टंडन करीब आ गए। दोनों के अफेयर की खबरें लंबे समय से आ रही थीं, मगर हाल ही में दोनों के रिश्ते पर मुहर तब लगी जब एक इंटरव्यू में कुशाल टंडन ने कहा था कि उनके मम्मी पापा की तलाश खत्म हो गई है।

फिल्म 12वीं फेल को करियर का टर्निंग पॉइंट मानते हैं विक्रांत मैसी

विक्रांत मैसी आज के दौर के उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत भले छोटे पर्दे से की, जो भले साधारण लुक के साथ आएं, मगर अपनी प्रतिभा के बल पर उन्होंने ओटीटी से लेकर फिल्मों तक हर किरदार में जान फूंकी। अब वह द साबरमती रिपोर्ट से ख़बरों में हैं। फिल्म और उनके किरदार को लेकर काफी विवाद चल रहे हैं।

द साबरमती रिपोर्ट को लेकर कुछ लोगों का आरोप है कि आपने एक एजेंडे वाली फिल्म का चयन किया है? आपके फैंस भी ये शिकायत कर रहे हैं?

बिल्कुल, और मैं इससे वाकिफ हूं। मैंने अपने जीवन में ये कभी नहीं सोचा कि आपको मेरा काम पसंद नहीं, तो मैं आपका मुंह बंद करवा दूं। आपको अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। जो कुछ लोग ये कह रहे हैं, मैं उनसे सहमत नहीं हूं, मगर मैं उनका मुंह बंद नहीं करवाना चाहता ,जाहिर-सी बात है कि अगर मैं अपनी बात कहने का अधिकार रखता हूं, तो उन्हें भी है। हम अपनी कहानी में भी यही कह रहे हैं कि दुर्भाग्य से फरवरी 2002 का जो हादसा था, उसको हमने सिर्फ एक पॉलिटिकल आइडेंटिटी दे दी। सबसे पहले तो फिल्म अभी तक किसी ने देखी नहीं मगर ट्रेलर और इसी पॉलिटिकल आइडेंटिटी के कारण इसकी आलोचना शुरू हो चुकी है। मैं कह रहा हूं कि आप पहले फिल्म देखें और फिर प्रतिक्रिया दें, क्योंकि इस फिल्म के बाद न केवल हमारा सोशियो-पॉलिटिकल नैरेटिव बदला बल्कि हमारा आपसी भाईचारा भी बदला। उस पर किसी ने बात नहीं कि, इसी डर से कि ये किसी खास पॉलिटिकल आइडियोलॉजी से ताल्लुक रखता है। अब उस डर या आलोचना से घबरा कर मैं कहानी न कहूं, तो ये गलत हो जाएगा। इस विषय पर 22 साल बीतने के बाद भी कोई ज्यादा जानकारी नहीं है। कई डॉक्यूमेंट्रीज बनीं, मगर जो 59 लोग मर गए, उस पर किसी ने बात नहीं की, क्योंकि उसे एक राजनीतिक पहचान दे दी गई। एक नागरिक, पिता, पति, बेटा और अदाकार होने के नाते, मेरी भी कुछ प्रतिक्रियाएं हैं, जो मुझे देनी हैं। हां, तकलीफ होती है, आलोचना सुनकर, फर्क पड़ता है, क्योंकि मैं आपके लिए ही काम करता हूं। मगर अब क्या ही किया जा सकता है।

आपको और आपके 9 महीने के बेटे को जिस तरह से धमकियां मिलीं, उससे क्या आपको घबराहट हुई? क्या प्रीकॉशन्स ले रहे हैं आप?

घबराहट तो होती ही है। सोशल मीडिया पर कोई आपका फोन नंबर लीक कर दे या कोई आपको मेसेज करके बोले, हमें तेरी गाड़ी का नंबर पता है, हम जानते हैं कि तू किस रास्ते से आता-जाता है। हम तुझे देख लेंगे, तू अपनी उलटी गिनती शुरू कर दे। ये सारी बातें सुनकर तो डर लगेगा ही, मगर उस डर से मैं कहानियां कहना बंद नहीं कर सकता। मैंने स्थानीय पुलिस और साइबर क्राइम विभाग में शिकायत दर्ज की हुई है। आप उन थ्रेट्स को गंभीर धमकियों में नहीं कर सकते, मगर थ्रेट तो फिर थ्रेट हैं ही।

आपकी फिल्म 12 वीं फेल को लेकर काफी सकारात्मकता थी, मगर अब सोशल मीडिया पर आप काफी ट्रोल हो रहे हैं, आपको काफी नेगेटिविटी का सामना करना पड़ रहा है, इसे कैसे हैंडल कर रहे हैं?

एक हद तक कह सकते हैं कि थोड़ी तकलीफ तो हो रही है। बस मैं ये उम्मीद करता हूं कि ये सब जल्दी खत्म हो और लोग मेरी नीयत को समझें। ट्रोलिंग हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गया है। मैं ज्यादा सोशल मीडिया पर होता नहीं हूं, मगर ये मुझे अपने लपेटे में लेता जा रहा है। मैं बस अपनी कहानियां कहना चाहता हूं, लोगों की जुबान बनना चाहता हूं।

अपनी फिल्म 12वीं फेल को आप अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मानते हैं?

बेशक। आज फिल्म रिलीज के एक साल बाद भी फिल्म को इतना प्यार मिल रहा है। मुझे इस फिल्म के बाद अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इस फिल्म के जरिए मैं लोगों से कनेक्ट कर पाया। कितने ही ऐसे बच्चे या नौजवान हैं, जो आकर कहते हैं कि भैया आपकी फिल्म के कारण मैं आईपीएस, आईएएस बन गया। कई बच्चे ये भी आकर कहते हैं कि भैया मैं आपकी तरह आईएएस बनना चाहता हूं, समाज में बदलाव लाना चाहता हूं, हमें चीटिंग छोड़ी होगी। मैं मानता हूं कि सिनेमा एक बहुत ही सशक्त माध्यम है लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का। खुशी है कि फिल्म के जरिए लोगों से जुड़ पाया।

आपके घर में गंगा जमुनी तहजीब के बारे में क्या कहना चाहेंगे? सुना है कि आपके भाई ने इस्लाम स्वीकार किया है?

गंगा जमुना तहजीब ही हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत रही है। आज बहुत सारे लोग आलोचना करते हैं। बहुतों ने ट्रोल भी किया। मेरा भाई जिसका कुछ लेना-देना नहीं है, उसे भी घसीटा गया। खैर, इन सब ट्रोल्स पर क्या किया जा सकता है। मुझे लगता है कि निजी जिंदगी की जो चीजें हैं, उसमें आप जवाबदार सिर्फ अपने आप से है। लोगों के कहने के बारे में यही कहूंगा कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है, कहना। आप इसमें कुछ नहीं कर सकते।

संक्षिप्त समाचार

मीडियाटेक ने भारत में डिजिटल परिवर्तन को गति देने के लिए नवीनतम स्मार्टफोन

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ष दो अरब से अधिक कनेक्टेड एज डिवाईस को ताकत प्रदान कर रही विश्व की अग्रणी फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने मोबाइल, ऑटोमोटिव और आईओटी में अपनी अग्रणी स्थिति प्रदर्शित की और जेनरेटिव एआई, सैटेलाइट कनेक्टिविटी, ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस, 5जी और स्मार्ट क्लस्टर्स में भविष्य के लिए तैयार टेक्नोलॉजीज़ को तेजी से अपनाने पर केंद्रित अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मीडियाटेक ने मीडियाटेक टेक्नोलॉजी डायरीज़ आयोजन के 14वें चैप्टर में अपने अग्रणी मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9400 चिपसेट से युक्त ओप्पो फाइंड एक्स8 प्रो समेत अपने नवीनतम नवप्रवर्तन को प्रदर्शित किया। मीडियाटेक ने टाटा पंच ईवी और स्कोदा स्लेविया जैसे भारतीय ओईएम से गठबंधन के साथ अगली पीढ़ी के स्मार्ट वाहन टेक्नोलॉजीज को रेखांकित किया और अपना डायमेन्सिटी ऑटोमोटिव प्लेटफॉर्म प्रदर्शित किया। इस आयोजन में मेड इन इंडिया स्मार्ट क्लस्टर के लिए काइनेटिक ग्रीन ईलूना और काइनेटिक ग्रीन फ्लेक्स सहित जियो थिंग्स लिमिटेड से ताकत प्राप्त ईवी दोपहिया वाहन भी प्रदर्शित किए गए। मीडियाटेक के महाप्रबंधक और उपाध्यक्ष (कॉरपोरेट मार्केटिंग) फिनबर मोइनिहान ने कहा, मीडियाटेक अद्भुत टेक्नोलॉजी का अनुभव कितना अधिक सुलभ बना रहा है, इसका भारतीय बाजार एक जबरदस्त उदाहरण है।

ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज ने छिंदवाड़ा में अपने मुख्य ब्रांड्स के लिए विशेष डिस्प्ले सेंटर लॉन्च किया

छिंदवाड़ा, एजेंसी। 120 से ज्यादा देशों में लकड़ी के एकीकृत पैनल और ग्राहकों को विस्तृत सर्फेसिंग एवं सब्सट्रेट सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली, ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज ने हाल ही में गुड़िया रोड, न्यू सब्जी मंडी, छिंदवाड़ा में अपने विशेष डिस्प्ले सेंटर ङ्क श्री कृष्णा प्लाईवुड का उद्घाटन किया। इस शोरूम में एक ही छत के नीचे न्यूमाइका 1मिमी लैमिनेट की विशेष रेंज के साथ लैमिनेट खंड में विस्तृत संग्रह उपलब्ध होगा।ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज को घर की सुंदरता के साथ उच्च गुणवत्ता वाले सरफेस सॉल्यूशंस बनाने के लिए जाना जाता है। इनके उत्पाद अपनी उत्तमता और बेहतरीन कला के साथ इस ब्रांड की उत्कृष्टता की विरासत प्रदर्शित करते हैं, जो इसके मुख्य ब्रांड्स की रेंज में स्पष्ट दिखाई देता है। इनमें ग्रीनलैम के ग्राहकों के लिए बनावट, रंग और डिज़ाइन की विस्तृत रेंज शामिल है। ये विस्तृत उत्पाद ग्रीनलैम के ग्राहकों को अपने घर के डिज़ाइन में फ्लेक्सिबिलिटी लाने और उनकी रचनात्मकता को बढ़ाने में मदद करते हैं।

बैंकों की कर्ज पर ब्याज दरें ज्यादा, इसे कम करने की जरूरत : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्मला सीतारमण ने सोमवार को एसबीआई के कार्यक्रम में कहा, जब आप भारत की विकास की जरूरतों को देखते हैं, तो आपके पास कई राय आ सकती हैं और कह सकती हैं कि उधार लेने की लागत बहुत ज्यादा है। जब हम चाहते हैं कि उद्योग तेजी से आगे और निर्माण की ओर बढ़ें तो बैंक ब्याज दरों को सस्ता बनाना होगा।

बैंकों की ब्याज दरें कुछ लोगों के लिए दबाव वाली हैं। इसे कम करने की जरूरत है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, दरों को कम करने से विकसित भारत की आकांक्षा को पाने में मदद मिल सकती है। भारत को उद्योग को आगे बढ़ने व नई सुविधाओं में निवेश करने की जरूरत है।

निर्मला सीतारमण ने सोमवार को एसबीआई के कार्यक्रम में कहा, जब आप भारत की विकास की जरूरतों को देखते हैं, तो आपके पास कई राय आ सकती हैं और कह सकती हैं कि उधार लेने की लागत बहुत ज्यादा है। जब हम चाहते हैं कि उद्योग तेजी से आगे और निर्माण की ओर बढ़ें तो बैंक ब्याज दरों को सस्ता बनाना होगा। बैंक कर्ज देने के अपने मुख्य कार्य पर ध्यान केंद्रित

करें। बीमा उत्पादों की गलत बिक्री भी अप्रत्यक्ष रूप से किसी के लिए उधार लेने की लागत बढ़ाती है। बैंकों द्वारा बीमा वितरण के कारण बीमा की पहुंच गहरी हुई है। इससे उत्पादों की गलत बिक्री के बारे में भी चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्राहकों पर बीमा का बोझ नहीं डालना चाहिए। बैंकिंग क्षेत्र में लोगों का भरोसा बढ़ाने की दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है। सीतारमण ने कहा, विकास सरकार की प्राथमिकता है। महंगाई एक जटिल मुद्दा है जो आम आदमी को प्रभावित करती है। सरकार खाद्य तेलों और दालों सहित आपूर्ति पक्ष के उपायों पर काम कर रही है। सरकार के प्रयास मुख्य रूप से अस्थिरता को कम करने के लिए भंडारण सुविधाओं में सुधार पर केंद्रित हैं। अब समय आ गया है कि स्वतंत्र रेटिंग एजेंसियां हमारी रेटिंग अपग्रेड पर फैसला लें।

वित्त मंत्री ने कहा, मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहती कि महंगाई सूचकांक बनाते समय खाद्य कीमतों पर विचार किया जाना चाहिए या आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति द्वारा दरों पर निर्णय लिया जाना चाहिए। तीन या चार खराब होने वाली वस्तुओं से इस समय महंगाई की दर बढ़ रही है।

सीतारमण ने कहा कि भारत की आर्थिक आवश्यकताओं के मद्देनजर ब्याज दरों को अधिक किफायती बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब उद्योगों को तेजी से विस्तार और क्षमता निर्माण की जरूरत है, उच्च ब्याज दरें एक बड़ी बाधा बन सकती हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स की गलत बिक्री से अप्रत्यक्ष रूप से कर्ज की लागत बढ़ती है। उन्होंने कहा कि बैंकों को अपनी बैंकिंग सेवाओं पर फोकस करना चाहिए और ग्राहकों पर अनावश्यक इंश्योरेंस थोपने से बचना चाहिए, जिससे बैंकिंग सेक्टर पर लोगों का भरोसा बना रहे।

वित्त मंत्री ने फूड प्राइसेस के उतार-चढ़ाव के कारण महंगाई को भी स्वीकार किया। उनकी यह टिप्पणी वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक से ब्याज दरों को कम करने की अपील के बाद आई है।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी आईपीओ हुआ ओपन, निवेश के लिए कम से कम 14,904 रु करने होंगे खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार एक हफ्ते से जारी शेयर बाजार की गिरावट का सिलसिला मंगलवार को टूट गया है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 850 अंकों से अधिक की बढ़त पर पहुंचा, जबकि निफ्टी ने 23,700 का स्तर पार कर लिया। इस तेजी के बीच सरकारी कंपनी नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी) की सहयोगी कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ आज से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है, जो 22 नवंबर 2024 को बंद होगा। बाजार के जानकारों का मानना है कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना लाभकारी हो सकता है। एनटीपीसी की वित्तीय स्थिति मजबूत है और यह खरीदारों व सप्लायर्स के साथ दीर्घकालिक संबंधों से लाभ उठा रही है। यह इस साल का तीसरा सबसे बड़ा आईपीओ है, इसके पहले Hyundai Motor India ने 27,870 करोड़ रुपए का आईपीओ और फूड डिलीवरी कंपनी Swiggy ने 11,300 करोड़ रुपए से अधिक का आईपीओ लाया था।

ग्रे मार्केट में इस आईपीओ ने मचाई धूम, भारी मुनाफे का संकेत, 22 नवंबर को खुलेगा यह इश्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। सीडब्ल्यूसी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड का आईपीओ इस हफ्ते निवेशकों के लिए खुलने जा रहा है। यह एक एसएमई सेगमेंट का आईपीओ है, जो 22 नवंबर को खुलेगा और 26 नवंबर को बंद हो जाएगा। यह आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में धूम मचा रहा है। इसे ग्रे मार्केट में करीब दोगुना भाव मिल रहा है। ऐसे में यह लिस्टिंग पर निवेशकों को दोगुना मुनाफा दे सकता है। इस आईपीओ का इश्यू साइज 99.07 करोड़ रुपए है, जिसमें 43.84 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसका प्राइस बैंड 214-226 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है और एक लॉट में 600 शेयर होंगे। रिटेल इन्वेस्टर केवल एक लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,35,600 रुपए का निवेश करना होगा। आईपीओ के लॉन्च से पहले ही ष्ट2ष्ट एडवांस्ड सिस्टम्स का ग्रे मार्केट में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल

रहा है। इश्यू प्राइस 226 रुपए के मुकाबले इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम 451 रुपए है, जिससे यह लगभग 100त्न प्रीमियम पर लिस्ट हो सकता है।

2018 में स्थापित ष्ट2ष्ट एडवांस्ड सिस्टम्स एक सॉफ्टवेयर कंपनी है, जो डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स सॉल्यूशंस प्रदान करती है। कंपनी डिजिटल सेवाओं, सीवाईआई सिस्टम, एआई/एमएल आधारित बिग डेटा एनालिटिक्स, आईआईओटी और एम्बेडेड/FPGA डिजाइन पर फोकस करती है। कंपनी के पास लगभग 200 कर्मचारी हैं।

जी नेटवर्क में गोयनका परिवार की बस इतनी हिस्सेदारी, एजीएम से पहले पुनीत का एमडी पद से इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के साथ कई सालों से जुड़े पुनीत गोयनका ने अब एमडी पद से इस्तीफा दे दिया है। आखिर ऐसा क्यों जानिए इस रिपोर्ट में। जी नेटवर्क का यह बड़ा फैसला सभी को हैरान कर रहा है कि अब पुनीत गोयनका जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के एमडी नहीं रहेंगे। यह फैसला 10 दिन पहले शेयरधारकों की बैठक में लिया गया। पुनित गोयनका ने जी एंटरटेनमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया है। अब उन्हें कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। कंपनी ने 18 नवंबर 2024 को कारोबार समाप्त होने के बाद उनके इस्तीफे को मंजूरी दी और उसी दिन सीईओ के तौर पर उनकी नियुक्ति की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुनित गोयनका की नई भूमिका उनकी मौजूदा फुल-टाइम नौकरी जैसी ही होगी। हालांकि, उनके वेतन

का 40 प्रतिशत वेरिएबल हिस्सा उन्हें केवल कुछ विशेष लक्ष्यों को पूरा करने पर ही दिया जाएगा। इस वेतन की अधिकतम सीमा बोर्ड द्वारा तय की गई है। जी एंटरटेनमेंट की जानकारी के अनुसार, कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मुकुंद गलगली को डिप्टी सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। यह बदलाव कंपनी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोयनका और उनके परिवार के पास 1992 में उनके पिता सुभाष चंद्रा द्वारा स्थापित कंपजी जी का सिर्फ 4 प्रतिशत हिस्सा है। बाकी शेयरधारकों के पास बचा हुआ 96 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर गोयनका को कई शेयरधारकों की मंजूरी नहीं मिलती है तो वे बोर्ड का हिस्सा भी नहीं रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गोयनका और उनके परिवार के पास 1992 में उनके पिता सुभाष चंद्रा द्वारा स्थापित कंपजी जी का सिर्फ 4 प्रतिशत हिस्सा है। बाकी शेयरधारकों के पास बचा हुआ 96 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर गोयनका को कई शेयरधारकों की मंजूरी नहीं मिलती है तो वे बोर्ड का हिस्सा भी नहीं रहेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जी ने कहा कि गोयनका ने सोमवार को एमडी के पद से इस्तीफा दे दिया है ।

प्रतिस्पर्धा आयोग के फैसले के खिलाफ अपील करेगी मेटा, 213.14 करोड़ का लगाया गया है जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। मेटा ने मंगलवार को कहा कि वह जुर्माना लगाए जाने के फैसले असहमत है और इसके खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सोमवार को 2021 में वाट्सएप की गोपनीयता नीति अपडेट के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों के लिए सोशल मीडिया प्रमुख मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। जानें डिटेल्स।

मेटा प्रतिस्पर्धा आयोग की ओर से 213 करोड़ रुपये का जुर्माना और प्रतिबंध लगाने के फैसले के खिलाफा अपनी करेगी। मंगलवार को कंपनी ने कहा कि वह इस फैसले असहमत है तथा इसके खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सोमवार को 2021 में वाट्सएप की गोपनीयता नीति अपडेट के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों के लिए सोशल मीडिया प्रमुख मेटा पर 213.14 करोड़ रुपये का

जुर्माना लगाया। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने सोमवार को वाट्सएप को पांच साल की अवधि के लिए विज्ञापन उद्देश्यों के लिए मेटा के स्वामित्व वाले अन्य एप्लिकेशन के साथ उपयोगकर्ता डेटा साझा करने से परहेज करने को कहा। भारत के प्रतिस्पर्धा नियामक ने 2021 में वाट्सएप की गोपनीयता नीति अपडेट के संबंध में अनुचित व्यावसायिक तरीकों के लिए सोशल मीडिया दिग्गज पर 213.14 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा, प्रतिस्पर्धा नियामक ने मेटा को प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों को बंद करने और उनसे दूर रहने का निर्देश दिया है। सीसीआई के आदेश के अनुसार, मेटा और व्हाट्सएप को प्रतिस्पर्धा विरोधी मुद्दों के समाधान के लिए एक निश्चित समय-सीमा के भीतर कुछ व्यवहारिक उपायों को लागू करने के लिए भी कहा गया है। मेटा के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी सीसीआई के निर्णय से असहमत है तथा अपील करने की योजना बना रही है। मेटा के प्रवक्ता ने कहा, याद दिला दें कि 2021 के अपडेट ने लोगों के व्यक्तिगत संदेशों की गोपनीयता में कोई बदलाव नहीं किया और इसे उस समय उपयोगकर्ताओं के लिए एक विकल्प के रूप में पेश किया गया था। हमने यह भी सुनिश्चित किया कि इस अपडेट के कारण किसी का भी अकाउंट डिलीट न हो या व्हाट्सएप सेवा की कार्यक्षमता न खोई जाए।

मेटा ने आगे कहा कि यह अपडेट वाट्सएप पर वैकल्पिक व्यावसायिक सुविधाओं को शुरू करने के बारे में है, तथा डेटा संग्रह और उपयोग के बारे में और अधिक पारदर्शिता प्रदान करता है। मेटा प्रवक्ता ने कहा कि उस समय से, वाट्सएप लोगों और व्यवसायों के लिए अविश्वसनीय रूप से मूल्यवान रहा है, जिसने संगठनों और सरकारी संस्थानों को कोविड और उसके बाद भी नागरिक सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाया है और साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में छोटे व्यवसायों का समर्थन भी किया है।

मेटा के प्रवक्ता ने कहा, वाट्सएप यह सब करने में सक्षम है, क्योंकि यह मेटा की ओर से समर्थित सेवाएं प्रदान करता है। हम आगे बढ़ने का ऐसा रास्ता खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हमें लोगों और व्यवसायों को वे अनुभव प्रदान करना जारी रखने में सक्षम बनाए, जिनकी वे हमसे अपेक्षा करते हैं। इस बीच, सीसीआई ने वाट्सएप को अपने प्लेटफॉर्म पर एकत्र किए गए डेटा को अन्य मेटा कंपनियों या मेटा कंपनी के उत्पादों के साथ विज्ञापन उद्देश्यों के लिए साझा करने से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। विज्ञापन के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए वाट्सएप उपयोगकर्ता डेटा साझा करने पर, नियामक ने कहा कि व्हाट्सएप की नीति में अन्य मेटा कंपनियों या मेटा कंपनी के उत्पादों के साथ साझा किए गए उपयोगकर्ता डेटा का विस्तृत विवरण शामिल होना चाहिए। इसमें कहा गया है, इस स्पष्टीकरण में डेटा साझा करने के उद्देश्य को स्पष्ट किया जाना चाहिए तथा प्रत्येक प्रकार के डेटा को उसके संगत उद्देश्य से जोड़ा जाना चाहिए।

नियामक ने यह भी कहा कि वाट्सएप पर एकत्रित उपयोगकर्ता डेटा को वाट्सएप सेवाएं प्रदान करने के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए अन्य मेटा कंपनियों या मेटा कंपनी के उत्पादों के साथ साझा करना भारत में व्हाट्सएप सेवा का उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए शर्त नहीं बनाई जाएगी। वाट्सएप सेवाएं प्रदान करने के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए वाट्सएप उपयोगकर्ता डेटा साझा करने पर, सीसीआई ने कहा कि भारत में सभी उपयोगकर्ताओं (जिनमें 2021 अपडेट स्वीकार करने वाले उपयोगकर्ता भी शामिल हैं) को इन-ऐप अधिसूचना के माध्यम से प्रमुखता से ऑप्ट-आउट विकल्प के माध्यम से ऐसे डेटा साझाकरण को प्रबंधित करने का विकल्प प्रदान किया जाएगा।

दो दिन में 1,500 रुपए महंगा हुआ गोल्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दो दिनों से सोने की कीमतों में फिर से तेजी देखने को मिल रही है। भारतीय बाजारों के साथ-साथ अमेरिकी बाजारों में भी सोना महंगा हो गया है। सोमवार और मंगलवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सुबह 10 बजे तक सोने की कीमतों में 1500 रुपए से अधिक की बढ़त दर्ज की गई, जबकि चांदी के दाम भी 91 हजार रुपए प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गए हैं। इसी तरह न्यूयॉर्क के कॉमेक्स मार्केट में भी गोल्ड की कीमतें 2600 डॉलर प्रति औंस के पार हो चुकी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में सोने की मांग में बढ़ोतरी के पीछे प्रमुख कारण शादियों का सीजन है, जिससे स्थानीय स्तर पर सोने की मांग बढ़ी है। इसके अलावा

इंटरनेशनल मार्केट में डॉलर इंडेक्स पर दबाव के कारण भी सोने की कीमतें बढ़ रही हैं, जिसका असर भारतीय बाजारों में देखने को मिल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में डॉलर इंडेक्स और गोल्ड की मांग में उतार-चढ़ाव हो सकता है, जिससे सोने की कीमतों में अस्थिरता बनी रह सकती है। इस समय दिल्ली से लेकर न्यूयॉर्क तक सोने की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है, जो कि निवेशकों और खरीदारों दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। मंगलवार सुबह 10ः15 पर सोना 327 रुपए की बढ़त के साथ 75,374 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसी सत्र के दौरान सोना 75,450 रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

अमेजन और फ्लिपकार्ट पर ईडी की कार्रवाई, 19 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। ई-कॉमर्स कंपनियां अमेजन और फ्लिपकार्ट विदेशी निवेश से जुड़े नियमों के कथित उल्लंघन के चलते प्रवर्तन निदेशालय की जांच के घेरे में आ गई हैं। इस मामले में FEMA नियमों के उल्लंघन के संदर्भ में ईडी ने इन कंपनियों से जुड़े 19 से अधिक ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी इस मामले में अमेजन और फ्लिपकार्ट के टॉप अधिकारियों को पूछताछ के लिए तलब कर सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि विदेशी

निवेश नियमों के उल्लंघन के आरोपों की प्रारंभिक जांच पूरी होने के बाद दोनों कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाने की संभावना बढ़ गई है।

सूत्रों का कहना है कि ईडी का यह कदम विदेशी निवेश नियमों का पालन न करने और FEMA नियमों के उल्लंघन के संदेह के आधार पर लिया गया है।

खो खो विश्व कप से भारतीय खेलों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी, टूर्नामेंट में 24 देश होंगे शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार कई स्वदेशी खेलों को बढ़ावा दे रही है और 2025 में खो खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी करना उसी दिशा में एक कदम है। भारत के प्राचीनतम खेलों में से एक खो खो के इस विश्व कप का उद्घाटन संस्करण का आयोजन 13 से 19 जनवरी 2025 के बीच नई दिल्ली में होगा। भारत के माटी के खेल, खो खो का पहली बार विश्व कप होने जा रहा है। खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित और भारतीय युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा समर्थित इस टूर्नामेंट का उद्देश्य देसी खेल खो खो को वैश्विक मंच पर लाना है। खो खो विश्व कप 13 से 19 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। महाभारत कालीन के इस खेल को आज दुनिया के पटल पर लाने की जोरदार कोशिश की जा रहा है।

खो-खो को वैश्विक स्तर पर पहचान स्थापित करने में मदद मिलेगी

भारत के प्राचीन खेल खो खो के पहले विश्व कप के आयोजन से भारतीय मिटटी से जुड़े इस खेल को वैश्विक स्तर पर पहचान स्थापित करने में मदद मिलेगी और भविष्य में ओलिंपिक और एशियाई खेलों में प्रवेश का रास्ता प्रशस्त हो जाएगा। पीछा करने के सदियों पुराने रोमांचक खेल खो-खो की जड़ें भारतीय पौराणिक कथाओं में हैं। इतिहास में इसका वर्णन मौर्या शाशनकाल चौथी ईसा पूर्व में मिलता है। खो खो खेल का वर्णन महाभारत काल में भी किया गया है। इस खेल के आधुनिक स्वरूप की शुरुआत महाराष्ट्र में हुई थी, जोकि आज दुनिया के सभी महाद्वीपों तक पहुंच गया है। वर्ष 1914 में बाल गंगाधर तिलक ने पहली बार खो खो खेल के नियमों पर रूल बुक लिखी। विश्व के खेल इतिहास में खो खो की एंट्री 1936 में बर्लिन ओलिंपिक में डेमो खेल से मानी जा सकती है। जब एडोल्फ हिटलर ने इस खेल को सराहा। वर्ष 1996 में पहली बार खो खो की पहली एशियाई चैंपियनशिप आयोजित की गई। वर्ष 2010 में इस खेल को पहली बार इंडोर मेट पर खेलना शुरू किया गया। खो खोफेडरेशन ऑफ इंडिया का लक्ष्य है कि 2032 में होने वाले ओलंपिक में इस खेल को शामिल किया जाए।

13 से 19 जनवरी 2025 तक नई दिल्ली में होगा टूर्नामेंट

भारत सरकार कई स्वदेशी खेलों को बढ़ावा दे रही है और 2025 में खो खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी करना उसी दिशा में एक कदम है। भारत के प्राचीनतम खेलों में से एक खो खो के इस विश्व कप का उद्घाटन संस्करण का आयोजन 13 से 19 जनवरी 2025 के बीच नई दिल्ली में होगा। इस समय खो खो विश्व के सभी महाद्वीपों 54 देशों में खेला जा रहा है तथा 2025 के अंत तक खो खो दुनिया भर के 90 देशों में अपनी उपस्थिति रजिस्टर कर लेगा।

टूर्नामेंट में 24 देश लेंगे हिस्सा

- इस विश्व कप में इंग्लैंड, जर्मनी, हॉलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका समेत छह महाद्वीपों के 24 देश भाग लेंगे, जिनमें 16 पुरुष और 16 महिला टीमें शामिल होंगी, जबकि कुछ देश ऑब्जरवेशन डेलिगेट भेजेंगे। प्रत्येक खो खो टीम में 18 सदस्य होंगे जिसमे 15 खिलाड़ी, 01 कोच, 01 मैनेजर और 01 सपोर्ट स्टाफ का सदस्य होगा। इसमें भाग लेने बाली टीमें इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आगामी आठ जनवरी से प्रैक्टिस सेशन में भाग ले सकेंगी तथा पूरे परिसर में पीले और हरे रंग की कुल 1200 प्रैक्टिस मैट्स बिछाई जाएंगी।
- इस चैंपियनशिप में अफ्रीकी महाद्वीप से घाना, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। एशिया का प्रतिनिधित्व मेजबान भारत के साथ दक्षिण कोरिया, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, इंडोनेशिया, ईरान और मलयेशिया करेंगे। यूरोप से जर्मनी, नीदरलैंड पोलैंड और इंग्लैंड प्रतिभागी होंगे, जबकि उत्तरी अमेरिका का प्रतिनिधित्व अमेरिका और कनाडा करेंगे। दक्षिण अमेरिका महाद्वीप से पेरू और ब्राजील की टीमें होंगी, जबकि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ओशिनिया की टीमें होंगी।
- पुरुष वर्ग में अफ्रीका महाद्वीप से घाना, केन्या और दक्षिण अफ्रीका भाग लेंगे। एशिया महाद्वीप से मेजबान भारत, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलयेशिया, नेपाल, पाकिस्तान और दक्षिण कोरिया भाग लेंगे। यूरोप से नीदरलैंड और इंग्लैंड भाग लेंगे। नॉर्थ अमेरिका से अमेरिका और कनाडा के अलाबा साउथ अमेरिका से ब्राजील के अतिरिकत ऑस्ट्रेलिया की 16 टीमें भाग लेंगी।
- महिला वर्ग में अफ्रीका महाद्वीप से केन्या, साउथ अफ्रीका और युगांडा भाग लेंगे। एशिया महाद्वीप से भारत, भूटान, ईरान, मलयेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, साउथ कोरिया और श्रीलंका भाग लेंगे। यूरोप से इंग्लैंड, जर्मनी और पोलैंड भाग लेंगे। पेरू देश साउथ अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेगा तथा इसके अतिरिकत न्यूजीलैंड की महिला टीम भी भाग लेगी। पड़ोसी देश पाकिस्तान महिला और पुरुष दोनों वर्गों में हिस्सेदारी लेगा जिससे यह वर्ल्ड कप ज्यादा रोमांचिक हो जाएगा।

भारत को मलयेशिया ने 1-1 से ड्रॉ पर रोका, इस वर्ष बिना जीत के रही फुटबॉल टीम

हैदराबाद , एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम वर्ष 2024 बिना जीत के साथ समाप्त करेगी। मलयेशिया ने सोमवार को खेले गए दोस्ताना मुकाबले में भारत को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। इसके साथ ही नए कोच मैनोलो मार्केज की कोचिंग में भारत की जीत का सूखा जारी है। मैनोलो की कोचिंग में भारत ने इस वर्ष चार मैच खेले हैं, जिसमें तीन ड्रॉ रहे हैं और सीरिया से 0-3 से हार मिली है। विश्व नंबर 125 भारत यह मैच जीत सकता था, लेकिन गोलकीपर गुरप्रीत सिंह की लापरवाही के कारण उसे खेल के 19वें मिनट में ही गोल खाना पड़ गया। गुरप्रीत गोल छोड़कर बाहर निकल आए। पाउलो जोसुए मलयेशिया रक्षक से मिले पास पर खाली गोल में गेंद डाल दी। हालांकि 39वें मिनट में राहुल भेके ने कॉर्नर पर गोल दागकर भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी। ब्रेंडन फर्नांडीज के कॉर्नर पर भेके ने हेडर के जरिये गोल किया। विश्व नंबर 133 मलयेशिया के खिलाफ भारत ने 12 मैच जीते हैं और 12 ही हारे हैं, जबकि आठ मैच ड्रॉ रहे हैं। अच्छी बात यह रही कि इस मैच में अनुभवी रक्षण संदेश झिंगन 10 माह बाद खेलने उतरे। हालांकि मैनोलो की ओर से उतारे गए एकमात्र फॉरवर्ड इरफान येडवाड़ कोई करिश्मा नहीं दिखा पाए।

आईपीएल 2025 से पहले इस क्रिकेट लीग में खेलेंगे जॉस बटलर राशिद खान जैसे सितारे, भारतीय खिलाड़ी भी आएंगे नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 24 और 25 नवंबर को होगी. इसके लिए कुल 574 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट हैं, जिसमें से किस्मत आधे से भी कम की चमकेगी. आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले हालांकि एक और बड़ी खबर सामने आ रही है, जिसके मुताबिक आईपीएल में खेलने वाले कुछ बड़े चेहरे, इसमें खेलने से पहले अबू धाबी ञ्10 लीग में खेलते दिखेंगे. जॉस बटलर, निकोलस पूरन, मार्कस स्टोइनिस, राशिद खान जैसे आईपीएल खेलने वाले बड़े क्रिकेट सितारे अबू धाबी टी-10 लीग में नजर आएंगे. इनके अलावा एक भारतीय क्रिकेटर भी अबू धाबी टी-10 लीग का हिस्सा होगा.

21 नवंबर से अबू धाबी टी-10 लीग - अबू धाबी ञ्10 लीग की शुरुआत आईपीएल 2025 के ऑक्शन से 3 दिन पहले यानी 21 नवंबर से हो रही है. वहीं इस लीग का फाइनल 2 दिसंबर 2024 को खेला जाएगा. अबू धाबी टी-10लीग 11 दिन का क्रिकेट आयोजन होगा, जिसमें कई सारे रोमांचक मुकाबलों के दिखने की उम्मीद है.

बांग्ला टाइगर्स टीम से खेलेगा ये भारतीय- अबू धाबी टी-10 लीग में कुल 9 टीमें हैं. ऐसे में अब सवाल है कि क्रिकेट के कौन से बड़े सितारे किस टीम से खेलते दिख सकते हैं. इंग्लैंड के जॉस बटलर और ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस डेक्कन ग्लैडिएटर्स टीम का हिस्सा होंगे. भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी अबू धाबी ञ्10 लीग में बांग्ला टाइगर्स से खेलते दिखेंगे ।

यश दयाल बैकअप के तौर पर भारतीय टीम में शामिल

तेज गेंदबाज के पिता ने की पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज यश दयाल को बैकअप खिलाड़ी के तौर पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज के पिता चंद्रपाल दयाल ने मंगलवार को को बताया। चंद्रपाल ने खुलासा किया कि पिछले सप्ताह जब यश दक्षिण अफ्रीका में टी20 सीरीज के लिए गए थे, तब उन्हें टीम में शामिल होने के लिए बुलाया गया था और वह 17 नवंबर को टीम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनका बेटा इस बहुप्रतीक्षित सीरीज में पदार्पण करेगा।

चंद्रपाल ने फोन पर बताया, यश को - जब वह दक्षिण अफ्रीका में टी20 टीम के साथ थे - फोन आया कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट टीम में शामिल होना होगा। इसलिए वह 17 नवंबर को वहां गए। वह बैकअप के तौर पर गए हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश को बांग्लादेश सीरीज के खिलाफ पहली बार टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी करियर में कुल 24 मैच खेले हैं और इस दौरान 28.89 की औसत से 76 विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा, आज उनका पहला अभ्यास सत्र था। हम बस यही चाहते हैं कि वह जल्द ही अपना डेब्यू करें और देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करें। हम बस यही प्रार्थना करते हैं। 26 वर्षीय तेज गेंदबाज, जो हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली भारत ए टीम का हिस्सा थे, को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश टीम में भी चुना गया है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), सरफराज खान, विराट कोहली, प्रसिद्ध कृष्णा, रविचंद्रन अश्विन, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), केएल राहुल, हर्षित राणा, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर।

आईपीएल 2025

कोहली या कोई और नहीं, उथप्पा ने RCB की कप्तानी के लिए इस खिलाड़ी को चुना

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी के लिए रजत पाटीदार को संभावित दावेदार के रूप में चुना है। आईपीएल 2025 के आगामी संस्करण से पहले आरसीबी फाफ डु प्लेसिस को बनाए रखने के खिलाफ जाने का फैसला करने के बाद अपने कप्तानी विकल्पों का मूल्यांकन करेगी। जबकि जोस बटलर, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर और कई अन्य विकल्प मेगा नीलामी में उपलब्ध हैं, उथप्पा का मानना है कि आरसीबी को पाटीदार का उपयोग करके अपना हाथ आजमाना चाहिए।

उथप्पा ने जियो सिनेमा पर कहा, मुझे लगता है कि उन्हें रजत पाटीदार को इस भूमिका के लिए देखना चाहिए क्योंकि ऐसा लगता है कि दो साल बाद आपको एक नए नेता की जरूरत है। इसलिए आप इसे अभी कर सकते हैं ताकि आप आगे बढ़ सकें और अगले तीन से पांच साल के लिए कप्तान बना सकें। रजत उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो वास्तव में उनके लिए यह भूमिका निभा सकते हैं। आरसीबी ने मेगा नीलामी के लिए सिर्फ तीन खिलाड़ियों को बरकरार रखकर अपने पर्स को बढ़ाने का फैसला किया। आरसीबी ने कोहली, पाटीदार और अनकैप्ड सीमर यश दयाल को शामिल करने का फैसला किया। नतीजतन, मोहम्मद सिराज, विल जैक्स और ग्लेन मैक्सवेल सहित फ्रैंचाइज़ी के शीर्ष सितारे फ्रैंचाइजी से अलग हो गए। 83 करोड़ रुपए के पर्स और राइट टू मैच का उपयोग करने के विकल्प के साथ आरसीबी एक शानदार टीम बनाने के लिए उत्सुक होगी जो फ्रैंचाइजी को उसका पहला आईपीएल खिताब दिला सके। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सबा करीम को लगता है कि आरसीबी सिराज के साथ-साथ जैक्स को वापस लाने के लिए आरटीएम का इस्तेमाल कर सकती है, जो विभिन्न विभागों में बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करने वाले खिलाड़ी हैं। करीम ने कहा, आरसीबी सिराज को चुन सकती है क्योंकि वह टीम के लिए शानदार रहे हैं। उन्हें बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में यश दयाल मिले हैं, जो एक शानदार बात है, लेकिन उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की भी जरूरत है जो उन्हें उचित साथ दे सके। इसलिए, अगर आरसीबी सिराज को शामिल कर सकता है, तो कम से कम तेज गेंदबाजी सेक्शन तो भर जाएगा। मैं विल जैक्स को भी देख रहा हूं। पिछले सीजन में उन्होंने उनके लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। वह शीर्ष पर आ सकते हैं, और वह एक बहुत ही उपयोगी दाएं हाथ के ऑफ-ब्रेक गेंदबाज भी हैं। आईपीएल की मेगा नीलामी रविवार और सोमवार को जेद्दा में होगी।

'उसका सामना करना नामुमकिन जैसा है, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने बुमराह को बताया एक्स फैक्टर

पर्थ, एजेंसी। भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जगत में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई है जिन्हें ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 'एक्स फैक्टर कहा तो पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि बिल्ली की तरह दबे पांव आकर कमाल कर जाता है। बुमराह शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट में भारत की कप्तानी करेंगे। आस्ट्रेलिया के मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने श्रृंखला से पहले उनकी तारीफों के पुल बांधे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार सत्तर के दशक में वेस्टइंडीज तेज आक्रमण के स्वर्णिम दौर के बाद पहली बार किसी तेज गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को भयाक्रांत कर दिया है। बुमराह ने पिछले दो टेस्ट दौरों पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ 32 विकेट लिए थे जिसमें 2018 बॉक्सिंग डे टेस्ट पर लिये गए छह विकेट शामिल हैं।

हेड ने कहा, 'उसका सामना करना नामुमकिन जैसा है। आपको लगता है कि आप एक कदम आगे हैं लेकिन हमेशा वह आपसे एक कदम आगे निकलता है। खेल के किसी भी प्रारूप में वह अद्भुत है। वह एक्स फैक्टर है और हर मैच में छाप छोड़ने वालों में से है। बड़े मैचों में आपको बड़े खिलाड़ी चाहिये और वह सबसे बड़ा है। वह बल्लेबाजों की परेशानी का सबब बनने वाला है। बुमराह का गेंदबाजी एक्शन पारंपरिक नहीं है और ब्रेट ली ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'वह बिल्ली की तरह दबे पांव आता है। बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने कहा, 'जब मैने पहली बार बुमराह का सामना किया तो मुझे लगा कि अरे यह अचानक कहां से आ गया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

16 सदस्यीय टीम में शेफाली का नाम नहीं, हरलीन की वापसी, पहला मैच 5 दिसंबर को

मुंबई, एजेंसी। विमेंस सिलेक्शन कमेटी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडियन विमेंस टीम का ऐलान कर दिया है। तीन मैचों की वनडे सीरीज में ओपनर शेफाली वर्मा को खराब फॉर्म के चलते टीम से बाहर किया गया है। भारतीय महिला टीम का ये दौरा 5 दिसंबर से शुरू होगा।

वनडे टीम में करीब एक साल बाद हरलीन देओल की वापसी हुई है। वहीं अपने बोर्ड एग्जाम के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ होम सीरीज नहीं खेलने वाली ऋचा घोष को भी टीम में लाया गया है। 16 सदस्यीय स्क्वॉड में प्रिया पूनिया, लेग स्पिनर मिन्नू मणि और पेसर टिटस साधु का नाम शामिल है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

शेफाली वर्मा का टीम में नाम नहीं - ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए टीम में ओपनर शेफाली वर्मा को नहीं चुना गया है। जिसकी वजह पिछली सीरीज में उनका खराब प्रदर्शन है। शेफाली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे में 56 रन बनाए थे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत ने न्यूजीलैंड सीरीज के लिए लगभग वही टीम चुनी है जो न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में खेलती दिखी थी। शेफाली वर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 3 मैच में मात्र 56 रन बनाए थे।

हरलीन की टीम में वापसी - टूर में करीब एक साल बाद हरलीन देओल की वापसी हुई है। ऑलराउंडर हरलीन ने भारत के लिए अपना आखिरी वनडे पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ मुंबई में खेला था। उन्होंने 10 वनडे में 207 रन बनाए हैं। हरलीन अपनी फील्डिंग के लिए भी जानी जाती है।

हरलीन देओल ने भारत के लिए 10 वनडे खेले हैं। - 5 दिसंबर को पहला मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज के पहले दो मैच 5 और 8 दिसंबर को ब्रिसबेन के एलन बॉर्डर मैदान पर खेले जाएंगे। वहीं सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 11 दिसंबर को पर्थ में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम: - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रिया पूनिया, जेमिमा रोड्रिग्ज, हरलीन देओल, यास्तिका भाटिया, तेजल हसब्नीस, दीप्ति शर्मा, मिनू मणि, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, टिटस साधु, अरुंधती रेड्डी, रेणुका ठाकुर और सायमा ठाकोर। विकेटकीपर ऋचा घोष न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने बोर्ड एग्जाम के चलते नहीं खेली थी।

उम्मीद करनी चाहिए कि कोहली वह तीव्रता नहीं लाएगा:

वॉटसन ने ऑस्ट्रेलिया को दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन का मानना है कि अगर भारतीय दिग्गज विराट कोहली वह तीव्रता दिखाते हैं जिसके लिए वह जाने जाते हैं, तो वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होंगे। विराट पिछले कुछ सालों से लाल गेंद वाले क्रिकेट में अपनी खोई हुई शानदार फॉर्म को वापस पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। 2020 से ही चिंता के संकेत मिल रहे हैं। बहुप्रतीक्षित श्रृंखला का पहला मैच शुक्रवार को पर्थ में शुरू होगा और यह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल का भाग्य तय कर सकता है।

चेस मास्टर को क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में लंबे समय तक खराब फॉर्म का सामना करना पड़ा है। पिछले चार सालों में विराट ने 34 टेस्ट मैचों में 31.68 की औसत से सिर्फ 1,838 रन बनाए हैं जिसमें सिर्फ दो शतक और 9 अर्द्धशतक शामिल हैं। जैसा कि उनके नाम पर सूखा का तमगा लगा हुआ है, पांच टेस्ट मैचों में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए विराट से काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। वॉटसन का मानना है कि हाल के दिनों में भारतीय दिग्गज खिलाड़ी अपनी अतिमानवीय तीव्रता को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा, एक बात जो मैं विराट के बारे में जानता हूं, वह यह है कि उनके अंदर इतनी तेज और गहरी आग जल रही है, वह जिस तीव्रता से हर गेंद को खेलते हैं, वह अलौकिक है। लेकिन हाल के दिनों में, उनके करियर में ऐसे क्षण आए हैं जब वह आग बुझने लगी क्योंकि उस तीव्रता को बनाए रखना बहुत मुश्किल है।

पिछले कुछ समय से तीव्रता की लौ कम होने के साथ विराट का खराब दौर लंबा हो गया है। लेकिन वॉटसन ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा, यही वह जगह है जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसे अकेला छोड़ देना चाहिए और उम्मीद करनी चाहिए कि वह वह तीव्रता नहीं लाएगा। अगर कोहली वह तीव्रता लाता है, तो यह सब कुछ बंद कर देता है और तब वह अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में होगा। लेकिन अगर सब कुछ चल रहा है और वह तीव्रता नहीं है, तो आप देखेंगे कि वह विराट का सर्वश्रेष्ठ संस्करण नहीं है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ सरकार ने 'मूलवासी बचाओ मंच' पर लगाया प्रतिबंध, इसलिए घोषित किया 'गैरकानूनी'

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर क्षेत्र के माओवाद प्रभावित इलाकों में सक्रिय आदिवासी संगठन 'मूलवासी बचाओ मंच' पर प्रतिबंध लगाते हुए सोमवार को इसे 'गैरकानूनी' घोषित कर दिया। इस संबंध में गृह विभाग की ओर से 30 अक्टूबर को आदेश जारी किया गया था। छत्तीसगढ़ के गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में दावा किया गया है कि 'मूलवासी बचाओ मंच' माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और सुरक्षा बलों के संचालन के लिए स्थापित शिविरों का लगातार विरोध करता रहा है। इसके अलावा संगठन इन गतिविधियों के खिलाफ जनता को भड़काता रहा है। गौरतलब है कि 'मूलवासी बचाओ मंच' सुकमा और बीजापुर के विभिन्न इलाकों में शिविरों की स्थापना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और धरना दे रहा था। मंच के अधिकांश सदस्य आदिवासी युवा हैं, जिसने सुकमा में सिलगेर शिविर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। आदेश में कहा गया है कि संगठन ने न्यायिक प्रशासन में हस्तक्षेप किया है, कानूनी रूप से स्थापित संस्थाओं की अवज्ञा को बढ़ावा दिया है, जिसके कारण सार्वजनिक व्यवस्था और शांति में गड़बड़ी हुई है, जिससे नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। इन कार्यों को राज्य की सुरक्षा के लिए हानिकारक माना गया है। आदेश में आगे कहा गया है कि छत्तीसगढ़ विशेष सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम, 2005 (क्रमांक 14, 2006) की धारा 3, उपधारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, राज्य सरकार ने मूलवासी बचाओ मंच को इस अधिसूचना की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए 'गैरकानूनी' संगठन घोषित किया है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष सोनवानी गिरफ्तार, 45 लाख रुपए की रिश्वत लेने का आरोप

रायपुर, एजेंसी। सीबीआई ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष तमन सिंह सोनवानी को गिरफ्तार कर लिया है। सोनवानी पर कथित तौर पर 45 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। सीबीआई के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। सीबीआई ने जुलाई में 2020 और 2022 के बीच अधिकारियों और राजनेताओं के रिश्तेदारों की भर्ती में अनियमितताओं के संबंध में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की जांच अपने हाथ में ली थी। सीबीआई ने तब सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष तमन सिंह सोनवानी, पूर्व सचिव जेके ध्रुव और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। सीबीआई जांच से पता चला था कि सोनवानी के बेटे नितेश को डिप्टी कलेक्टर के रूप में चुना गया था, जबकि उनकी बहन की बेटी सुनीता जोशी को श्रम अधिकारी के रूप में चुना गया था। उनकी बहू निशा कोसले को डिप्टी कलेक्टर के रूप में चुना गया था। उनके परिवार के अन्य युवा छात्रों ने भी प्रीमियम स्थान हासिल किया था। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए मेरिट सूची में छेड़छाड़ और हेराफेरी की कि उनके और उनके रिश्तेदारों के बेटे-बेटियों को डिप्टी कलेक्टर और पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जैसे प्रीमियम पद मिले। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि 171 छात्रों की मेरिट सूची में शीर्ष अधिकारियों और राजनेताओं के बच्चे शामिल थे। एजेंसी ने एफआईआर में नामित लोगों के रायपुर और भिलाई स्थित आवासों पर व्यापक तलाशी ली थी।

हरियाणा में 1.2 लाख कर्मचारियों को पक्का करने का बिल विधानसभा में पारित

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा की नायब सैनी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले किए गए अपने वादे को पूरा कर दिया है। हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन सरकार ने हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024 पारित कर दिया। इससे पांच साल से अनुबंध पर काम कर रहे 50 हजार रुपए तक वेतन वाले 1.20 लाख कर्मचारियों की सेवाएं 58 साल की आयु तक सुर?क्षित हो गई हैं। हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024 पारित होने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मैं प्रदेश के मेरे सभी 1.20 लाख कच्चे कर्मचारियों को पक्का होने पर बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। आज आपके हितों की रक्षा के लिए लोकतंत्र के मंदिर में विधेयक पारित हो गया है। राज्य सरकार ने प्रदेश में हरियाणा कौशल रोजगार निगम, आउटसोर्स नीति के तहत लगे 1 लाख 20 हजार कर्मचारियों की सेवाओं को सेवानिवृति की तिथि तक सुरक्षित करने का निर्णय लिया है। इसी उद्देश्य के लिए सरकार हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024 लेकर आई है। मुख्यमंत्री नायब

सिंह सैनी ने कहा कि 50,000 रुपए के वेतन की सीमा से ऊपर के कर्मचारियों की सेवाओं को सुरक्षित करने के लिए भी विधेयक लाया जाएगा। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के समय ठेकेदार के माध्यम से लगे कर्मचारियों का शोषण होता था। ठेकेदार द्वारा कर्मचारियों को पूरा मानदेय नहीं दिया जाता था। यदि कोई कर्मचारी इस बारे अपनी आवाज उठाता था, तो उसे नौकरी से बाहर कर दिया जाता था। कर्मचारी परेशान थे। वर्तमान राज्य सरकार ने कांग्रेस की इन गलत नीतियों को दुरुस्त करने का काम किया। इसी उद्देश्य से कर्मचारियों को राहत देने के लिए राज्य सरकार ने 1 अप्रैल, 2022 को हरियाणा कौशल रोजगार निगम का गठन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निगम के तहत भर्तियों में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है। इस निगम के तहत पहले से कार्य कर रहे कच्चे कर्मचारियों को पोर्ट किया गया। नए कर्मचारियों को भी नियुक्ति प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने डेप्लॉयमेंट ऑफ कॉटरेक्चुअल पॉलिसी के तहत पैरामीटर तय किए हैं। जिसके घर में कोई नौकरी न हो, आयु के आधार पर तथा कौशल के आधार पर युवाओं को वेटेज दी गई है। इससे गरीब परिवार के पात्र युवाओं को नौकरी मिली है। 32 प्रतिशत आरक्षण देते हुए पिछड़ा वर्ग के 41,376 युवाओं और सामान्य वर्ग के 53,993 युवाओं को नौकरी दी गई है। नायब सैनी ने कहा कि आगामी समय में राज्य सरकार द्वारा 2 लाख अतिरिक्त पक्की नौकरियों को बिना पर्ची-बिना खर्ची के पारदर्शी तरीके से युवाओं को देने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में 50 हजार रुपए से अधिक मानदेय पर काम कर रहे कर्मचारियों की सेवाओं की सुरक्षा के लिए भी सरकार विचार कर रही है। उनके साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता कहते थे कि जब हमारी सरकार आएगी तो हम एच.के.आर.एन. को खत्म कर देंगे। लेकिन वर्तमान राज्य सरकार, किसी को नौकरी से नहीं हटा रही है। हमारी सरकार ने सभी कच्चे कर्मचारियों की सेवाओं को पूर्ण रूप से सुरक्षित करने का काम किया है। वहीं, हरियाणा संविदात्मक कर्मचारी (सेवा की सुनिश्चितता) विधेयक, 2024 पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के कई विधायकों ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। कांग्रेस भुक्कल ने कौशल रोजगार निगम में भर्ती हुए कर्मचारियों में आरक्षण प्रणाली लागू होने का मामला उठाया।

सीएम पिनरई विजयन पर बरसी कांग्रेस और आईयूएमएल, लगाया भाजपा-आरएसएस का साथ देने का आरोप

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। आईयूएमएल केरल के कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) में दूसरा सबसे बड़ा गठबंधन भागीदार है। विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संघ परिवार को खुश करने के लिए ये टिप्पणियां कीं। सतीसन ने कहा कि थंगल जैसे धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति के खिलाफ मुख्यमंत्री की अपमानजनक टिप्पणी, सच में संघ परिवार को खुश करने के लिए है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के प्रमुख पनक्कड़ सादिक अली शिहाब थंगल के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के बाद ताजा विवाद खड़ा कर दिया। पलक्कड़ उपचुनाव के लिए एलडीएफ समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवार पी सरीन के लिए रविवार को एक अभियान रैली में पिनाराई ने थंगल की अत्यधिक आलोचना की। उन्होंने कहा कि थंगल जमात-ए-इस्लामी के नियमित अनुयायी की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

इसे भी पढ़ें- केरल के कन्नूर में सड़क दुर्घटना में रंगमंच समूह की दो महिलाओं की मौत

आईयूएमएल केरल के कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) में दूसरा सबसे बड़ा गठबंधन भागीदार है। विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने संघ परिवार को खुश करने के लिए ये टिप्पणियां कीं। सतीसन ने कहा कि थंगल जैसे धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति के खिलाफ मुख्यमंत्री की अपमानजनक टिप्पणी, सच में संघ परिवार को खुश करने के लिए है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने हाल ही में पूछा था कि क्या वे थंगल की आलोचना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा था, हम थंगल की आलोचना करेंगे।

सतीसन ने पिनाराई विजयन पर भाजपा के राज्य प्रमुख के समान आवाज़ में बोलने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि दोनों एक ही तरह से बात कर रहे हैं। इस बीच, आईयूएमएल के मलयालम मुखपत्र चंद्रिका ने भी पिनाराई की आलोचना की। चंद्रिका में एक राय लेख में कहा गया है कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन का थंगल की योग्यता का मूल्यांकन करने का प्रयास सांप्रदायिक ताकतों के साथ उनके और उनकी पार्टी के घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है।

रिटायरमेंट लो या कहीं और ट्रांसफर कराओ, गैर हिन्दू कर्मचारियों से बोला तिरुमाला बोर्ड

तिरुमाला, एजेंसी। टीटीडी यानी तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने गैर हिन्दुओं को वीआरएस यानी इच्छा से रिटायरमेंट या किसी अन्य विभाग में तबादला कराने के लिए कहा है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इससे करीब 300 कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं। सोमवार को इस संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया गया है। टीटीडी एक स्वतंत्र सरकारी ट्रस्ट है, जो तिरुपति में तिरुमाला वेंकटेश्वरा मंदिर का प्रबंधन संभालती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रस्ट के अध्यक्ष बीआर नायडू ने बताया है कि गैर-हिन्दुओं को लेकर यह फैसला लिया गया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है कि बोर्ड के 7 हजार स्थाई कर्मचारियों में से यह करीब 300 को प्रभावित कर सकता है। टीटीडी में करीब 14 हजार ऐसे कर्मचारी भी हैं, जो कॉन्ट्रेक्ट पर काम कर रहे हैं। खबर है कि इस फैसले को कई कर्मचारी यूनियनों से भी समर्थन मिल रहा है।

31 अक्टूबर को टीटीडी के अध्यक्ष बने नायडू का कहना है कि सिर्फ हिन्दुओं को ही मंदिर का काम देखना चाहिए। खास बात है कि अब तक टीटीडी एक्ट तीन बार संशोधित हो चुका है, ताकि मंदिर बोर्ड और उससे जुड़े संस्थानों में सिर्फ हिन्दुओं को ही नौकरी दी जा सके। इसके अलावा साल 1989 में सरकार की तरफ से आदे भी जारी हुआ था, जिसमें टीटीडी के पदों पर सिर्फ हिन्दुओं की नियुक्ति की बात कही गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों का दावा है कि इन प्रावधानों के बाद भी गैर हिन्दुओं का काम करना जारी है। खबर है कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही हिन्दू कर्मचारियों की तरफ से कथित तौर पर गैर हिन्दुओं के काम करने की शिकायतें मिल रही थीं। हाल ही में नायडू सरकार ने आरोप लगाए थे कि वाईएसआरसीपी सरकार में तिरुपति के प्रसाद के लड्डू बनाने में लगने वाले घी में जानवर की चर्बी मिलाई जा रही है।

हिमाचल में जल्द बनेगी कांग्रेस कमेटी, प्रतिभा सिंह ने राजीव शुक्ला से की मुलाकात

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस इकाई की पूर्व प्रमुख प्रतिभा सिंह ने सोमवार को राज्य पार्टी प्रभारी राजीव शुक्ला से मुलाकात की। सिंह का कार्यकाल इस महीने की शुरुआत में पूरी इकाई के भंग होने के साथ खत्म हो गया था। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने कहा कि दोनों नेताओं की चर्चा केवल उत्तर भारतीय राज्य में पार्टी इकाई के पुनर्गठन पर केंद्रित थी, जहां कांग्रेस सत्ता में है।

मामले से अवगत लोगों ने बताया कि सिंह और शुक्ला की बैठक एक घंटे से ज्यादा समय तक चली। राज्य में पार्टी के नए संगठन की स्थापना से पहले आने वाले दिनों में कुछ और विचार-विमर्श, विशेष रूप से पार्टी के शीर्ष स्तर पर, होंगे। पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि सिंह का राज्य में काफी प्रभाव है, ऐसे में उनका पद बरकरार रखा जा सकता

है। हालांकि पार्टी का एक अहम वर्ग इस आइडिया का विरोध कर रहा है।

एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पुनर्गठित राज्य समिति छोटी होगी और एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का पालन करेगी। एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, जब पीसीसी का गठन किया गया था, तब जो भी राज्य इकाई का हिस्सा बनना चाहता था, उसे शामिल किया गया था। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के विभिन्न नेताओं ने अपने वफादारों को समिति में शामिल करने की कोशिश की। जिस कारण यह एक विशाल आकार पैनल बन गया था। अब, हमें प्रदेश कांग्रेस समिति का आकार कम करना होगा। हमारी सरकार स्थिर है और हम संगठन से कमियां निकाल सकते हैं।

कांग्रेस ने लगातार चल रही उथल-पुथल के बीच 6 नवंबर को हिमाचल प्रदेश में पूरी पार्टी इकाई को भंग कर दिया था। इस साल की शुरुआत में कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी से 10 वोटों के अंतर के बावजूद राज्यसभा चुनाव जीतने में विफल रही। बड़े पैमाने पर क्रॉस-वोटिंग से कांग्रेस उम्मीदवार और वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी को हार का मुंह देखना पड़ा। कई नेताओं ने सिंह के वफादारों पर उंगली उठाई। जिसकी वजहसे पार्टी के अंदर की गुटबाजी और अंदरूनी कलह सामने आ गई।

पंजाबी सिंगर गैरी संधू पर ऑस्ट्रेलिया में हमला-शो के दौरान हमलावर स्टेज पर चढ़ा, गला पकड़ा

मेलबर्न, एजेंसी। पंजाब के जालंधर से संबंध रखने वाले पंजाबी सिंगर गैरी संधू पर ऑस्ट्रेलिया में एक शो के दौरान विवाद के बाद हमला किया गया। संधू के शो में आए एक फैन ने उन्हें मारने की कोशिश की। आरोपी ने स्टेज पर चढ़कर संधू का गला पकड़ लिया था। हालांकि, मौके पर मौजूद संधू के सिक्योरिटी गार्ड और पुलिस ने किसी तरह उक्त युवक को पकड़ स्टेज से नीचे उतारा। बाद में उसकी धुनाई की और पुलिस उसे गिरफ्तार कर ले गई। बता दें कि गैरी संधू इन दिनों ऑस्ट्रेलिया टूर पर हैं।

उंगली उठाकर इशारा करने पर भड़का था हमलावर: बीते रविवार को ऑस्ट्रेलिया में गैरी संधू लाइव शो कर रहे थे। यहां बड़ी संख्या में लोग जमा थे। गैरी संधू ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में शो कर रहे थे, जहां उनकी आवाज से लोगों में उत्साह था। इसी दौरान एक गाने की प्रस्तुति देते हुए गैरी ने भीड़ की ओर हाथ की बीच की उंगली उठाकर इशारा किया। (यह इशारा सामाजिक रूप से अभद्र माना जाता है) इसके बाद भीड़ से एक

युवक निकलकर स्टेज पर चढ़ गया और गैरी की ओर लपका। उसने आकर गैरी की गर्दन पकड़ ली। इसके तुरंत बाद ही गैरी की टीम के लोग और सुरक्षा में तैनात न्यू साउथ वेल्स के पुलिसकर्मी गैरी के पास पहुंच गए।

सुरक्षाकर्मियों ने गैरी को हमलावर से बचाया

उन्होंने गैरी को हमलावर के चंगुल से काफी मशक्कत कर छुड़ाया। इस दौरान हमलावर और गैरी संधू के बीच काफी बहस और गाली-गलौज भी हुई। हमलावर काफी आक्रामक हो रहा था, इसलिए पुलिस ने उसे उठाकर धरती पर गिरा लिया और उसकी धुनाई की गई। हालांकि, इस हमले को लेकर अब तक गैरी ने या उनकी टीम ने कोई बयान साझा नहीं किया है। जबकि, सोशल मीडिया पर इस हमले का वीडियो जारी कर कई लोग गैरी को ट्रोल करने में लगे हुए हैं।

जालंधर के रूड़का कलां गांव के रहने वाले हैं संधू: बता दें कि पंजाबी गायक गैरी संधू कई सुपर हिट गाने कर चुके हैं। वह मूल रूप से जालंधर के गांव रूड़का कलां के रहने वाले हैं। वह फिलहाल यूनाइडेट किंगडम में ही रहते हैं और काम करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर संधू के करीब 53 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। गैरी संधू के कई गानों को तो 15 करोड़ से ज्यादा फैंस पसंद कर चुके हैं।

रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहे गैरी: गैरी संधू अक्सर अपने स्टाइल को लेकर चर्चा में रहते हैं। एक समय ऐसा था जब उनके अफेयर के भी चर्चे थे। वह सिंगर जैस्मीन सैंडलस के साथ रिलेशनशिप में थे। हालांकि, किन्हीं कारणों से उनका रिश्ता टूट गया और वे अलग हो गए। संधू सोशल मीडिया पर लाइव आकर भी इसका जिक्र कर चुके हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध के 1000 दिन; यह समय शांति हासिल करने का, बर्बादी के बीच समय की मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। में राजनैतिक एवं शांतिनिर्माण मामलों के लिए प्रमुख रोजमैरी डीकार्लो ने सोमवार को सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए हिंसक टकराव का अंत करने के लिए राजनैतिक इच्छाशक्ति व एकजुट प्रयासों का आग्रह किया है।

यूक्रेन पर रूसी सैन्य बलों के आक्रमण को एक हजार दिन पूरे हो रहे हैं। मगर देश में लाखों नागरिक अब भी व्यापक पैमाने पर मौतों, विध्वंस और हताशा से जूझ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में राजनैतिक एवं शांतिनिर्माण मामलों के लिए प्रमुख रोजमैरी डीकार्लो ने सोमवार को सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए हिंसक टकराव का अंत करने के लिए राजनैतिक इच्छाशक्ति व एकजुट प्रयासों का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि रूसी महासंघ ने फरवरी 2022 में पूर्ण स्तर पर यूक्रेन पर यह आक्रमण, संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का खुलेआम उल्लंघन करते हुए किया था। एक हजार दिन बीत चुके हैं, यह युद्ध जारी है, बिना रुके। घातक लड़ाई पूर्वी व दक्षिणी यूक्रेन के ज्यादा से ज्यादा हिस्सों को अपने लपेटे में ले रही है। व्यापक मौतों, तबाही और हताशा के 1,000 दिन, जोकि लाखों यूक्रेनी नागरिकों के लिए बदस्तूर जारी हैं। अब तक कम से कम 12 हजार 164 आम लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें 600 से अधिक बच्चे हैं। 26 हजार से अधिक घायल हुए हैं, लेकिन हताहतों का वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं अधिक होने की आशंका है। यूएन अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो ने बताया कि इस सप्ताहांत रूस ने यूक्रेन के सभी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। 120 मिसाइलों व 90 ड्रोन के जरिये ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, जिससे जान-माल का भीषण नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में अति-महत्वपूर्ण नागरिक व ऊर्जा प्रतिष्ठानों को व्यवस्थागत ढंग से निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें तबाह किया जा रहा है, जोकि अनेक यूक्रेनी नागरिकों को बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित कर रहा है। करीब 580 मेडिकल केंद्र क्षतिग्रस्त या बर्बाद हुए हैं।

वालमार्ट स्टोर के ओवन में जलकर मरने वाली भारतीय लड़की की मौत पर संशय बरकरार

ओटावा , एजेंसी। कनाडा के हुई एक भारतीय युवती की मौत के मामले में कनाडा पुलिस ने अपनी जांच पूरी कर ली है। पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि युवती की मौत में किसी दूसरे व्यक्ति की संलिप्तता के सबूत नहीं मिले हैं। गौरतलब है कि बीते अक्तूबर में कनाडा के वालमार्ट के एक स्टोर में भारतीय युवती गुरसिमरन कौर की लाश मिली थी। यह लाश स्टोर में बिक्री के लिए रखे एक ओवन में जली हुई हालत में मिली थी।

अब कनाडा पुलिस ने अपनी जांच के बाद गुरसिमरन की मौत में किसी दूसरे व्यक्ति के शामिल होने की आशंका से इनकार कर दिया है। पुलिस ने कहा कि किसी तरह की साजिश के उन्हें सबूत नहीं मिले हैं। पुलिस ने कहा कि हम जानते हैं कि घटना को लेकर कई सवाल हैं कि आखिर उस वक्त क्या हुआ था। लेकिन जांच, कई लोगों से पूछताछ और वीडियो फुटेज देखने के बाद हम कह सकते हैं कि घटना में कोई संदिग्ध नहीं है। हमें नहीं लगता कि घटना में कोई दूसरा व्यक्ति शामिल था। हमें ये भी लगता है कि कई ऐसे सवाल हैं, जिनके जवाब शायद अब कभी नहीं मिलेंगे।

कनाडा के हेलीफेक्स इलाके में स्थित एक वालमार्ट स्टोर में भारतीय युवती गुरसिमरन कौर नौकरी करती थी।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई कोमा में ! कार्यालय ने तस्वीर जारी कर दी सफाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि 85 वर्षीय खामेनेई कोमा में हैं और उन्होंने गुप्त बैठक में अपने बेटे मोजतबा खामेनेई को उत्तराधिकारी नामित किया है। हालांकि, रविवार को खामेनेई के आधिकारिक कार्यालय ने इन अटकलों को खारिज करते हुए उनकी एक तस्वीर साझा की। इसमें खामेनेई को लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी के साथ बातचीत करते हुए देखा गया।

खामेनेई के एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर यह तस्वीर पोस्ट की गई, जिसमें लिखा गया, इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्लाह खामेनेई ने लेबनान में ईरान के अनुभवी राजदूत

मोजतबा अमानी से आज दोपहर अपने दैनिक बैठकों के दौरान मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खामेनेई अक्टूबर में गंभीर रूप से बीमार थे, और उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह दावा किया था। वहीं, खामेनेई ने अक्टूबर 5 को पांच साल बाद पहली बार एक सार्वजनिक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने फिलिस्तीन और लेबनान के हमास और हिज़्बुल्लाह के समर्थन में बयान दिया था।मो

जतबा अमानी, जिनसे खामेनेई ने मुलाकात की, सितंबर में लेबनान में एक विस्फोट में घायल हो गए थे। यह विस्फोट हिज़्बुल्लाह के उपकरणों में हुआ था, जिसमें 39 लोगों की मौत और लगभग 3,000 लोग घायल हुए थे। अमानी ने अपनी सेहत से जुड़ी रिपोर्ट खामेनेई को सौंपी।पिछले महीने अपने भाषण में खामेनेई ने कहा था कि इजरायल जल्द ही खत्म हो जाएगा। उन्होंने इजरायल पर मिसाइल हमलों को जनता की सेवा बताते हुए इसे जायज ठहराया। उन्होंने हमास और हिज़्बुल्लाह के संघर्ष का समर्थन करते हुए इजरायल के खिलाफ हथियारबंद आंदोलन की वकालत की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129